- लोकसभा में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी वाला विधेयक पारित
- 12

- दो दशकों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता तय करेगी वृद्धि की रफ्तार : सीईए
- 12

- द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे इजराइल और भारत
- 13

- बोली समाप्त होने के बाद भी मैं आंसू नहीं रोक पा रहा था : कार्तिक शर्मा
- 14

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.51

सूर्यास्त 05.20

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष चतुर्दशी, 04:59 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 18 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 118, पृष्ठ 14 मूल्य 5 रुपये

चांदी की चमक ने बनाया नया रिकॉर्ड, भाव दो लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी

- घरेलू-वैश्विक मांग के कारण आया 7,300 रुपये का उछाल

घरेलू और वैश्विक बाजारों में मांग मजबूत होने से चांदी के भाव में बुधवार को 7,300 रुपये का उछाल आया और यह पहली बार दो लाख रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी का भाव बुधवार को 2,05,800 रुपये किलोग्राम रहा।

स्थानीय सर्राफा बाजार में सोने की कीमत भी 600 रुपये चढ़कर सभी करों सहित 1,36,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई जो मंगलवार को 1,35,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोने की कीमत 18.59 अमेरिकी डॉलर यानी

0.43% बढ़कर 4,321.06 अमेरिकी डॉलर औंस हो गई। इसके अलावा, हाजिर चांदी ने विदेशी बाजार में पहली बार 66 डॉलर प्रति औंस का आंकड़ा पार कर लिया। चांदी में 2.77 अमेरिकी डॉलर यानी 4.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 66.52 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

कोहरा : एक्सप्रेस-वे पर अधिकतम गति सीमा घटाने की तैयारी

मुख्यमंत्री ने जारी किए कड़े निर्देश, यमुना एक्सप्रेस वे हादसे के बाद शुरू किए गए कई एहतियाती उपाय

राज्य ब्यूरो लखनऊ/एजेंसी

- सभी एक्सप्रेस वे पर 120 के बजाय 80 किमी घंटे हो सकती है अधिकतम गति

यमुना एक्सप्रेस वे समेत कई सड़कों पर मंगलवार को घने कोहरे में भीषण दुर्घटनाएं होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को हादसे रोकने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। राजमार्ग अधिकारियों ने इसके बाद एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है।

उप्र एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीईआईडीए) ने सरकार को सभी एक्सप्रेस वे पर कोहरा रहने तक अधिकतम गति 120 से घटाकर 80 किमी घंटा करने का प्रस्ताव भी

भेजने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन, पुलिस और नगर निकायों के अधिकारियों को आगाह किया है कि जनजीवन, यातायात और निराश्रितों की सुरक्षा में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़कों, हाईवे से लेकर एक्सप्रेस-वे तक सुरक्षा इंतजाम चाकचौबंद रखे जाएं। साथ ही, एक्सप्रेस-वे पर पेट्रोलिंग बढ़ाने, ब्लैक स्पॉट पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने, टीमें तैनात करने, क्रेन और एम्बुलेंस को उपलब्ध रखने का निर्देश दिया है।

रेड अलर्ट: 20 तक घना कोहरा

लखनऊ। प्रदेश में 17 से 20 दिसंबर के बीच घने से अत्यंत घने कोहरे और सर्दी को लेकर चेतावनी जारी की गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार पश्चिमी भारत और आसपास में बने एंटी-साइक्लोन तथा ऊपरी वायुमंडल में सक्रिय पश्चिमी जेट स्ट्रीम के प्रभाव से कोहरे की तीव्रता बढ़ी है। विभाग ने बरेली, लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, सीतापुर, बाराबंकी, बिजनौर सहित कई जिलों में अत्यंत घना कोहरा और सर्दी की अत्यधिक आशंका जताई है।

मथुरा हादसा : 15 हुई मृतक संख्या

मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के हुए भीषण हादसे में घायल हुए और लोगों की मृत्यु के बाद मृतकों की कुल संख्या 13 से बढ़कर 15 हो गई है। इसके साथ झुलसे शवों में से दो और की पहचान हुई है। बाकी की पहचान के लिए डीएनए जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम करने वाले चिकित्सकों के एक पैनल के अनुसार पुलिस मुर्दाघर में 10 मृतकों के सिर, दो के धड़ और एक लगभग साबुत शव लेकर आई थी, जबकि बाकी बैग में सिर्फ छोटे, बुरी तरह जले हुए अवशेष थे। चिकित्सकों ने बताया कि सभी शवों के पोस्टमार्टम और डीएनए जांच की प्रक्रिया जारी है।

वाहन चालकों के लिए जारी की गई गाइडलाइन

- धुंध के दौरान वाहन की गति निर्धारित सीमा से कम रखें।
- फॉग लाइट का प्रयोग करें, लो बीम पर हेडलाइट रखें।
- इमरजेंसी इंडिकेटर्स को घने कोहरे के वक्त चालू रखें।
- सड़क पर आगे चल रहे वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रहें।
- एक्सप्रेस-वे पर बार-बार लेन न बदलें, ओवरटेकिंग न करें।
- रिस्क न लें, वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टर टेप जरूर लगवाएं।

ब्रीफ न्यूज

सबरीमला: टीडीबी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। सबरीमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर से सोना गायब होने के मामले की जांच कर रहे एसआईटी ने बुधवार को टीडीबी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एस श्रीकुमार को गिरफ्तार कर लिया। श्रीकुमार की गिरफ्तारी केरल हाईकोर्ट की ओर से उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के दो सप्ताह बाद हुई है। हाईकोर्ट ने कहा था कि उन पर लगे आरोप साबित हो चुके हैं। उनके साथ ही त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) की पूर्व सचिव एस जयश्री की अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज कर दी गई।

इंडिगो संकट: यात्रियों को मुआवजे संबंधी याचिका पर सुनवाई नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को उस जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया जिसमें केंद्र और इंडिगो विमानन कंपनी को उन सभी यात्रियों को पूरे टिकट मूल्य का चार गुना मुआवजा देने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया था जिनके टिकट नवंबर और दिसंबर के दौरान नई उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) के लागू होने के बाद रद्द कर दिए गए थे। कोर्ट ने कहा कि वह इसी मुद्दे पर पहले से दायर जनहित याचिका पर संज्ञान ले चुकी है और उसने याची 'सेंटर फॉर अकाउंटेबिलिटी एंड सिस्टमिक चेंज' को लंबित याचिका में हस्तक्षेप करने की छूट दी।

लॉरेंस बिश्नोई के पूर्व सहयोगी की हत्या मामले में पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को आरजू-अनमोल बिश्नोई-हैरी बॉक्सर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस के के अनुसार, इन पर इस महीने की शुरुआत में चंडीगढ़ में दूसरे गिरोह के एक गैंगस्टर की हत्या में शामिल होने का आरोप है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के पूर्व करीबी सहयोगी इंद्रप्रीत सिंह उर्फ पैरी की एक दिसंबर को चंडीगढ़ के सेक्टर 26 में क्लब से बाहर निकलने के बाद हत्या कर दी गई थी। यह घटना उस समय हुई जब पैरी अपनी एसयूवी में बैठा था, तभी एक बंदूकधारी ने उस पर करीब से गोली मार दी।

दिल्ली प्रदूषण पर सुप्रीम निर्देश... नौ टोल प्लाजा बंद करें, श्रमिकों को मुआवजा दें

राष्ट्रीय राजधानी में भीड़भाड़ घटाने पर जोर, 5वीं तक के स्कूल खोलने से इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के गंभीर स्तर पर चिंता जताते हुए बुधवार को एनएचएआई और एमसीडी से कहा कि वे राष्ट्रीय राजधानी की सीमा पर स्थित नौ टोल प्लाजा को अस्थाई रूप से बंद करने या शिफ्ट करने पर विचार करें ताकि शहर में यातायात भीड़ में कमी लाई जा सके। शीर्ष कोर्ट ने पांचवीं तक के छात्रों के लिए स्कूल बंद करने के दिल्ली सरकार के निर्देश में दखल देने से इन्कार कर दिया, साथ ही प्रदूषण के कारण बेरोजगार हुए मजदूरों के लिए मुआवजा सीधे उनके खातों में ट्रांसफर करने का निर्देश दिया।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने वायु प्रदूषण के संकट को हर साल सामने आने वाली समस्या करार दिया और इससे निपटने के लिए कारगर एवं व्यावहारिक समाधानों का आह्वान किया। अदालत ने दिल्ली के प्रवेश बिंदुओं पर स्थित नौ टोल प्लाजा को अस्थाई रूप से बंद करने या शिफ्ट करने के संबंध में एमसीडी से एक हफ्ते के भीतर निर्णय लेने को कहा ताकि यातायात प्रवाह को सुचारु बनाए रखने के साथ उत्सर्जन में कमी लाई जा सके। साथ ही, सिर्फ प्रोटोकॉल बनाने के बजाय मौजूदा उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया। सीजेआई ने कहा, निवारक उपाय पहले से मौजूद हैं, लेकिन उनका कार्यान्वयन लगातार कमजोर रहा है। पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को अपनी दीर्घकालिक रणनीतियों पर पुनर्विचार कर उन्हें मजबूत करने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने प्रदूषण संबंधी प्रतिबंधों से रोजी-रोटी पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह प्रतिबंधों के कारण बेरोजगार हुए निर्माण श्रमिकों का तत्काल सत्यापन करे और यह सुनिश्चित करे कि वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जाए।

दिल्ली में बीएस-4 या ऊपर के मानक वाले वाहन ही चलेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार की याचिका पर बुधवार को यह भी निर्देश दिए कि दिल्ली में सिर्फ ऐसे वाहनों को ही चलने की अनुमति दी जाएगी जो बीएस-4 उत्सर्जन मानक या उससे ऊपर की श्रेणी के हैं। कोर्ट के इस नए निर्देश के बाद अब अधिकारी उन पुराने वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर सकेंगे जो बीएस-चार मानकों को पूरा नहीं करते हैं। वहीं बीएस-4 या नए वाहनों को उनकी समय सीमा पूरी होने के बावजूद चलाने की अनुमति है। इससे पहले शीर्ष कोर्ट ने गत 12 अगस्त के आदेश में एनसीआर में दस साल से पुराने डीजल और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने पर रोक लगा दी थी। वहीं, दिल्ली सरकार ने गैर बीएस- 6 वाहनों का दिल्ली में प्रवेश रोकने के लिए सीमा पर यातायात पुलिस और प्रवर्तन दल तैनात करने का आदेश जारी किया है।

मजदूरों को मिलेगा 10-10 हजार रुपये का मुआवजा

दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रदूषण से निपटने से संबंधित चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे और चौथे चरण से प्रभावित निर्माण मजदूरों को 10-10 हजार रुपये मुआवजा दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि सरकारी तौर पर पंजीकृत श्रमिकों को ही ये लाभ मिलेंगे। इसके लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उधर, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पीठ ने श्रमिकों को मुआवजा देने की प्रक्रिया में किसी भी तरह की गड़बड़ी के प्रति आगाह करते हुए कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि श्रमिकों के खातों में अंतरित राशि गायब हो जाए या किसी अन्य खाते में चली जाए।

आज से 50 फीसदी कर्मचारी घर से करेंगे काम

दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में सभी सरकारी और निजी संस्थानों के लिए गुरुवार से 50 प्रतिशत 'वर्क-फ्रॉम-होम' सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए। ये निर्देश अस्पतालों, अग्निशमन सेवा, जेल प्रशासन, निजी परिवहन, बिजली और पानी विभागों, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण विभाग सहित जरूरी सेवाओं पर लागू नहीं होगा। इससे पहले, दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन समिति (सीएक्यूएम) की सिफारिश पर नौवीं और ग्यारहवीं तक के छात्रों के लिए शहर भर के स्कूलों को 'हाइब्रिड मोड' में बदलने और पांचवीं तक के छात्रों के लिए पूरी तरह ऑनलाइन पढ़ाई की भी घोषणा की थी।

यदि अतीत में उलझी रहेगी तो आगे नहीं बढ़ेगी दुनिया : मोदी

अदीस अबाबा, एजेंसी

- प्रधानमंत्री मोदी ने इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को किया संबोधित
- कहा- दोनों देश शांति, सुरक्षा, कनेक्टिविटी के मामले में प्राकृतिक साझीदार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को इथियोपियाई संसद को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और इथियोपिया क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के मामले में प्राकृतिक साझीदार हैं। मोदी ने जोर दिया कि दोनों देश एक ऐसी दुनिया के लिए कार्यरत हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक समानता मूलक और अधिक शांतिपूर्ण हो। उन्होंने कहा, अगर वैश्विक प्रणालियां अतीत में उलझी रहेंगी तो दुनिया आगे नहीं बढ़ सकती। मोदी अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर मंगलवार को इथियोपिया पहुंचे थे। इथियोपिया विश्व की 18वीं संसद है जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया।

मोदी ने इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, शेरों की भूमि इथियोपिया में आकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। उन्हें यहां घर जैसा महसूस हो रहा है क्योंकि उनका गृह राज्य गुजरात भी शेरों की भूमि है। प्रधानमंत्री ने कहा, इथियोपिया अफ्रीका के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र और भारत हिंद महासागर के केंद्र में स्थित है। हम क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी में प्राकृतिक साझीदार हैं। प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान सांसदों ने 50 से अधिक बार तालियां बजाईं। मोदी ने कहा, इस वर्ष की शुरुआत में रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर के साथ आपसी सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है। यह समझौता घनिष्ठ सैन्य सहयोग पर केंद्रित है।

भारतीय कंपनियां इथियोपिया में सबसे बड़ी निवेशक

मोदी ने कहा कि भारतीय कंपनियां इथियोपिया में सबसे बड़े निवेशकों में शामिल हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में पांच अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है और 75,000 से ज्यादा रोजगार सृजित किए हैं। उन्होंने इथियोपिया के विकास में हजारों भारतीय शिक्षकों के योगदान का भी जिक्र किया। उन्होंने घोषणा की कि भारत और इथियोपिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों के रूप में, भारत और इथियोपिया एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं और एक-दूसरे को बहुत कुछ दे सकते हैं। इसमें साइबर सुरक्षा, रक्षा उद्योगों, संयुक्त अनुसंधान और क्षमता निर्माण में सहयोग शामिल है।

सुरक्षा कारणों से भारत ने ढाका में बंद किया वीजा आवेदन केंद्र

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए बुधवार को अपना कार्यालय बंद कर दिया। ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क (जेएफपी) में स्थित आईवीएसी राजधानी में सभी भारतीय वीजा सेवाओं के लिए मुख्य एवं एकीकृत केंद्र है।

आईवीएसी ने कहा कि बुधवार को आवेदन जमा करने के लिए निर्धारित अपॉइंटमेंट स्लॉट वाले सभी आवेदकों के 'अपॉइंटमेंट' पुनर्निर्धारित किए जाएंगे। इससे पहले दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह को तलब किया और कुछ चरमपंथी तत्वों द्वारा ढाका स्थित भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा संकट पैदा करने की साजिश के एलान को लेकर गंभीर चिंता जताई।

बीमा क्षेत्र में अब शत-प्रतिशत एफडीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- सबका बीमा सबकी रक्षा विधेयक को मिली संसद की मंजूरी

बीमा क्षेत्र में शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रावधान करने वाले 'सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) विधेयक, 2025' को बुधवार को संसद की मंजूरी मिल गई। राज्यसभा ने विधेयक पर चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद बुधवार को विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे मंगलवार 16 दिसंबर को ही पारित कर चुकी थी।

चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि शत-प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने से विदेशी कंपनियों के लिए भारत में आना आसान होगा और उन्हें स्थानीय भागीदार खोजने की जरूरत नहीं होगी। इससे देश में बीमा कवरेज बढ़ेगा, प्रीमियम में कमी आएगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

ये होंगे बीमा क्षेत्र में प्रमुख बदलाव

- शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने के साथ पहली बार प्रावधान किया गया है कि एक बीमा कंपनी का गैर-बीमा कंपनी के साथ विलय किया जा सकता है या उसे बीमा तथा गैर-बीमा कंपनियों में बांटा जा सकता है। इसके लिए बीमा नियामक से अनुमति लेनी होगी।
- पांच प्रतिशत से कम के हिस्सेदारी स्थानांतरण के लिए पूर्वानुमति की जरूरत नहीं होगी। सभी बीमा कंपनियों और बिचौलियों के लिए अपने नाम में ''बीमा'' शब्द रखना अनिवार्य होगा। नियमों के उल्लंघन पर अधिकतम जुर्माना एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दिया गया है।
- अब बीमा कंपनियों और बिचौलियों के लिए जुर्माने के नियम एक समान कर दिए गए हैं। पहले जहां गड़बड़ी पाये जाने पर बिचौलियों का लाइसेंस सीधे रद्द कर दिया जाता था, अब लाइसेंस निलंबित करने का प्रावधान किया गया है ताकि उन्हें सुधार करने का मौका दिया जा सके।

पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार को उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। आयोग के माध्यम से प्रदेश में माध्यमिक और उच्च शिक्षा स्तर पर शिक्षकों की भर्ती की जानी है।

वर्ष 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी प्रशांत इसी वर्ष मई में सेवानिवृत्त हुए थे। रिटायरमेंट के बाद योगी सरकार ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। वह करीब डेढ़ साल तक प्रदेश के कार्यवाहक डीजीपी रहे और मुख्यमंत्री के सबसे भरोसेमंद अधिकारियों में उनकी गिनती होती रही है।प्रशांत कुमार मूल रूप से बिहार के सीवान जिले के निवासी हैं।

छत्तीसगढ़: पूर्व सीएम बघेल की उपसचिव रहीं सौम्या गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी

- ईडी ने शराब घोटाले के मामले में की गिरफ्तारी तीन दिन की हिरासत मांगी

ईडी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में पदस्थ रहीं राज्य प्रशासनिक सेवा की निलंबित अधिकारी सौम्या चौरसिया को शराब घोटाले में गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को उन्हें रायपुर स्थित विशेष अदालत में पेश कर ईडी ने आगे की जांच के लिए तीन दिन की हिरासत की मांग की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

सौम्या चौरसिया कोयला लेवी घोटाले में भी आरोपी हैं। इस मामले में उन्हें 2022 में गिरफ्तार किया गया था। इस साल मई में सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा किया गया था। ईडी के अनुसार, जांच के दौरान शराब और कोयला घोटाले से जुड़े कई महत्वपूर्ण आर्थिक लेनदेन और डिजिटल साक्ष्य सामने आए हैं। इन्हीं तथ्यों के आधार पर सौम्या को पूछताछ के लिए ईडी ने मंगलवार को तलब किया था।

पोंजी घोटाले में ईडी ने दंपती को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। ईडी ने एक दंपती को 300 करोड़ रुपये से अधिक की बहुस्तरीय विपणन योजना (पोंजी घोटाला) की साजिश को अंजाम देकर लोगों से ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एजेंसी के मुताबिक 'मैक्सीजोन टच' नाम की कंपनी के निदेशक चंदर भूषण सिंह और उनकी पत्नी प्रियंका को मंगलवार को झारखंड के रांची में पीएमएलए के हिरासत में लिया। झारखंड पुलिस ने भी कुछ महीने पहले उन्हें गिरफ्तार किया था। दंपती पर उच्च मासिक रिटर्न पर आकर्षक लाभों का वादा करके लोगों के साथ बड़ी धोखाधड़ी की थी।

समारोह | पीएसी के स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया आह्वान

साहस-कर्तव्यनिष्ठा को अपनी पहचान बनाएं पीएसी के जवान

- सम्मान और सुविधाओं व संसाधनों निरंतर वृद्धि का दिलाया भरोसा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएसी के जवानों से अपील की कि साहस, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, व्यावसायिक दक्षता व कठिन प्रशिक्षण ही उनकी पहचान बननी चाहिए। उन्होंने सरकार की ओर से उन्हें आश्वस्त किया उनके सम्मान व सरकार के स्तर पर मिलने वाली सुविधा-संसाधन में निरंतर वृद्धि होती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को यूपी पीएसी के स्थापना दिवस समारोह-2025 की शुरुआत करते हुए कहा कि पीएसी बल का 78 वर्ष का इतिहास अनुशासन, शौर्य, त्याग व समर्पण का

समारोह में पीएसी की एक अधिकारी को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी।

रहा है। उन्होंने पीएसी की ओर से आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन व अवलोकन किया। सीएम ने कहा कि यूपी में पीएसी बल आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, प्रदेश में महत्वपूर्ण त्योहारों, अतिविशिष्ट महानुभावों के आगमन, लोकतंत्र के महापर्व चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सुनिश्चित करने के साथ संवेदनशील परिस्थितियों में अग्रिम मोर्चे पर कार्य करता है। पीएसी के अधिकारी व कार्मिक विभिन्न आयामों के माध्यम से न सिर्फ यूपी, बल्कि देश के अंदर यूपी पीएसी बल, एसएसएफ, यातायात पुलिस, प्रतिसार निरीक्षक ड्यूटी, प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षक, एटीएस व एसटीएफ कमांडो के रूप में सेवाएं प्रदान कर कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

पीएसी के साहसिक कारनामों का किया जिक्र

सीएम योगी ने पीएसी बल के अदम्य साहस की भी चर्चा की। बताया कि 30वीं वाहिनी पीएसी के जवानों ने 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकी हमले का जवाब दिया और पांचों आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। जुलाई 2005 में श्रीराम जन्मभूमि परिसर अयोध्या में आतंकी हमले के दौरान सीआरपीएफ, पीएसी और यूपी पुलिस की संयुक्त टीम ने सभी आतंकियों को मार गिराया गया था। कहा, यूपी के अंदर आत्मविश्वास का प्रमुख कारण कानून का राज है जो सुरक्षा के बेहतर माहौल में ही सुशासन की गारंटी दे सकता है।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

वेलनेस सेंटर के लिए निविदाएं आमंत्रित

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद बागपत में अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र एवं वेलनेस सेंटर की स्थापना की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने इच्छुक निवेशकों से निविदाएं आमंत्रित की हैं। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। 1पर्यटन मंत्री ने बुधवार को बताया कि बागपत में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र भारतीय योग, साधना और वेलनेस परंपरा को वैश्विक मंच प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि यह परियोजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित की जाएगी। यह परियोजना बागपत के हरिया खुर्द (पुरा महादेव) क्षेत्र में 70 .885 हेक्टेयर भूमि पर विकसित की जाएगी। प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने बताया कि वेलनेस सेंटर के लिए निविदा 15 दिसंबर 2025 को जारी की गई है, जबकि प्री-बिड बैठक 24 दिसंबर को वर्चुअल माध्यम से होगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 21 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है।

खादी प्रदर्शनी-2025 का उद्घाटन आज

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, लखनऊ खादी प्रदर्शनी-2025 का उद्घाटन 18 दिसंबर को होगा। मंडल स्तरीय खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन दोपहर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप ये प्रदर्शनी प्रदेश में खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की विविधता को प्रदर्शित करेगी, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के लखनऊ परिसर, गोमती नगर में होगा। यह प्रदर्शनी 28 दिसंबर तक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के लखनऊ परिसर, गोमती नगर में चलेगी। खादी प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य मंडल स्तर के खादी एवं ग्रामोद्योग के कारीगरों और उनके उत्पादों को मंच प्रदान करना है। जहां पर खादी वस्त्र, हस्तशिल्प, चमड़े के सामान, मिट्टी के बर्तन, बांस की कलाकृतियां और जैविक उत्पादों को एक छत के नीचे प्रदर्शनी एवं बिक्री का स्थल उपलब्ध कराएगा।

अब तक 13.87 लाख बच्चों का टीकाकरण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में नियमित टीकाकरण से वंचित रह गए बच्चों को पुन: टीकाकरण से जोड़ने के उद्देश्य से 1 दिसंबर से विशेष 'टीका उत्सव' अभियान शुरू किया गया है, जो पूरे दिसंबर तक चलेगा। इस अभियान का उद्देश्य जीरो डोज सहित पेंटा-1 और मीजल्स-रूबेला (एमआर) की छूटी खुराकों को समय पर पूरा करना है। राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि अभियान के तहत 1 वर्ष तक आयु वर्ग के 16 .58 लाख बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के शुरुआती चार सत्र दिवसों में अब तक 13 .87 लाख बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है। इनमें 2 .32 लाख को पेंटा-1, 2 .46 लाख को ओपीवी-1, 2 .21 लाख को एमआर-1 तथा 2 .20 लाख बच्चों को एमआर-2 का टीका लगाया गया है। डॉ. अजय ने बताया कि सभी टीकाकरण सत्रों में यू-विन पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए नि:शुल्क टोल-फ्री हेल्पलाइन 104 पर कॉल करने या नजदीकी आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता या स्वास्थ्य उपकेंद्र से संपर्क करने की अपील की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने प्रदेश में मतदाता सूची में अनियमितताओं के आरोपों के क्रम में बुधवार को फिर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने ज्ञापन के जरिए मैनपुरी, अयोध्या और बस्ती में मतदाता सूची की गड़बड़ियों के तत्काल सुधार और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। सपा प्रदेश अध्यक्ष ने ज्ञापन में अवगत कराया कि मैनपुरी के करहल विधानसभा क्षेत्र के कई मतदेय स्थलों पर वर्ष 2003 की मतदाता सूची गलत तरीके से अपलोड कर दी गई है। इसके कारण बीएलओ द्वारा मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो पा रही है। साथ ही कहा कि लगातार शिकायतों के बावजूद जिला निर्वाचन अधिकारी और ईआरओ द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि इस लापरवाही के चलते वैध मतदाताओं को 'कैटेगरी-सी' में डालकर अनावश्यक नोटिस भेजे जा सकते हैं, जिससे उन्हें दस्तावेजी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। सपा ने इस मामले में जिम्मेदारी तय करते हुए दोषी अधिकारियों को दंडित करने की मांग की है। इसी तरह अयोध्या सदर विधानसभा क्षेत्र के भी मतदेय स्थल संख्या-54 पर भी वर्ष 2003 की गलत मतदाता सूची अपलोड है। वहीं, बस्ती में एएसडी सूची की बिना समुचित जांच के अपलोडिंग किए जाने की शिकायत की गई है।

आईटीआई अलीगंज में रोजगार मेला 19 को

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 15 कंपनियां देंगी 1000 से अधिक नौकरियां

अमृत विचार : प्रदेश सरकार की युवोन्मुखी नीतियों और जीरो पावर्टी अभियान को धरातल पर उतारते हुए 19 दिसंबर 2025 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) अलीगंज में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों की 15 प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी, जिनके यहां 1000 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी।

यह जानकारी व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि नौकरियों के लिए आईटीआई, डिप्लोमा, हाईस्कूल, इंटरमीडिएट एवं स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे। चयनित अभ्यर्थियों को 10 हजार से 25 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन के साथ ईएसआई, पीएफ, कैंटीन और परिवहन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

आईटीआई अलीगंज के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि कंपनियों से संबंधित सभी विवरण पहले ही जारी कर दिए गए हैं।

योगी ने परखी समारोह की तैयारी, 25 को पीएम करेंगे उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ में स्थापित राष्ट्र प्रेरणा स्थल में डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी पं. दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेई की प्रतिमा का अनावरण करेंगे पीएम मोदी

अमृत विचार: राष्ट्रीय प्रेरणा के प्रतीक राष्ट्र नायकों को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेई को समर्पित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर को करेंगे। इससे पहले बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का दौरा कर समारोह की तैयरियों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने उद्घाटन समारोह के लिए हो रही तैयारियों, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में संज्ञान लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार, लखनऊ के कमिश्नर विजय विश्वास पंत और सुरक्षा व्यवस्था देख रहे पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान एलडीए वीसी ने उद्घाटन समारोह की सभी गतिविधियों से भी अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि उद्घाटन समारोह के दिन प्रधानमंत्री सबसे पहले राष्ट्र नायकों की प्रतिमाओं का अनावरण कर, श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीयता की भावना के संचार के लिए ट्राइ कलर बैलून छोड़े जाएंगे। प्रतिमा अनावरण के बाद प्रधानमंत्री प्रेरणा स्थल में राष्ट्र नायकों को समर्पित म्युजियम का उद्घाटन करेंगे।

यहां पीएम गैलरियों और कोर्टयार्ड का अवलोकन भी करेंगे। पहली गैलरी के ओरियेंटेशन रूम में वीडियो और एवी के माध्यम से राष्ट्र नायकों के संक्षिप्त जीवन परिचय को दिखाया जाएगा।

लखनऊ : राष्ट्र प्रेरणा स्थल का दौरा कर समारोह की तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अधिकारीगण।

पीएसी के जवानों के प्रदर्शन में दिखी राष्ट्रभक्ति

यूपी-पीएसी के संस्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री योगी के हाथों प्रतिभाओं को मिला सम्मान

लखनऊ : आईपीएस चारू निगम को वैजयंती देकर सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में अन्य पीएसी के अधिकारी।

कार्यक्रम के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते पीएसी जवान।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: यूपीपीएसी के संस्थापना दिवस पर 35वीं वाहिनी पीएसी परिसर, महानगर में हुए समारोह में पीएसी के जवानों-खिलाड़ियों ने हैरत अंगेज प्रदर्शन कर सभी की वाहवाही लूटी। यहां खिलाड़ियों, जवानों के प्रदर्शन में अनुशासन, खेल व राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम दिखा। सबसे पहले 44 खिलाड़ियों की टीम ने मलखंभ पर शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन के जरिए यातायात नियमों के प्रति भी जागरूक किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सर्वोत्तम वाहिनी, सर्वोत्तम बाढ़ राहत दल, उत्कृष्ट खिलाड़ी, बेस्ट पुलिस मॉडर्न स्कूल और शीर्ष मेधावी छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया।

ये हुए सम्मानित

- उत्तम वाहिनी-32 वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ (सेनानायक- प्राची सिंह ने ग्रहण किया पुरस्कार)
- अतिउत्तम वाहिनी- 39वीं वाहिनी पीएसी मीरजापुर (सेनानायक नेपाल सिंह ने ग्रहण किया पुरस्कार)
- सर्वोत्तम वाहिनी- 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद (सेनानायक चारू निगम ने पुरस्कार प्राप्त किया)
- अति उत्तम प्लाटून ड्रिल- 36वीं वाहिनी पीएसी (अनिल कुमार पांडेय ने लिया पुरस्कार)
- सर्वोत्तम प्लाटून ड्रिल- 37वीं वाहिनी पीएसी (सेनानायक बजरंग बली ने प्राप्त किया पुरस्कार)
- अति उत्तम डिमांस्ट्रेशन- 36वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी (सेनानायक डॉ. अनिल कुमार पांडेय ने लिया)
- सर्वोत्तम डिमास्ट्रेशन ट्रॉफी- 41वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद (सेनानायक-दिनेश यादव ने ट्रॉफी प्राप्त की)
- श्रेष्ठ बाढ़ राहत दल- 36वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी (डॉ. अनिल कुमार पांडेयश्रेष्ठ कार्य- 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी के दलनायक सुधीर कुमार सिंह
- सर्वश्रेष्ठ कार्य- 23वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद के मुख्य आरक्षी जितेंद्र सिंह राणा, आरक्षी आकिल अंसारी व कृष्ण कुमार को संयुक्त रूप से नकद पुरस्कार दिया गया।
- सर्वोत्तम खिलाड़ी- मुख्य आरक्षी किशन कुमार मिश्र (25वीं वाहिनी पीएसी रायबरेली)
- अखिल भारतीय भारोत्तोलन कलस्टर प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण पदक हासिल किया।
- पीएमएस (पुलिस मॉडर्न स्कूल) की बेस्ट परफॉर्मेंस ट्रॉफी (मिडिल सेकेंड्री स्कूल) बहराइच को मिली। पुरस्कार प्रिंसिपल निशा सिंह ने प्राप्त किया। 31 विद्यालयों की यह प्रतियोगिता पहली बार आयोजित हुई।
- सीनियर सेकेंड्री वर्ग में पुलिस मॉडर्न स्कूल डॉ. भीमराव आंबेडकर एकेडमी मुरादाबाद की प्रिंसिपल डॉ. सीमा सिंह ने प्राप्त किया।
- मेधावी छात्र- साक्षी सेमल व शुभ्रा सक्सेना को नकद पुरस्कार (दोनों ने 2025 में इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया)
- आदर्श तिवारी (2024 में इंटरमीडिएट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन)

:मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जवानों की प्रस्तुति देखी और अपने संबोधन में सभी की प्रशंसा करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। सीएम ने कहा कि यूपी पुलिस के गार्ड ऑफ ऑनर, पीएसी बल की पहचान मलखंभ, जिम्नास्टिक, वेपन्स ड्रिल, पीटी डिस्प्ले, बैंड प्रदर्शन को देखा। पीएसी जवानों द्वारा वंदे मातरम का धुन प्रस्तुत किया गया। इस गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सार्वजनिक स्थलों पर पीएसी के बैंड ने राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करने के लिए जो अभिनव पहल प्रारंभ किया है, वह सराहनीय है।

काशी आने वाले पर्यटकों की संख्या ने बनाया कीर्तिमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

अमृत विचार : ब्रांड बनारस अब विश्व भर के पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन चुका है। वाराणसी देश के उन शहरों में शामिल हो गया है, जहां तेजी से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो रही है। अपनी मौलिक पहचान को बरकरार रखते हुए आधुनिक होती काशी की बदलती हुई हुई छवि ने दुनिया भर के सैलानियों को बनारस की ओर खींचा है।

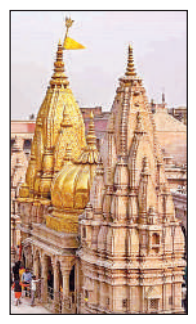

पर्यटकों की संख्या का कीर्तिमान स्थापित होने के साथ ही पर्यटन उद्योग व काशी की आर्थिकी में भी सकारात्मक असर दिख रही है। वर्ष 2014 से वर्ष 2025 (सितंबर तक) तक 12 वर्षों में 45,44,82,662 (पैंतालीस करोड़ चौवालीस लाख बयासी हजार छः सौ बासठ) भारतीय और विदेशी काशी पर्यटकों ने काशी का भ्रमण किया है।

पर्यटन विभाग के अनुसार, 2014 के मुकाबले 2025 में भारतीय और विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगभग 14,64,26,158 (चौदह करोड़ चौंसठ लाख छब्बीस हजार एक सौ अट्ठावन) से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। 2014 से 2025 तक 12 वर्षों में भारतीय पर्यटकों की संख्या 45,16,09,026 और विदेशी पर्यटकों की संख्या 28,73,636 है।

घने कोहरे के साथ पड़ेगी कड़ाके की सर्दी

अमृत विचार, लखनऊ : मौसम की दोहरी मार आमजन को पड़ रही है। प्रदेश में घने कोहरे के साथ कड़ाके की सर्दी पड़ने लगी है। मौसम विभाग ने 20 जिलों में घने कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया है। साथ ही इन इलाकों में संभावित कोल्ड-डे भी चेतावनी दी गई है। राज्य में 20 दिसंबर तक ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है।

लखनऊ समेत, बरेली, गोरखपुर, कुशीनगर, कानपुर में बुधवार को घने कोहरे की वजह से दृश्यता शून्य रही। वहीं बहराइच, हरदोई, शाहजहांपुर आदि में दृश्यता 30 मीटर तक सिमट गई। प्रदेश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में 5 से 6 डिग्री, जबकि कुछ स्थानों पर 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई। ज्यादातर हिस्से में घने कोहरे के साथ चुभती हुई ठंडी पछुआ हवाएं चलीं और दिन के पारे में भारी गिरावट दर्ज की गई।

इन जिलों में होगा घने कोहरे संग कोल्ड-डे : बरेली, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर, गोरखपुर, देवरिया, संत कबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और बाराबंकी।

कानपुर से आए विद्यार्थियों के साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना।

विद्यार्थियों ने किया विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण

अमृत विचार, लखनऊ : विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधान सभा का शैक्षणिक भ्रमण करने आए विद्यार्थियों को सत्र के दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल, समितियों की भूमिका और कानून निर्माण की प्रक्रिया को सरल शब्दों में समझाया। विधानसभा अध्यक्ष गुरुवार को भ्रमण पर आए बीएसएस एजुकेशन सेंटर, कानपुर के छात्र-छात्राओं के एक दल के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, संवैधानिक मर्यादाओं और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

गोरखनाथ रोड पर कल नए ओवरब्रिज का लोकार्पण

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : अमृत विचार: गोरखपुर में यातायात सुगमता के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों बड़ी सौगात मिलने जा रही है। नाथपंथ के विश्व विख्यात गोरखनाथ मंदिर और सोनौली मार्ग होते हुए नेपाल तक की कनेक्टिविटी वाले धर्मशाला-गोरखनाथ मंदिर मार्ग पर नए गोरखनाथ ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूरा गया है। इस नवनिर्मित ओवरब्रिज का लोकार्पण मुख्यमंत्री शुक्रवार (19 दिसंबर) को करेंगे। इसके निर्माण पर 137.83 करोड़ रुपये की लागत आई है। कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश सेतु निगम के महाप्रबंधक मिथिलेश कुमार के अनुसार दो लेन के नए ओवरब्रिज की कुल लंबाई 600.653 मीटर और चौड़ाई 7.50 मीटर है। इसमें रेलवे भाग की लंबाई 76 मीटर है। गोरखनाथ मंदिर मार्ग शहर के व्यस्ततम मार्गों में से एक है। नए ओवरब्रिज पर आवागमन शुरू होते ही गोरखनाथ की तरफ आने वाले वाहनों को पुराने ओवरब्रिज पर नहीं जाना होगा।

ग्रामीण महिलाएं बनेंगी बिजनेस वूमन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इंटरनेशनल एक्सपर्ट देंगे बिजनेस स्किल, टेक्नोलॉजी और मार्केट के बीच तालमेल का प्रशिक्षण
- जीविकोपार्जन केंद्रित प्रौद्योगिकियों से आत्मनिर्भर बनाने की तैयारी

अमृत विचार: प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर और आधुनिक उद्यमी बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया जा रहा है। महिला नेतृत्व वाली उद्यमिता को मजबूती देने की मंशा से राजधानी लखनऊ में प्रदेश के हर जिले से महिला उद्यमी एक मंच पर जुटेंगी और देश-विदेश के विशेषज्ञों से सीखेंगी। महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए 18 दिसंबर को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्य-स्तरीय आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश के हर जिले से महिला उद्यमी भाग लेंगी।

कार्यक्रम में बाजार-तैयार तकनीकों, संस्थागत सहयोग और फाइनेंस तक आसान पहुंच पर विशेष सत्र आयोजित होंगे। योगी सरकार के इस प्रयास से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं आत्मविश्वास के साथ उद्यमिता की दुनिया में कदम रखेंगी और गांव की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। यह पहल प्रदेश में महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास की एक मजबूत मिसाल बनने जा रही है।

योगी सरकार के विजन के अनुरूप ग्रामीण महिलाओं को पारंपरिक आजीविका से आगे बढ़ाकर आधुनिक बिजनेस मॉडल से जोड़ने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। महिलाओं को तकनीक, बाजार और फाइनेंस के बीच तालमेल बैठाने की व्यावहारिक ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे अपने उत्पादों को स्थानीय सीमाओं से निकालकर बड़े बाजार तक पहुंचा सकें।

राज्य सरकार ऐसी तकनीकों और नवाचारों को प्राथमिकता दे रही है, जो सीधे महिलाओं की आय बढ़ाने और स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने में सहायक हों। सरकार, तकनीकी संस्थानों, वित्तीय एजेंसियों और समुदाय-आधारित संगठनों के समन्वय से महिला उद्यमियों के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है।

> उत्तर प्रदेश की महिला उद्यमी अब राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना रही हैं। आने वाले समय में ग्रामीण महिलाएं केवल कामगार नहीं, बल्कि सफल बिजनेस वूमन के रूप में उभरेंगी।
>
> – दीपा रंजन, निदेशक ग्रामीण आजीविका मिशन

डिजिटल क्रांति | ई-बुक्स, वीडियो, ऑडियो लेक्चर और क्विज के जरिए तैयार किए जाएंगे युवा

गांवों में होगी सिविल सर्विसेज की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हर लाइब्रेरी को हाइटेक बनाने के लिए 1.30 लाख रुपये के आईटी इक्यूपमेंट और 70 हजार के फर्नीचर खरीदे जाएंगे
- पहले चरण में 11350 पंचायतों में चार लाख रुपये प्रति लाइब्रेरी के हिसाब से होगा खर्च
- दो लाख रुपये की किताबों में रहेंगे 20 हजार डिजिटल कंटेंट

अमृत विचार : राज्य सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण युवाओं को आधुनिक शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर देने को खास पहल की है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पहले चरण में प्रदेश की 11,350 ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जा रही है, जिससे गांव के छात्र अब शहरों पर निर्भर हुए बिना सिविल सर्विसेज सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे।

हर डिजिटल लाइब्रेरी पर 4 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें 2 लाख रुपये की पुस्तकों की व्यवस्था होगी, जबकि 1.30 लाख रुपये के आईटी इक्यूपमेंट और 70 हजार रुपये के आधुनिक फर्नीचर लिए जाएंगे। लाइब्रेरी में ई-बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो कंटेंट, क्विज और करीब 20 हजार डिजिटल शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध रहेगी।

पंचायतीराज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि सभी जिलों की ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से डिजिटल लाइब्रेरी खोली जाएंगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर सुधरेगा और युवा रोजगार के लिए अधिक सक्षम बन सकेंगे। डिजिटल लाइब्रेरी का प्रबंधन ग्राम प्रधान और सचिव करेंगे, जबकि सहायक अधिकारी इसकी नियमित देखरेख करेंगे।

पुस्तकों का चयन करने वाले 35 जिले

इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 35 जिलों में पुस्तकों का चयन पूरा कर लिया गया है। राजधानी लखनऊ समेत इन जिलों की ग्राम पंचायतों में जल्द ही डिजिटल लाइब्रेरी शुरू होंगी। इसके तहत अमरोहा, आजमगढ़, बांदा, बलिया, बागपत, बदायूं, बरेली, बिजनौर, चित्रकूट, एटा, फतेहपुर, फर्रुखाबाद, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गाजीपुर, हरदोई, हापुड़, जालौन, कानपुर देहात, कन्नौज, कौशांबी, कासगंज, लखनऊ, मऊ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, संभल, शामली, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, सीतापुर जिले शामिल हैं।

सेंटर फॉर इफेक्टिव गवर्नेंस ऑफ इंडियन स्टेट्स के साथ समझौते के कागज दिखाते अधिकारी, कार्यक्रम में उपस्थित वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

शासन सुधारों के लिए डेटा आधारित पांच वर्षीय समझौता

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने बुधवार को सेंटर फॉर इफेक्टिव गवर्नेंस ऑफ इंडियन स्टेट्स के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये। इस पांच वर्षीय साझेदारी का उद्देश्य तकनीकी और रणनीतिक सहायता के माध्यम से राज्य के वित्त और योजना विभागों को सुदृढ़ करना है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की मौजूदगी में इस समझौता ज्ञापन पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दीपक कुमार, आईएएस (अपर मुख्य सचिव, वित्त) और आलोक कुमार, आईएएस (प्रमुख सचिव, योजना) ने तथा सीईजीआईएस की ओर से विजय पिंगले, सीईओ ने हस्ताक्षर किए।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

न्यूज ब्रीफ

आज से छिबरामऊ में विधायक खेल स्पर्धा

कन्नौज। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी आकाश सिंह ने बताया कि खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छिबरामऊ विधानसभा स्तरीय विधायक खेल स्पर्धा 18 व 19 दिसंबर को होगी। जिला युवा कल्याण विभाग की ओर से पहले दिन विद्या प्रकाश डिग्री कॉलेज में प्रतियोगिता होगी। दूसरे दिन खेल स्पर्धाएं मिघौली स्टेडियम में संपन्न कराई जाएंगी। कुश्ती, कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन एवं एथलेटिक्स जैसी प्रमुख प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। सभी प्रतिभागियों को युवा साथी पोर्टल yuvashathi.in पर अनिवार्य रूप से रजिस्ट्रेशन करना है।

नवनिर्वाचित पदाधिकारी ने की बीईओ से मुलाकात

गुरसहायगंज। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने बीईओ से मुलाकात कर स्वागत व सम्मान किया। इसके बाद शिक्षक समस्याओं को लेकर चर्चा कर निस्तारण की मांग की। बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष सुशील कुमार यादव के नेतृत्व में नव निर्वाचित पदाधिकारी ने बीआरसी तालग्राम पहुंच कर बीईओ रमेश चंद चौधरी से मुलाकात की।

मॉडल में देवराज, पोस्टर में दानिया हुसैन का जलवा

तिर्वा। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के इनक्यूबेशन सेंटर नवोत्थान स्टार्टअप फाउंडेशन जूनियर आइडियाथान 2.0 का आयोजन किया गया।पोस्टर प्रेजेंटेशन में कानपुर पब्लिक स्कूल की दानिया हुसैन की टीम ने प्रथम स्थान, एसएन मिशन स्कूल तिर्वा के सार्थक की टीम ने द्वितीय एवं कन्नौज पब्लिक स्कूल के अविरल की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। मॉडल प्रेजेंटेशन में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के देवराज ने एआई बेस्ड रोबोट के लिए प्रथम स्थान, एसएन मिशन स्कूल की वैष्णवी की टीम को कार्बन प्यूरीफायर मॉडल के लिए द्वितीय, कानपुर पब्लिक स्कूल के वासु यादव की टीम को सोलर पावर प्लांट के लिए एवं जवाहर नवोदय विद्यालय के देवांग राजपूत के टीम को एडवांस हेलमेट में संयुक्त रूप से तीसरा स्थान मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक पप्पू सरोज रहे।

फॉरेंसिक व डॉग स्क्वायड ने की जांच पड़ताल, निगोह गांव के पास जीटी रोड अंडरपास के निकट मिला शव

झाड़ियों से अज्ञात महिला का अधजला शव बरामद

संवाददाता छिबरामऊ

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। निगोह गांव के पास जीटी रोड अंडरपास के निकट एक खेत में अज्ञात महिला का अधजला शव बरामद होने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। महिला का चेहरा बुरी तरह जला हुआ था, जिससे उसकी शिनाख्त करना बेहद मुश्किल हो रहा है। शव की हालत देखकर आशंका जताई जा रही है कि हत्या के बाद पहचान छिपाने के इरादे से उसे जिंदा जलाया गया। मामले की पुलिस व फोरेंसिक, डॉग स्क्वायड ने जांच पड़ताल की है।

बुधवार की सुबह करीब 4 बजे के करीब कुछ ग्रामीणों ने खेत के पास जली हुई लाश देखी तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। शव पूरी तरह जला हुआ था, लेकिन एक पैर का आधा हिस्सा जलने से बच गया। शव के पास लेडीज चप्पल मिली, जिससे महिला या युवती का शव होने का अनुमान लगाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। एसपी विनोद कुमार व एएसपी अजय कुमार स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और डॉग स्क्वायड तथा फॉरेंसिक टीम के साथ गहन जांच शुरू करवाई। टीम ने मौके से कई साक्ष्य एकत्र किये। पुलिस हर पहलू की छानबीन कर रही है। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि महिला की पहचान के लिए आसपास के थानों को अलर्ट किया गया है। ग्रामीणों में यह चर्चा जोरों पर है कि घने कोहरे का फायदा उठाकर अपराधी ने इस वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। इस घटना का खुलासा करने के लिये एसपी ने चार पुलिस टीमों का गठन किया है जो हर पहलू पर जांच करेगी।

अधजले शव को देखते पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार व अन्य पुलिस अधिकारी।

कहीं और से शव लाकर यहां जलाया

- छिबरामऊ। उक्त मामले में एसपी विनोद कुमार का कहना है कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि महिला को कहीं और से लाकर यहां जलाया गया है। वहीं पास की झाड़ियां में एक चप्पल पड़ी मिली है और महिला की डेड बॉडी से एक जली हुई अंगूठी भी प्राप्त हुई है। महिला की डेड बॉडी से प्रतीत हो रहा है कि उसकी उम्र लगभग 30 से 35 साल की होगी।

महिलाओं की मिसिंग केस की हो रही छानबीन

- छिबरामऊ। उक्त महिला की शिनाख्त के लिए आसपास जनपदों व गांव से गुम हुई महिला व युवतियों के मिसिंग केस की छानबीन की जा रही है, जिसमें ग्राम पंचायत त्योर निवासी संजीव कुमार पुत्र जगदीश सिंह की बहन तथा ग्राम प्रेमपुर और नवीगंज से भी एक महिला और एक युवती मिसिंग हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। हालांकि शव की शिनाख्त के लिए गायब हुए युवती और महिलाओं के परिजनों को घटनास्थल बुलाया गया, लेकिन सभी ने उसे पहचानने से इनकार कर दिया। खबर लिखे जाने तक जले हुए शव की पहचान नहीं हो सकी है। यही नहीं पुलिस डीएनए से उसके परिजनों तक पहुंचने का प्रयास करेगी।

घटनास्थल के निकट सीसीटीवी खंगालने में जुटी पुलिस

- छिबरामऊ। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस की चार टीमों का गठन कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस अब घटनास्थल की चारों दिशाओं के हर एक कैमरे को चेक करके सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

पिता की अर्थी को कंधा देती पुत्री ममता। अमृत विचार

पुत्रियों ने पिता की अर्थी को कंधा देकर नारी शक्ति की दी मिसाल

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- पुत्र के न होने पर पुत्रियों ने निभाया पुत्र का फर्ज

अमृत विचार। मिश्रीपुर्वा गांव में पिता की मौत पर बेटियों ने अपने पिता की अर्थी को कंधा देकर नारी शक्ति का संदेश दिया। यही नहीं वह गंगा तट तक पिता की अर्थी के साथ गईं।

ठठिया थाना क्षेत्र के गांव मिश्रीपुर्वा निवासी सुरेंद्र यादव (50) पुत्र बाबू यादव की सोमवार को हार्ट अटैक पड़ने पर मौत हो गई थी। उनके चार पुत्रियां है। पुत्र कोई नहीं है। इस पर पुत्रियों ने पुत्र धर्म निभाया। पुत्रियां सोनी, मोनी, ममता व रचना हैं। पुत्री ममता व रचना ने अर्थी को कंधा दिया। घर से गांव के बाहर तक वह पिता को कंधा देते हुए आईं। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिये कोठी घाट गंगा तट पर ले जाया गया। जहां भी दोनों पुत्रियां साथ गईं। इसके बाद मृतक के भतीजे ने मुखाग्नि दी। इसके बाद पुत्रियों ने शोक संवेदना व्यक्त करपते हुए अपने पिता के सभी अंतिम संस्कारों को भली भांति निभाया। पुत्रियों के इस हौसले की क्षेत्र में चर्चा हो रही है। पुत्रियों ने नारी शक्ति की मिसाल पेश की है।

क्रय केंद्र पर धान का उठान नहीं जगह के अभाव में खरीद प्रभावित

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। मण्डी धान खरीद केंद्र पर खरीदी गई धान व मक्का का उठान न होने से टिन शेड में जगह नहीं बची है। इससे धान खरीद करने में केंद्र प्रभारी को दिक्कत हो रही है। जो धान खरीदी जा रही है उसे रखने की जगह का अभाव है।

जिला मुख्यालय पर धान की खरीद तेजी से की जा रही है। नियमित सैकडों की तादात में धान की खरीद की जा रही है। धान सरकारी क्रय केंद्र पर अधिक होने से किसान धान लेकर इन केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। इससे पहले मक्का की भू खरीद चलती रही।

खरीदी गई धान व मक्का को मण्डी के टिन शेड में एकत्र किया जा रहा है। वर्तमान में दान के 5000 से अधिक पैकेट व मक्का के करीव 353 पैकेट रखे हुए है। जिन धान कुटाई केंद्रों को धान का उठान करने का ठेका दिया गया है वह लापरवाही बरत रहे हैं। वह धान का उठान नहीं कर रहे हैं। इससे नवीन मण्डी का टिन शेड पूरी तरह से भर गया है। किसान लगातार धान बेंचने के लिये लेकर आ रहे हैं। मजबूरी में केंद्र प्रभारी को जगह खाली होने का वास्ता देकर लौटाना पड रहा है। केंद्र प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि धान कुटाई करने वाली फर्म को वह नियमित फोन कर धान उटाने को कह रहे हैं पर वह नहीं सुन रहे। इससे लगातार धान के पैकेट अधिक होते जा रहे हैं। धान के पैकेटों का उठान न होने से नके सामने अन्य किसानों की धान खरीदने में दिक्कत हो रही है।

कन्नौज के नवीन मण्डी में क्रय केंद्र के टिन शेड में जगह नहीं बची। अमृत विचार

- टिन शेड में खरीदी गई धान रखने की जगह नहीं

सरकार की बुद्धि शुद्धि के लिये किया हवन

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। मांगों को लेकर आशा बहुओं का सीएमओ कार्यालय पर धरना प्रदर्शन जारी है। सरकार की बुद्धि शुद्धि के लिये हवन किया। सरकार के खिलाफ नारेवाजी की।

ग्रामीण महिला एवं बाल कल्याण आशा एसोसिएशन के बैनर तले जिलाध्यक्ष रानी के नेतृत्व में बुधवार को भी तीसरे दिन सीएमओ कार्यालय के बाहर धरना दिया गया। कोहरा व सर्दी होने के बाद भी जिले भर की आशा बहुएं सीएमओ कार्यालय के बाहर एकत्र हुईं। यहां उन्होंने नारेवाजी करते हुए धरना दिया। इसके बाद दो बजे के करीव आशा ने हवन कुण्ड तैयार किया। इसके बाद उसमें सरकार की बुद्धि शुद्धि के लिये अहुतियां दीं। आशा बहुओं ने सरकार से मांग की है कि आशा वर्करों को सरकारी कर्मचारी घोषित किया जाये। जब तक आशा वर्करों को सरकारी घोषित नहीं किया जाता है तब तक उनको 25 हजार रुपये मानदेय प्रति माह दिया जाये। जिले के सभी अस्पतालों में एक कक्ष तैयार किया जाये जिसमें वह रात हो या दिन में गर्भवती को लाने के बाद रुक सकें। हाईस्कूल व इंटर पास आशा को एएनएम का प्रशिक्षण दिया जाये जिससे वह आगे बढने का मौका मिल सके। सभी आशा को ईपीएफ की सुविधा तत्काल दी जाये। जिससे आशा द्वारा लंबे समय सीमा नौकरी करने के बाद उनके पास कुछ धनराशि एकत्र हो सके। सभी आशा का बीमा कराया जाये। जिससे दुर्घटना होने पर परिवार को कुछ मिल सके। इस मौके पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष अशोक सविता के अलावा मंगेश लता, सुमन शंखवार, विनीता यादव, के अलावा अन्य आशा मौजूद रहीं।

सीएमओ कार्यालय के सामने सरकार की बुद्धि शुद्धि के लिये हवन में आहुतियां देतीं आशा बहुएं। अमृत विचार

- आशा बहुओं ने अनिश्चित कालीन धरना जारी रखा
- तीसरे दिन भी काम बंद कर धरने पर बैठी रहीं आशा बहुएं

पोलियो अभियान की फर्जी भेजी जा रही रिपोर्ट

- कन्नौज। आशा की हडताल के बाद भी जिले में पोलियो अभियान चलाया जा रहा है। इससे काम भले ही प्रभावित न हो रहा हो पर आशा एसोसिएशन की जिलाध्यक्ष रानी व अन्य पदाधिकारियों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी पोलियो अभियान ठीक तरह से न चलने के बाद भी फर्जी रिपोर्ट शासन को भेज रहे हैं। कई गांव में पोलियो की खुराक पिलाई ही नहीं जा रही।

जरूरतमंदों को कंबल वितरण

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। शहर के जीटी रोड किनारे स्थित रोमा ऑडिटोरियम में समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने जरूरतमंदों को कंबल वितरण किए।

जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं के पीड़ितों व कड़ाके की ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरण, अलाव एवं रैन बसेरों की व्यवस्था की है। सरकार हर परिस्थिति में आमजन के साथ खड़ी रहती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से भेजा गया यह छोटा सा सहयोग गरीबों के लिए बड़ी राहत बनकर घर-घर पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ठंड के कारण उत्पन्न किसी भी प्रकार की समस्या अथवा बीमारी में प्रशासन तत्काल सहायता एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, एसडीएम सदर वैशाली चोपड़ा, तहसीलदार अर्पित कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र राजपूत उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण। अमृत विचार

- समाज कल्याण मंत्री ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल
- शहर के रोमा ऑडिटोरियम में जिला प्रशासन ने किया कार्यक्रम

संगठन बर्दाश्त नहीं करेगा सफाई कर्मियों का अपमान

संवाददाता गुरसहायगंज

अमृत विचार। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नगर पालिका पहुंच कर सफाई कर्मियों से मुलाकात की और समस्याएं जानी। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों का उत्पीड़न, शोषण, अपमान व अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जा जाएगा।

नगर पालिका परिसर में बुधवार की दोपहर राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बबलू चौधरी बाल्मीकि ने सफाई कर्मियों के साथ बैठक की और उनका हाल जाना। उन्होंने कहा कि आज भी बाल्मीकि समाज के लोगों से भेदभाव व छुआछूत पूर्ण व्यवहार किया जाता है। उच्च कर्मी व अधिकारी उनका शोषण कर रहे है। नौकरी व काम कराने के नाम पर उनसे धनउगाही की जाती है।

सुविधा शुल्क लेकर कर्मियों को नौकरी से लगाया व हटाया जाता है। उन्होंने ठेका प्रथा को समाप्त कर कर्मियों को नियमित करने की मांग भी की। कहा कि जल्द ही प्रदेश स्तर पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने ईओ अनिल कुमार से भी समस्याओं के निस्तारण को लेकर वार्ता की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अटल जयंती पर होंगे कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

22 दिसंबर को जिलास्तरीय निबंध, एकल काव्य प्रतियोगिता होगी

अमृत विचार। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर को है। इससे पहले जिलास्तरीय निबंध, भाषण प्रतियोगिता व एकल काव्य प्रतियोगिता होगी। इसमें चयनित पहले, दूसरे व तीसरे स्थान वाले प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को 2500 रुपये से लेकर 10 हजार तक के पुरस्कार मिलेंगे।

जिला विद्यालय निरीक्षक पप्पू सरोज ने सभी माध्यमिक स्कूलों के प्रधानाचार्य व महाविद्यालयों के प्राचार्य को पत्र भेजा गया है। इसमें कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री की जन्म शताब्दी वर्ष को लेकर शासन से पत्र आया है। उन्होंने बताया कि 22 दिसंबर को सुबह 10 बजे से शहर के राजकीय महिला महाविद्यालय बांगर में कक्षा 08 से 12 तक के छात्र-छात्राओं के बीच निबंध प्रतियोगिता होगी। इसका विषय भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी एवं सुशासन रहेगा। सुशासन के महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता में स्नातक व परास्नातक के छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। एकल काव्य पाठ में युवा छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। इस प्रतियोगिता का विषय भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी रखा गया है। डीआईओएस ने कहा है कि 22 दिसंबर से पहले ही विद्यालय स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित करा ली जाएं। उसमें पहले व दूसरे स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को 22 दिसंबर को जिलास्तर पर प्रतिभाग कराया जाए। जनपद स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में चयनित प्रथम पुरस्कार 5 हजार, द्वितीय पुरस्कार 3 हजार व तृतीय पुरस्कार 2 हजार रुपये व प्रमाण पत्र दिया जाएगा। भाषण प्रतियोगिता में पहले, दूसरे व तृतीय पुरस्कार की राशि क्रमशः 10 हजार, 5 हजार व 25 सौ रुपये है। एकल काव्य प्रतियोगिता में 10 हजार रुपये पहला, 5 हजार का दूसरा व 2500 रुपये का तीसरा पुरस्कार मिलेगा। 25 दिसंबर को ही पुरस्कार वितरण हो जाएगा। कार्यक्रम आयोजन के लिए 20 हजार का बजट जिले में मिलेगा।

बैठक में मौजूद व्यापारी व पदाधिकारी। अमृत विचार

व्यापारियों की समस्याओं का हो प्राथमिकता से निस्तारण

गुरसहायगंज। उद्योग व्यापार मंडल के द्वारा व्यापारियों की समस्याओं को लेकर नगर में बैठक आयोजित की गई। इसमें मुख्य अतिथि प्रदेश संयुक्त महामंत्री ने व्यापारियों की समस्याओं को लेकर चर्चा की और आगामी कार्यक्रम की पदाधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी। बुधवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल गुरसहायगंज के नगर अध्यक्ष अनुराग गुप्ता के द्वारा नगर के कंपलेक्स में बैठक आयोजित की गई। इसमें मुख्य अतिथि प्रदेश संयुक्त महामंत्री सुशील दुबे का संगठन के पदाधिकारियों ने फूलमाला पहना कर स्वागत किया। वही प्रदेश संयुक्त महामंत्री ने कहा कि संगठन में संगठित होकर व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता से निस्तारित करने का प्रयास होना चाहिए। जबकि पदाधिकारी को आगामी कार्यक्रम को लेकर जिम्मेदारी सौंपी। वहीं जिला संयुक्त महामंत्री संजीव गुप्ता ने 28 दिसंबर को प्रदेश कार्य समिति के बारे में विस्तार से चर्चा की। वहीं बैठक में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष रामकुमार पाठक ने ऑनलाइन खरीदारी न करने की सलाह दी। व्यापारियों से खरीदारी करने के लिए प्रेरित किया और नगर में जाम की समस्या, मंडी समिति बनाने की मांग की। वहीं प्रशासन से नगर के भीतर चेकिंग न करके नगर के बाहर वाहनों की चेकिंग की जाए।

सूची जारी | सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज तिर्वा ने लगाई आपत्ति

जिसका मेरिट में दबदबा वही नहीं बना केंद्र

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- प्रधानाचार्य बोले, मानक निरीक्षण में मिले हैं 7 स्टार

अमृत विचार। यूपी बोर्ड यानि माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की ओर से जारी हुई हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा की अनंतिम सूची में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज तिर्वा का भी नाम नहीं है। बताया गया है कि कई सालों से इस विद्यालय के परीक्षार्थियों का स्थान प्रदेश की मेरिट सूची तक में आता है। इसके अलावा मानक निरीक्षण में 7 स्टार भी मिले हैं।

प्रधानाचार्य अनिल मिश्र ने विद्यालय को बोर्ड परीक्षा केंद्र न बनाने के लिए आपत्ति दर्ज कराई है। इसमें कहा है कि छात्र-छात्राओं का केंद्र भी बदला जाए। कहा है कि वर्ष 2026 में केंद्र बनने के लिए स्कूल सभी मानक पूरे करता है। प्रदेश के मानक निरीक्षण में विद्यालय को ए डबल प्लस व 7 स्टार के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। हाईस्कूल की छात्राओं का केंद्र बलनपुर जो पांच किलोमीटर दूर है बनाया गया है। छात्रों का केंद्र 10 किलोमीटर दूर जदेपुर्वा भेजा गया है। इंटरमीडिएट के छात्राओं का परीक्षा केंद्र गागेमऊ में 12 किलोमीटर दूर बनाया गया है। प्रधानाचार्य ने नगर के ही किसी स्कूल में केंद्र बनाने की मांग की है। इसी तरह सुभाष इंटर कॉलेज नेरा के प्रधानाचार्य डॉ. राजकिशोर कटियार ने कहा है कि उनके यहां 566 परीक्षार्थियों का केंद्र आवंटित किया गया है जो उपलब्ध सुविधाओं के सापेक्ष काफी अधिक है। विद्यालय में 200 परीक्षार्थी ही परीक्षा दे सकते हैं।

एक कह रहे गुलरियनपुर्वा से हटाओ तो दूसरे भेजने पर जुटे

- शहर के लाला श्याम लाल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आशीष शुक्ल ने बताया कि विद्यालय के परीक्षार्थियों का केंद्र गोविंद माधव सेवा समिति इंटर कॉलेज गुलरियनपुर्वा में बनाया गया है इसकी स्कूल से दूरी 15 किमी है। परीक्षा केंद्र तक जाने के लिए यातायात के साधन भी बेहतर नहीं हैं। हाईस्कूल के ज्यादातर छात्र शरीफापुर, अहमदपुर रौनी, जुकैइया, चौधरियापुर व आसकरनपुर्वा से आते हैं। इस वजह से केंद्र की दूरी और बढ़ जाएगी। गुलरयिनपुर्वा से केंद्र हटाकर निकट में ही केंद्र बनाने की मांग हुई है। वहीं दूसरी ओर राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुगरापुर की प्रधानाध्यापक आदेश गंगवार ने बताया कि छात्रों का परीक्षा केंद्र डॉ. जाकिर हुसैन इंटर कॉलेज गुरसहायगंज को बनाया गया है जिसकी दूरी करीब 15 किमी है। यहां तक पहुंचने में विद्यार्थियों को काफी कठिनाई होगी इसलिए पांच किमी दूरी पर या गोविंद माधव सेवा समिति इंटर कॉलेज गुलरियनपुर्वा को ही केंद्र बनाया जाए।

छात्रा सुहाना को पुरस्कार देते अतिथि। अमृत विचार

संस्कृत श्लोक पाठ प्रतियोगिता में सुहाना को तीसरा स्थान

कन्नौज। विकास खंड सौरिख इलाके के प्राथमिक विद्यालय सराय प्रताप की कक्षा 4 की छात्रा सुहाना ने शिशु वर्ग (कक्षा-1 से 5 तक) में जनपद प्रदर्शनी एवं इटावा महोत्सव के तत्वावधान में आयोजित पं. कृष्ण गोपाल चौधरी एडवोकेट स्मारक संस्कृत श्लोक पाठ प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 4 के छात्र मयंक ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। प्रधानाध्यापक आशीष मिश्र ने बताया कि दोनों ही छात्र-छात्राओं ने कन्नौज जनपद का नाम रोशन किया है। बच्चों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। बच्चों को देववाणी संस्कृत के प्रति अनुराग उत्पन्न करने के उद्देश्य से प्रतिदिन संस्कृत के श्लोकों का वाचन का अभ्यास प्रधानाध्यापक कराते हैं। इसी कारण बच्चों ने सफलता प्राप्त की है। विद्यालय के बहुत से बच्चे संस्कृत में अपना परिचय भी देते हैं।

अमृत विचार
कानपुर, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025
कन्नौज-फर्रुखाबाद

न्यूज ब्रीफ

स्कूलों में पढ़ाई का समय बदला

कन्नौज। कोहरा व अत्यधिक सर्दी शुरू हो जाने के बाद स्कूलों में पढ़ाई का समय बदल गया है। डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री के निर्देश पर बीएसए संदीप कुमार ने जिलेभर के नर्सरी से कक्षा 08 तक के सभी बोर्ड के परिषदीय, अशासकीय सहायता प्राप्त व मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ाई का समय 18 दिसंबर से सुबह 10 से दोपहर 03 बजे तक कर दिया है।

पुलिस ने वाहनों पर लगाए रेडियम

फर्रुखाबाद। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के निर्देश पर राजेपुर यातायात पुलिस ने कोहरे से बचाव के लिए अभियान चलाया है। इस दौरान यातायात पुलिस इंचार्ज सत्येंद्र कुमार ने कस्बा तिराहे पर एक दर्जन से अधिक वाहनों पर रेडियम लगाए।

इन वाहनों में मुख्य रूप से गन्ना लदे ट्रैक्टर, ट्रक और बाइक शामिल थे। पुलिस ने इन वाहनों पर रेडियम लगाकर उन्हें दृश्यमान बनाया ताकि कोहरे में दुर्घटनाओं से बचा जा सके। यातायात इंचार्ज सत्येंद्र कुमार ने बताया कि इन दिनों कोहरे की सघनता बढ़ रही है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। रेडियम लगाने का उद्देश्य वाहनों की पहचान सुनिश्चित करना है। इस अभियान के तहत, पुलिस ने वाहन चालकों को धीमी गति से वाहन चलाने और सावधानी बरतने के लिए भी जागरूक किया। उन्हें बताया गया कि घने कोहरे में तेज रफ्तार जानलेवा हो सकती है।

ट्रक ने महिला को कुचला, मौत

फर्रुखाबाद। कमालगंज थाना क्षेत्र में ट्रक से कुचलकर महिला पूजा सक्सेना की मौत हो जाने से परिवार में मातम छा गया। जनपद कन्नौज कोतवाली गुरसहायगंज के अमरोली निवासी सुरजीत सक्सेना (44 वर्षीय) पत्नी पूजा को लेकर सायं खुदागंज बाजार में खरीदारी करने गए थे। जब पूजा खुदागंज बाजार की सड़क पार कर रही थी उसी समय कमालगंज की ओर से तेजी से आए ट्रक चालक ने पूजा को टक्कर मार दी। टक्कर लगने पर पूजा सड़क पर गिर गई, ट्रक का पहिया पूजा के शरीर से निकल जाने के कारण उसने तुरंत ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना होते ही भयभीत चालक ट्रक को छोड़कर भाग गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची खुदागंज पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया।

नगर पालिका ने जलवाए अलाव

फर्रुखाबाद। बुधवार को भी कड़ाके की ठंड पड़ी। लोगों को राहत देने के लिए नगर पालिका परिषद ने मंगलवार रात्रि कई सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलवाए। लोग अलाव के सहारे ठंड से संघर्ष करते दिखाई दिये। पिछले तीन दिनों से जिले में घना कोहरा पड़ रहा है, जिससे सर्दी का अहसास बढ़ गया है। बुधवार को भी दोपहर बाद ही सूर्य के दर्शन हुए। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों में तापमान में और गिरावट आने की संभावना है, और आसमान में हल्की धुंध छाई रह सकती है। बढ़ती ठंड को देखते हुए नगर पालिका ने यह कदम उठाया। अलाव जलते ही वाहन चालक और राहगीर रुककर आग तापते नजर आए। नगर पालिका द्वारा जिन 12 प्रमुख स्थानों पर अलाव जलवाए गए, उनमें टाउन हॉल तिराहा, पक्का पुल चौराहा, शहर का चौक चौराहा, रेलवे स्टेशन पर रेन बसेरा के पास, लाल गेट फब्बारा के पास, रोडवेज बस स्टैंड, लोहिया अस्पताल पुरुष इमरजेंसी, भोलेपुर हनुमान मंदिर, बड़ा चौराहा फतेहगढ़, कलेक्ट्रेट परिसर और वृद्ध आश्रम कादरी गेट शामिल हैं।

पुरानी पेंशन बहाली की हुई मांग

फर्रुखाबाद। पेंशनर्स डे के मौके पर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन के वार्षिक उत्सव में पुरानी पेंशन बहाली की मांग उठाई गई इसके साथ ही 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले रेलवे पेंशनर्स को शाल ओढ़ा कर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। भोलेपुर स्थित लक्ष्मी कृपा गेस्ट हाउस के प्रांगण में हुए इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व परिचालन प्रबंधक रेलवे जयप्रकाश श्रीवास मौजूद रहे। इसके अलावा संगठन के संरक्षक पूर्व सांसद मुन्नू बाबू, उपाध्यक्ष अनिल कुमार द्विवेदी, सोरन सिंह, आदि मंचासीन रहे। महासचिव की ओर से अजीत भट्ट ने ज्ञापन पढ़कर सुनाया। रेल मंत्री को भेजे गए ज्ञापन में पुरानी पेंशन बहाली की मांग उठाई गई इसके साथ ही चिकित्सा भत्ता 1000 से बढ़ाकर 5000 करने के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण मांगे की गईं।

कबड्डी में कन्नौज टीम विजेता लंबी कूद में संजय यादव अव्वल

बोर्डिंग ग्राउंड पर मेरा युवा भारत की ओर से जनपद स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

प्रमाण पत्र व ट्रॉफी के साथ खुशी मनातीं प्रतिभागी छात्राएं व मौजूद मंत्री असीम अरुण। अमृत विचार

अमृत विचार। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तहत मेरा युवा भारत की ओर से बोर्डिंग ग्राउंड में जनपद स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता हुई। 06 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कबड्डी प्रतियोगिता में कन्नौज टीम विजेता एवं तालग्राम टीम उपविजेता हुई। वालीबॉल में तालग्राम टीम विजेता एवं गुगरापुर टीम उपविजेता हुई। स्लो साइकलिंग महिला वर्ग मे अंकित प्रथम, भावना पाल द्वितीय एवं कंचन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद पुरुष वर्ग प्रतियोगिता में संजय यादव प्रथम, पुनीत पाल द्वितीय एवं प्रवीण कुमार तृतीय स्थान पर रहे। 400 मीटर महिला दौड़ मे संध्या प्रथम, रामकेतकी द्वितीय एवं गौरी तृतीय स्थान पर रहीं। 400 मीटर पुरुष दौड़ मे प्रशांत कुमार प्रथम, अमित द्वितीय एवं रंजीत तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता का शुभारंभ समाज कल्याण मंत्री व सदर विधायक असीम अरुण ने किया। साथ ही सभी विजेता खिलाड़ियों को मोमेंटों, मेडल एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।

जिला युवा अधिकारी सागर माहेश्वरी ने विषय वस्तु के बारे में बताया। कहा, जिले के चार विकास खंडों कन्नौज, जलालाबाद, गुगरापुर एवं तालग्राम में आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को जनपद में प्रतिभाग करने का अवसर मिला। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, शिवांग, राजेंद्र, सुरजीत, आदर्श, सुमित, दीपक, चक्रेश पांडे व बबीता मौजूद रहे।

स्कूल में विद्यार्थियों को दी गई अग्नि से बचाव की ट्रेनिंग

संवाददाता छिबरामऊ

- सुभाष अकादमी में अग्निशमन विभाग की मॉक ड्रिल

अग्निशमन की ट्रेनिंग लेता छात्र।

अमृत विचार। नगर के फर्रुखाबाद रोड स्थित सुभाष अकादमी में अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को अग्नि सुरक्षा की ट्रेनिंग दी गई।

अग्निशमन विभाग के उप निरीक्षक प्रांशु अवस्थी ने बताया कि अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल के आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ को आग लगने की स्थिति में बचाव, सुरक्षा उपाय और आपातकालीन प्रतिक्रिया के बारे में जागरूक करना था। मॉक ड्रिल के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को आग के विभिन्न प्रकारों इस में विद्युत आग, गैस लीकेज से लगी आग तथा ठोस पदार्थों से उत्पन्न आग की विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही आग को बुझाने के सही तरीकों एवं तकनीकों का स्पष्टीकरण किया। उन्होंने विभिन्न अग्निशमन यंत्रों का लाइव डेमोंस्ट्रेशन दिया, जिसमें यंत्रों के उपयोग की सही विधि दिखाई गई ताकि बड़ी दुर्घटना को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि आग लगने पर घबराना नहीं चाहिए, बल्कि धैर्य रखते हुए तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचित करें। सुरक्षित निकास मार्ग का उपयोग करें। बच्चों को एकत्रित कर सुरक्षित स्थान पर ले जाना जरूरी है। विद्यार्थियों ने इस अभ्यास में उत्साह से भाग लिया और अग्नि सुरक्षा संबंधी कई प्रश्न भी पूछे। कार्यक्रम में विद्यालय के सीईओ कार्तिकेय सक्सेना, प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार सिंह, उप प्रधानाचार्य दिनेश कमल, कोऑर्डिनेटर धीरज कुमार सिंह, रश्मि तिवारी, रश्मि पाण्डेय, रामभक्त शर्मा, शोभित कुमार सहित स्टाफ मौजूद रहा।

खिड़कियों के शीशे टूटे, दीवारें क्षतिग्रस्त मिलीं

कन्नौज। नगर क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय नसरापुर व जलालाबाद के अनौगी का सीडीओ रामकृपाल चौधरी व बीएसए संदीप कुमार ने निरीक्षण किया। एक स्कूल में खिड़कियों के शीटे टूटे मिले तो दूसरे में दीवारें क्षतिग्रस्त थीं।

नसरापुर में 93 छात्राएं उपस्थित मिलीं। भोजन कक्ष में छात्राएं पंक्तिबद्ध व अनुशासित ढंग से भोजन ग्रहण कर रही थीं। भोजन में दाल, आलू-पत्ता गोभी की सब्जी, रोटी, चावल एवं रायता परोसा गया। छात्राओं ने बताया कि सुबह नाश्ते में केला, दूध, कचौड़ी एवं अचार दिया गया था। डॉरमेट्री में दो खिड़कियों के शीशे टूटे पाए गए, जिन्हें शीघ्र ठीक कराने के निर्देश वार्डन को दिए गए। अन्य सभी व्यवस्थाएं बेहतर मिलीं। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी ने अनौगी के आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया जिसमें कुछ दीवारें क्षतिग्रस्त पाई गईं जिसे एक सप्ताह के भीतर मरम्मत/ निर्माण कराए जाने के निर्देश दिए गए।

प्रदूषण नियंत्रण को लेकर कई गेस्ट हाउस को दी गई नोटिस

संवाददाता छिबरामऊ

- पालिका व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने किया निरीक्षण

अमृत विचार। नगर पालिका की सीमा में संचालित गेस्ट हाउसों एवं मैरिज हॉलों का निरीक्षण नगर पालिका व उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम ने किया। इस दौरान प्रदूषण नियंत्रण को लेकर कई गेस्ट हाउस को चेतावनी के साथ नोटिस दी गई।

निरीक्षण के दौरान छिबरामऊ क्षेत्र में स्थित 14 गेस्ट हाउस/मैरिज हॉलों की जांच की गई। अधिकांश गेस्ट हाउस में प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं थीं। यह भी पाया गया कि संबंधित गेस्ट हाउसों ने नगर पालिका से कूड़ा उठान हेतु कोई विधिवत अनुबंध नहीं किया गया है तथा इनके द्वारा उत्पन्न कूड़े को सड़क किनारे या अन्य अनधिकृत स्थलों पर फेंका जा रहा है, जो कि पर्यावरण संरक्षण नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने संबंधित गेस्ट हाउस मां लक्ष्मी पैलेस, लोक भारती सभागार, गोविंद भवन गेस्ट हाउस, लिटिल स्टार मैरिज लॉन, गंगोत्री गैलेक्सी, श्रीराम रिसोर्ट, कनक गेस्ट हाउस, न्यू बौद्ध मैरिज हॉल, आनंद मैरिज होम, एसएन चतुर्वेदी गेस्ट हाउस, गोकुलधाम गेस्ट हाउस,न्यू संत गेस्ट हाउस, गोविंद गेस्ट हाउस व लक्ष्मी गेस्ट हाउस को चेतावनी दी गई।। उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं करने के निर्देश देते हुए नोटिस दिया जा रहा है।

खाद्य विभाग ने छापा मार भुने चनों व अंडों की गुणवत्ता परखी

संवाददाता तिर्वा

कस्बे में खाद्य पदार्थों की जांच करतीं अभिहित अधिकारी मंजरी मिश्रा व अन्य।

अमृत विचार। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने खैरनगर रोड स्थित एक दुकान पर बिक रहे भुने चने की गुणवत्ता की जांच की। सहायक आयुक्त खाद्य उमेश प्रताप सिंह के निर्देश पर तहसील खाद्य अधिकारी मंजरी मिश्रा के नेतृत्व में चलाया गया।

जांच के दौरान खाद्य अधिकारी ने चने को पानी में डाला, जिस पर चने से पीला रंग निकलने लगा। मंजरी मिश्रा ने बताया कि चने में कृत्रिम रंग का प्रयोग किए जाने की आशंका है, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक हो सकता है। इस प्रकार की मिलावट से गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए। इसके बाद कस्बा में स्थित थोक अंडा विक्रेताओं की दुकानों पर भी निरीक्षण किया गया। अभियान की सूचना मिलते ही कुछ दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर चले गए। खाद्य अधिकारी ने स्पष्ट किया कि निरीक्षण से बचना नियमों का उल्लंघन है और ऐसे दुकानदारों पर आगे कार्रवाई की जा सकती है।मंजरी मिश्रा ने कहा कि बाजार में बिकने वाली रंगीन और अधिक चमकदार खाद्य सामग्री देखने में भले ही आकर्षक लगे, लेकिन इनमें मिलावट की संभावना अधिक होती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि खाद्य पदार्थ खरीदते समय गुणवत्ता का ध्यान रखें।

कांग्रेस के पूर्व जिलाअध्यक्ष को पुलिस ने किया नजरबंद

संवाददाता गुरसहायगंज

अमृत विचार। लखनऊ भाजपा कार्यालय का घेराव करने जा रहे कांग्रेस पदाधिकारियों को पुलिस प्रशासन ने घर में ही नजर बंद कर दिया।

बुधवार को कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिला अध्यक्ष विजय मिश्रा को लखनऊ भाजपा कार्यालय का घेराव करने से पहले ही पुलिस ने नजर बंद कर दिया। पूर्व जिला अध्यक्ष विजय मिश्रा ने कहा कि न्यायालय ने नेशनल हेराल्ड मामले में दायर आरोप पत्र लेने से इनकार कर दिया। भाजपा कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को बदनाम करना चाहती है। भाजपा सरकार की साजिश जनता के सामने आ गई है और उनका चेहरा बेनकाब हो गया है। भाजपा के लोग कांग्रेसी नेताओं की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अदालत के फैसले से सत्य की जीत हुई है। पूर्व जिलाध्यक्ष ऊषा दुबे को भी पुलिस ने आवास पर नजरबंद कर लिया।

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष विजय मिश्रा को आवास पर नजरबंद किए पुलिस।

सीपी विद्या निकेतन में तीन दिवसीय रोबोटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन

कार्यालय संवाददाता कायमगंज

कार्यक्रम में मौजूद डॉ .मिथलेश अग्रवाल व अन्य लोग।

अमृत विचार। कायमगंज में सीपीवीएन स्कूल द्वारा तीन दिवसीय अंतर-विद्यालयीय रोबोटिक्स प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ श्याम मिश्रा, सीपी ग्रुप आफ स्कूल की निदेशिका मिथलेश अग्रवाल एवं प्रबंधक सत्यप्रकाश अग्रवाल, अतिथि श्रीमती रिचा रस्तोगी ने रोबोटिक मंच को सुशोभित किया।

प्रतियोगिता में विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। छात्रों ने अपने हाथों से रोबोट का निर्माण, कोडिंग के माध्यम से संचालन तथा विभिन्न तकनीकी चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने टीम वर्क, समस्या समाधान और तार्किक सोच का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने अपने संबोधन में बताया कि वर्तमान समय में रोबोटिक्स तकनीक का उपयोग चिकित्सा, उद्योग, कृषि,रक्षा एवं घरेलू कार्यों सहित अनेक क्षेत्रों में हो रहा है। विद्यालय स्तर पर रोबोटिक्स शिक्षा से छात्र भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होते हैं। मुख्य अतिथियों द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य आरके बाजपेई ने सभी प्रतिभागी छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। योगेश चंद्र तिवारी प्रधानाचार्य , उप प्रधानाचार्य दीपक कुमार जैना, एसके बाजपेई, एवं समस्त शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नीलम त्रिवेदी द्वारा किया गया।

अवैध खनन में सीज की पोकलैंड मशीन

अमृतपुर । अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के तहत 17 दिसम्बर की सुबह थाना अमृतपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम आसमपुर स्थित खनन पट्टा क्षेत्र में खनन अधिकारी द्वारा औचक छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान मौके पर एक पोकलैंड मशीन अवैध खनन करते हुए पाई गई, जिसे सीज कर दिया गया।

जांच में सामने आया कि खनन कार्य ग्राम मांझा की मड़ई, ग्राम आसमपुर में किया जा रहा था, जो कि स्वीकृत खनन पट्टे से लगभग 420 मीटर की दूरी पर स्थित है। अवैध खनन पाए जाने पर संबंधित पोकलैंड मशीन को कब्जे में लेकर थाना अमृतपुर की अभिरक्षा में सौंप दिया गया है। मामले में नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी के दौरान मौके पर एक पोकलैंड मशीन अवैध खनन करते हुए पाई गई।

उर्स मुबारक में उमड़ी अकीदतमंदों की भीड़

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। नगर के मोहल्ला ग्राटगंज स्थित हजरत सैयद मोहम्मद शाह वारसी की मजार पर सालाना उर्स के दौरान बुधवार को कुल व फातिहा के साथ लंगर तकसीम किया गया। इस मौके पर मुन्ना मेहरबान ताज कव्वाल फर्रुखाबादी व लखनऊ जुनैद कव्वाल ने कलाम पेश कर माहौल को रूहानी बना दिया।

पिछले दिवस सूफी संतों व जायरीन नंगे पैर सिर पर प्रेम की गागर व चादर का जुलूस लेकर निकले शहर के विभिन्न मुहल्ले से चादर व गागर के निकले जुलूस का जगह-जगह फूलों से स्वागत किया गया था। इस मौके पर काफी संख्या में महिलाओं से लेकर बुजुर्ग व नौजवानों ने भागीदारी की। मुहल्ला ग्राटगंज दरगाह हजरत सैयद हाजी महमूद शाह वारसी की मजार पर पहुंचकर हाजिरी लगाई और चादर चढ़ाकर मन्नते मुरादे पूरी होने पर हाथ उठाकर जायरीन ने दुआ मांगी। सुबह से ही दूरदराज इलाकों से बाहर से आए हुए अकीदतमंद चल रहे 3 दिवसीय 59 वे सालाना उर्स में काफी संख्या में लोगों की संख्या में भागीदारी की। रात को कुल शरीफ व फातिहा खानी हजरत सैयद हाजी महमूद अली शाह वारसी लकी हुई थी। कुल शरीफ व फातिहा खानी के बाद पूरी रात सूफियाना महफिल ए समां का आयोजन किया गया। जो देर रात्रि तक जारी रहा। बहरूनी कव्वाल जुनैद कव्वाल लखनवी व मुकामी कव्वाल मुन्ना मेहरबान ताज कव्वाल फर्रुखाबादी ने अपने सूफियाना कलाम व गजल पढ़कर महफिल लूट ली। बैठे हुए जायरीन कलाम सुनकर झूम उठे। सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार की टक्कर से दो किशोर घायल हालत गंभीर

फर्रुखाबाद। सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो किशोर घायल हो गए। मंगलवार रात कचहरी रोड पर एक बोलेरो कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घायलों को डॉ. राम मनोहर लोहिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शहर कोतवाली के मोहल्ला बहादुरगंज निवासी जुनैद अपने दोस्त अनस के साथ बाइक से फतेहगढ़ किसी काम से गए थे। वापस लौटते समय यह हादसा ऑफिसर कॉलोनी के सामने हुआ। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को रात अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर जय सिंह ने बताया कि अनस की हालत गंभीर थी, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जुनैद का इलाज जिला अस्पताल लोहिया में जारी है।

नेशनल सेमिनार | मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय में जुटे देश भर के विद्वान

सेमिनार में तनाव नियंत्रण के आयुर्वेदिक उपायों पर हुई चर्चा

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

सेमिनार में आए अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देते डॉ .अनार सिंह यादव।

अमृत विचार। मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय, इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में बुधवार को तनाव प्रबंधन एवं सामना करने की रणनीतियों पर आयुर्वेदिक दृष्टिकोण विषय पर आयोजित नेशनल सेमिनार में देशभर से आए विद्वान वक्ताओं ने तनाव नियंत्रण के आयुर्वेदिक उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित सेमिनार का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह, चेयरपर्सन डॉ अनीता यादव, प्रति कुलाधिपति डॉ अंचल सिंह, कुलपति डॉ रंगनाथ मिश्र, कुलसचिव रणजीत यादव, डीन आयुर्वेद डॉ अम्बरीश कुमार बाथम, अतिथि वक्ता डॉ. वारुंगसे हीरामन निवृत्ति, डॉ सुहास कुमार शेट्टी एवं डॉ. सी.बी. सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। सेमिनार को संबोधित करते हुए एसएमबीटी आयुर्वेद कॉलेज, नासिक में काय चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वारुंगसे हीरामन निवृत्ति ने कहा कि आयुर्वेद में तुलसी, अश्वगंधा, ब्राह्मी और जटामासी जैसी औषधियों का सेवन तनाव को कम करने में सहायक है। केएलई श्री बीएमके आयुर्वेद महाविद्यालय, बेलगावी के प्राचार्य डॉ. सुहास कुमार शेट्टी ने कहा कि सात्विक आहार तनाव को कम करता है, जबकि तामसिक भोजन तनाव को बढ़ाता है। कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह ने कहा कि वर्तमान जीवनशैली में तनाव एक गंभीर समस्या बन चुका है और इससे निपटने के लिए आयुर्वेद एक सुरक्षित एवं प्रभावी मार्ग प्रदान करता है। आयुर्वेद न केवल रोगों का उपचार करता है, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की कला भी सिखाता है। एफएस विश्वविद्यालय शिकोहाबाद के कुलाधिपति डॉ दिलीप यादव,चेयरपर्सन डॉ. अनीता यादव, गोपाल बंधु आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, उड़ीसा की प्रोफेसर डॉ. सुरमा मिश्रा, एसआरएम मेडिकल कॉलेज के प्रो. डॉ सीबी सिंह, श्रीबाबू सिंह जय सिंह आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस, डॉ बलराज सिंह, डॉ विजयप्रकाश मिश्रा, डॉ मानस रंजन देबता, डॉ अनुपमा बल्लारी, डॉ कुन्दन कुमार मिश्रा, डॉ वीरन्ना मुगदुर ने भी विचार व्यक्त किये। कुलपति डॉ रंगनाथ मिश्र, कुलसचिव रणजीत यादव, डॉ विनायक किन्नाल, डॉ ईशान जैन, डॉ संतोष कुमार मिश्रा, डॉ रतन सिंह, डॉ पूनम पटेल, डॉ सुनील राजपूत, समेत कई लोग मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में पेंशनरों ने गिनाई अपनी समस्याएं

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पेंशनर्स दिवस का आयोजन जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर डीएम ने वृद्धजनों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

पेंशनर्स दिवस का शुभारम्भ डीएम एवं वरिष्ठ कोषाधिकारी अम्बरीष बाजपेई द्वारा किया गया। रिटायर्ड सहायक कोषाधिकारी कोषागार अखिलेशचंद्र अग्निहोत्री ने कार्यक्रम का संचालन किया। रिटायर्ड मुख्य चिकित्साधिकारी अखिलेश मुरारी पाण्डेय ने पेंशनरों की समस्याएं गिनाईं। वीरेन्द्र कुमार मिश्रा ने पेंशनरों के राशिकरण की कटौती 15 वर्ष के स्थान पर 10 वर्ष 11 माह किये जाने के सम्बन्ध में अनुरोध किया। सुखदेव दीक्षित द्वारा परिचय पत्र जारी किये जाने के सम्बन्ध में अनुरोध किया। विनोद कुमार उपाध्याय द्वारा प्रधानाध्यपक पद के सापेक्ष वेतनमान न दिये जाने एवं बेसिक शिक्षा विभाग के लिपिको के द्वारा सेवापुस्तिका गायब होने एवं जानबूझकर उदासीनता पूर्वक रवैया अपनाये जाने की शिकायत की। राजीव बाजपेई पेंशनर द्वारा से.नि. कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उप्र मासिक मीटिंग के लिए स्थान आवंटन सहित 5 सूत्रीय प्रस्ताव जिलाधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया।

न्यूज ब्रीफ

सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस ने की चर्चा

इटावा। फ्रेंड्स कॉलोनी थाना पुलिस ने क्षेत्र के व्यापारियों के साथ एक बैठक की और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में चर्चा की। थानाध्यक्ष ने व्यापारियों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। बैठक में थानाध्यक्ष अमित मिश्रा ने व्यापारियों की समस्याओं और सतर्कता को लेकर व्यापारियों को जागरूक रहने का अनुरोध किया और भविष्य में कोई भी समस्या आने पर पूरी निष्ठा से सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अजय गुप्ता रवि कश्यप, अवधेश दुबे, राजीव पाल, हरेंद्र भदौरिया, मुकेश दुबे, राजकुमार कुशवाहा, कपिल पाठक, गोविंद कृष्ण भदौरिया, आशीष तिवारी आदि व्यापारी मौजूद रहे।

घर-घर पोलियो की दवा पिलाने का अभियान जारी

महेवा। रविवार से शुरू पल्स पोलियो अभियान के तहत सोमवार से स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर घर जाकर नौनिहालों को दवा पिलाई जा रही है इसकी जानकारी देते हुए बी पी एम दिलीप अग्रहरि ने बताया कि अधीक्षक स्वास्थ्य केंद्र डॉ गौरव त्रिपाठी के निर्देशन में सी एच सी के अंतर्गत कुल 49 टीमें कार्यरत है तथा पांच ट्रांजिट टीम भी दवा पिला रहीं हैं। उक्त अभियान के तहत एक भी बच्चा दवा पीने से नहीं छूटना चाहिए। इसी उद्देश्य के साथ स्वास्थ्य कर्मियों में एएनएम, आशा, आंगनबाड़ी, पंचायत कर्मियों, शिक्षा विभाग से जुड़े कर्मियों आदि का सहयोग लेकर घर-घर दवा पिलाने का कार्य किया जा रहा है। अभियान के तहत 13 हजार बच्चों को दवा पिलाई जा चुकी हैं।

पूनम दुबे ने भाजपा नेता का हालचाल जाना

महेवा। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए भाजपा नेता शिवमहेश दुबे का हालचाल लेने के लिए बुधवार को क्षेत्रीय महामंत्री एवं राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश की सदस्य पूनम दुबे उनके आवास पर पहुंचीं और उनका हाल जाना। इस अवसर पर उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान दुबे की पत्नी पूर्व ब्लॉक प्रमुख मंजुला, सभासद राजू दुबे, शिक्षक गौरव तिवारी, टिंकू गुप्ता, ऋचा मिश्रा, सुरेन्द्र भदौरिया मौजूद रहे।

छात्र के निधन पर शोक

महेवा। स्थानीय कस्बा महेवा स्थित लोकमान्य रूरल इंटर कालेज में कक्षा 11 के छात्र की बीमारी के चलते मौत हो गई। निवाड़ीकला निवासी रामसिंह दोहरे का 16 वर्षीय पुत्र सत्यम कुमार जो कि लोकमान्य रूरल इंटर कॉलेज महेवा में कक्षा 11 का छात्र था उसे दो तीन से बुखार आ रहा था मंगलवार को उसे पीजीआई में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। प्रधानाचार्य शिवशंकर त्रिपाठी की अध्यक्षता में शोक सभा की गई तथा कालेज में शोक अवकाश किया गया।

बस के ओवरटेक करने से पिकअप पलटी

बकेवर। थाना क्षेत्र के आगरा-कानपुर नेशनल हाईवे पर कानपुर की ओर से इटावा जाते समय चन्द्रपुरा तिराहे पर रोडवेज बस के ओवरटेक करने से पिकअप दो लाइनों के मध्य डिवाइडर पर पलट गई। पिकअप चालक कुलदीप कुमार पुत्र अर्जुन सिंह निवासी दाऊखेड़ा असवा उन्नाव ने बताया कि वह अपने पिकअप लोडर से कानपुर से बैंकिट कम्पनी का खाने पीने का माल लेकर इटावा जा रहे थे उसी समय आगरा कानपुर नेशनल हाईवे पर कुडरिया रजबहा के पास कानपुर की ओर से आ रही एक रोडवेज बस ने ओवरटेक करते समय बस पिकअप की साइड में दबा दी। इससे पिकअप अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर पलट गई।

सैफई में विकास प्रदर्शनी का ब्लॉक प्रमुख ने किया शुभारंभ

संवाददाता, सैफई

अमृत विचार। सैफई में नेता जी विकास प्रदर्शनी एवं मेला का शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। मेले का उद्घाटन सैफई की ब्लॉक प्रमुख मृदुला यादव ने फीता काटकर किया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन करतीं ब्लॉक प्रमुख मृदुला यादव। अमृत विचार

उद्घाटन के दौरान ब्लॉक प्रमुख मृदुला यादव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की जानकारी देने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार और मनोरंजन का अवसर भी प्रदान करते हैं। उन्होंने मेले में लगी विभिन्न दुकानों का अवलोकन किया तथा आयोजकों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। मृदुला यादव ने सैफई ब्लॉक परिसर में लगी सैफई महोत्सव के संस्थापक व प्रथम ब्लॉक प्रमुख स्व. रणवीर सिंह यादव की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मेले में जरूरत की लगभग सभी चीजें उपलब्ध हैं। मेले में घरेलू उपयोग की वस्तुओं, खान-पान की दुकानों, बच्चों के खिलौनों के साथ-साथ मनोरंजन के लिए झूले भी लगाए गए हैं। मेले में लोगों की खासी भीड़ देखने को मिली और ग्रामीणों ने आयोजन की सराहना की। इस मौके पर चंदगीराम यादव प्रधान, रामनरेश यादव अध्यक्ष विधान सभा सपा, संतोष शाक्य ब्लॉक अध्यक्ष सपा, रवि विधायक, गणेश फौजी, मुकेश गुप्ता आदि रहे।

ठंड और कोहरे में तीसरे दिन डटे रहे किसान

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। किसानों की समस्याओं को लेकर बुधवार को तीसरे दिन भी किसानों का धरना जारी रहा। इधर किसान सभा के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री एवं प्रांतीय महामंत्री मुकुट सिंह ने डीएम शुभ्रान्त शुक्ला से मिलकर किसानों की पीड़ा बताई। कहा ताखा तहसील पर भीषण ठंड और कोहरे में तीन दिनों से धरने पर बैठे किसान स्वास्थ्य हो रहे हैं। वार्ता के बाद जिलाधिकारी ने सकारात्मक आश्वासन दिया।

किसानों की मांगों को लेकर डीएम को ज्ञापन देते कामरेड मुकुट सिंह व अन्य।

कामरेड मुकुट सिंह ने जिलाधिकारी को बताया कि ताखा तहसील में स्वास्थ्य व्यवस्था खस्ताहाल है। पीएचसी सराईनावर पर प्रभारी डाक्टर सहित अन्य कई डाक्टर और स्टाफ नदारद रहते हैं। 100 शैया के तैयार सुतियानी अस्पताल का सुचारू संचालन नहीं हो रहा है। 11 वर्षों से तैयार आईटीआई में पढ़ाई शुरू कराने, एक्सप्रेस वे पर कुदरैल पर कट, बुंदेलखंड एक्सप्रसे वे पर रोडवेज का संचालन, अन्यायपूर्ण ढंग से भूमि हड़प रोकना, जबरिया स्मार्ट मीटर न लगाए जाने, ताखा तहसील में अनाज मंडी की स्थापना और सरकारी केंद्रों पर धान खरीद आदि जैसी मांगों पर आंदोलन हो रहा है।

- ताखा में तीन दिन से चल रहा है घेरा डालो-डेरा डालो धरना

डीएम को ज्ञापन देते समय सीटू के प्रांतीय नेता अमर सिंह शाक्य, माकपा के वरिष्ठ नेता प्रेमशंकर यादव और नौजवान सभा के जिलामंत्री मोनू यादव भी साथ रहे।ताखा धरना स्थल पर किसान तीसरे दिने भी डटे हुए हैं। किसान नेता नाथूराम यादव, जिलाध्यक्ष रामबृजेश यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष विश्राम सिंह, अजीत प्रताप सिंह, शिववचन उर्फ बच्चू, सतेन्द्र कुमार सहित सैकडों किसान आंदोलन में शामिल हैं। वहां लंगर चालू है।

किसी को नहीं मिल रही पेंशन तो कोई जांच से संतुष्ट नहीं

महिला आयोग की सदस्य के सामने पहुंचीं डेढ़ दर्जन से अधिक शिकायतें

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी ने विकास भवन के सभागार में जनसुनवाई की। उन्होंने महिलाओं की शिकायतें सुनीं। इस दौरान करीब 17 महिलाओं ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं और कार्रवाई के लिए गुहार लगाई। महिला आयोग की सदस्य ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का 15 दिन के अंदर निस्तारण किया जाए। यहां पहुंचने वाली महिलाएं अलग-अलग शिकायत लेकर पहुंचीं थीं। किसी को पेंशन नहीं मिली थी तो किसी के बच्चों को बाल सेवा योजना के तहत लाभ नहीं दिया जा रहा था।

राज्य महिला आयोग की सदस्य महेवा में स्वेटर वितरण कार्यक्रम में बच्चों के साथ पूनम द्विवेदी। अमृत विचार

अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए कहा गया। करीब दो घंटे तक जनसुनवाई का कार्यक्रम चला। महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं को त्वरित न्याय देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है इसीलिए वे जिलों में जाकर सुनवाई कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं से कहा कि सरकार ने टोल फ्री नंबर जारी किए हैं। जरुरत पड़ने पर वे इन टोल फ्री नंबर पर फोन करें, उनको सहायता मिलेगी। उन्होंने दिव्यांगजनों के लिए कैंप लगाने के निर्देश भी दिए। इस पर दिव्यांगजन अधिकारी ने बताया कि सभी ब्लॉकों में कैंप लगाए जा रहे हैं और शादी अनुदान भी दिया जा रहा है। फ्रेंड्स कॉलोनी की रहने वाली एक महिला ने बताया कि इलाज के लिए वे जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय में गई थी। वहां तैनात डॉक्टर ने छेड़छाड़ की और अभद्रता भी की। इसके बाद जब वे अपने पति को साथ लेकर गई तो पति के साथ भी अभद्रता की गई। इस मामले की शिकायत के बाद जांच के आदेश दिए गए हैं लेकिन जांचकर्ता पर उन्हें भरोसा नहीं है। इसलिए किसी दूसरे अधिकारी से इस मामले की जांच कराई जाए। बिशनगढ़ की रहने वाली रामबेटी ने पति बेंचेलाल को वृद्धावस्था पेंशन न पहुंचने की शिकायत की। भरथना की रहने वाली उर्मिला देवी ने भी पेशन न पहुंचने की शिकायत की। जनसुनवाई के दौरान सीओ जसवंतनगर आयुषी सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी लक्ष्मीकांत त्रिपाठी मौजूद रहे।

40 जरूरतमंद बच्चों को बांटे स्वेटर

- इटावा आने से पहले महेवा में महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी ने महेवा स्थित सुखदेवी बालिका उच्चतर विद्यालय में बच्चों को सर्दी से बचाव के लिए 40 जरुरतमंद बच्चों को स्वेटर वितरित किए। कालेज पहुंचने पर प्रधानाचार्य अमिता यादव सहित स्कूल के स्टाफ ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिला आयोग का उद्देश्य महिलाओं को न्याय दिलाने के साथ साथ उन्हें आत्म निर्भर व जागरूक बनाना है। कार्यक्रम का संचालन राजू दुबे के द्वारा किया गया।

पीआरडी जवान की हार्ट अटैक से मौत, पसरा मातम

इटावा। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत कांधनी स्थित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय में तैनात पीआरडी जवान की हार्टअटैक से मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार पीआरडी जवान प्रदीप कुमार (54) पुत्र राम प्रकाश निवासी अजबपुर थाना बलरई राहतपुरा स्थित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय कांधनी में तैनात थे उनकी स्कूल हॉस्टल में शाम 5 बजे से रात एक बजे तक ड्यूटी थी। रात करीब 9.45 बजे राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय कांधनी के प्रधानाचार्य डॉ. निर्मल चन्द्र बाजपेई रोजाना की भांति हॉस्टल का विजिट करने आये तो पीआरडी जवान ने गेट का ताला खोला। प्रधानाचार्य डॉ. निर्मल चन्द्र बाजपेई ने बताया कि वह हॉस्टल में विजिट करने चले गए तभी स्कूल के बच्चों ने उन्हें बताया कि पीआरडी जवान की तबीयत खराब हो गई है हम तुरंत मौके पर पहुंचे तो प्रदीप बेहोशी की हालत में मिले। तत्काल जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ले गए। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर थाना सिविल लाइन पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। घटना की सूचना पाकर मृतक के बेटे इटावा आये और शव को अपने साथ मोहल्ला आशाबाद जिला फीरोजाबाद ले गए।

शैक्षणिक भ्रमण पर गए विद्यार्थी व स्टाफ। अमृत विचार

एसएमजीआई के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार । सर मदनलाल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के डी.फार्मा विद्यार्थियों ने ग्लिवर्ट हेल्थकेयर, कानपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को फार्मास्युटिकल उद्योग की वास्तविक कार्य प्रणाली, उत्पादन प्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण तथा उद्योग में अपनाए जाने वाले मानकों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था।

औद्योगिक भ्रमण की शुरुआत से पूर्व ग्लिवर्ट हेल्थकेयर की टीम द्वारा विद्यार्थियों को पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से कंपनी का परिचय कराया गया। इस दौरान कंपनी की स्थापना, कार्यक्षेत्र, प्रमुख उत्पादों, गुणवत्ता नीति तथा उद्योग के विभिन्न विभागों जैसे- प्रोडक्शन, क्वालिटी कंट्रोल, क्वालिटी एश्योरेंस, पैकेजिंग एवं स्टोरेज आदि की विस्तृत जानकारी भी दी गई। इससे विद्यार्थियों को उद्योग की संरचना को समझने में विशेष सहायता मिली। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के साथ संस्थान के प्रवक्ता सुबोध बाबू, प्रियंका सक्सेना, शिवम, शहवाज एवं निहारिका भदौरिया उपस्थित रहीं, जिन्होंने पूरे भ्रमण के दौरान अनुशासन बनाए रखते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान कराया। संस्थान के चेयरमैन डॉ. विवेक यादव ने ग्लिवर्ट हेल्थकेयर, कानपुर की संपूर्ण टीम के प्रति इस उपयोगी शैक्षणिक भ्रमण का अवसर प्रदान करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- कोर्ट ने पचास हजार रुपया का जुर्माना भी लगाया

अमृत विचार। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट विनीता विमल ने डेढ़ साल पुराने पॉक्सो एक्ट व दुष्कर्म के मामले की सुनवाई करते हुए साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने अभियुक्त को दोषी पाया। दोषी पाए जाने पर कोर्ट ने उसे बीस साल की सजा और 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता दशरथ सिंह चौहान ने बताया कि चकर नगर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 12 वर्ष की किशोरी 2 मार्च 2024 की दोपहर को अपने घर से बकरी छोड़ने के लिए खेतों पर गई थी तभी एक गांव के रहने वाले सुरेश पुत्र छेदा लाल ने उसे पैसों का लालच देकर अपने पास बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी का पिता उस समय बाहर गया था। छह मार्च को घर लौटने पर किशोरी ने अपने पिता को इसकी जानकारी दी। पीड़िता का पिता उसे लेकर थाने गया और पुलिस को इसकी जानकारी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने दुष्कर्म की धाराओं में मामला दर्ज किया। बाद में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। छानबीन के बाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट व दुष्कर्म की धाराओं में सुरेश दोहरे के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में पेश कर दिए।

मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट की कोर्ट में हुई। सरकार की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता दशरथ सिंह चौहान व आशीष तिवारी ने पैरवी की। उनके द्वारा पेश किए साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर कोर्ट ने सुरेश दोहरे को दोषी पाया और उसे बीस साल के कठोर कारावास की सजा व पचास हजार रुपया के अर्थदंड से दंडित किया। जुर्माना अदा न करने पर उसे चार माह का अतिरिक्त कारावास भोगना पड़ेगा।

राजनीतिक दल अवश्य भरवाएं फॉर्म-6

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- डीएम ने एसआईआर को लेकर नेताओं के साथ की बैठक

अमृत विचार। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि फॉर्म-6 अवश्य भरवाया जाए, यह बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मैपिंग जिसकी हो गई है एवं जिसकी नहीं हुई है उसको नोटिस जाएगा साथ ही फॉर्म-6 सभी बीएलओ के पास उपलब्ध है एवं उनके द्वारा सभी मतदाताओं को दिया जा रहा है।वर्तमान में आयोग के निर्देशानुसार 27 अक्टूबर तक निर्वाचक नामावली में सम्मिलित कुल 12,29,631 मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का मुद्रण कराकर वितरण एवं गणना प्रपत्र भरकर 26 दिसम्बर तक जमा किया जाना है। बूथ लेवल अधिकारी द्वारा मैपिंग का कार्य किया जा रहा है जिसमें महिलाएं जो शादी होकर कहीं दूसरे जनपद से आयीं हैं उनका मैपिंग कराने में सहयोग प्रदान करें। इसके अतिरिक्त आप किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु जनपद स्तर पर स्थापित डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर के फोन नम्बर पर सम्पर्क कर सकते है। मतदाताओं की सहायता के लिए हेल्प डेस्क कलेक्ट्रेट परिसर अपर जिलाधिकारी / उप जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में स्थापित किया गया है। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अभिनव रंजन श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट राजेन्द्र बहादुर आदि मौजूद रहे।

एसडीएम की मौजूदगी में हुई बैठक

- जसवंतनगर तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी कुमार सत्यम जीत की अध्यक्षता और तहसीलदार नेहा सचान की उपस्थिति में एसआईआर कार्य की समीक्षा बैठक राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों बीएलए के साथ हुई। इससे पूर्व एसडीएम ने बीएलओ के साथ मीटिंग कर भौतिक सत्यापन के साथ त्रुटि रहित मतदाता सूची के सख्त निर्देश दिये। राजनीतिक प्रतिनिधियों और बीएलए संग एसआईआर प्रक्रिया के तहत एएसडीडी सूची यानि अनुपस्थित स्थानांतरित मृतक एवं डुप्लीकेट के संबंध में बैठक में एसडीएम कुमार सत्यम जीत ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम | कला कौशल एवं पोस्टर मेकिंग स्पर्धा में शामिल हुए 2200 से अधिक प्रतिभागी

राष्ट्रीय प्रतीकों व सामाजिक संदेश के साथ बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। महोत्सव पंडाल में बुधवार को कला कौशल एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के 125 विद्यालयों के 2200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता के अलग-अलग वर्गों में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के प्रारंभ में सभी छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय ध्वज बनाकर भारत माता की जय, वंदेमातरम् व जय हिंद के स्वश्वर उद्घोष के साथ जब पंडाल में हाथ ऊपर करके तिरंगा फहराया तो मानो देशभक्ति की अनुपम छटा देखने को मिली। शुभारंभ मुख्य अतिथि सदर विधायक सरिता भदौरिया व एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव, डीन इंजीनियरिंग कॉलेज डॉ. देवेंद्र सिंह व कार्यक्रम संयोजक सीबीएसई सिटी कॉर्डिनेटर व प्रधानाचार्य, निदेशक संत विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल डॉ. आनंद ने दीप प्रज्ज्वलन व सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया।

दीप जलाकर स्पर्धा का उद्घाटन करतीं सदर विधायक सरिता भदौरिया व अन्य।

मुख्य अतिथि सदर विधायक सरिता भदौरिया ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता से बच्चों की रचनात्मकता व उनकी मानसिक शक्ति का अपार विकास होता है। उन्होंने कार्यक्रम संयोजक डॉ. आनंद को इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों ने राष्ट्रीय ध्वज बनाकर व वंदेमातरम् का जयघोष कर राष्ट्रीय एकता का परिचय दिया वह अपने आप में ऐतिहासिक क्षण है। एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में चित्रकला का ज्ञान होना मानसिक प्रखरता को परिपक्व बनाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रतियोगिता के शिशु वर्ग में भारत का राष्ट्रीय ध्वज व प्राइमरी वर्ग में भारत का राष्ट्रीय चिह्न अशोक की लाट, जूनियर वर्ग में राज्य पक्षी सारस का जोड़ा, माध्यमिक वर्ग में साइबर अपराध के बारे में सामाजिक जागरूकता, स्नातक वर्ग व परास्नातक वर्ग में विकसित भारत 2047 पर आपकी परिकल्पना राष्ट्रीय एकता विषय पर चित्र बनाये गए। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका वरिष्ठ चित्रकार वीरेंद्र जैन, डॉ राजीव चौहान, जेएसकेजी पॉलिटेक्निक की प्रधानाचार्य डॉ. नमिता तिवारी, सुदिति ग्लोबल मैनपुरी की सगूफी खान ने निभाई।

एक हाथ से राष्ट्रीय ध्वज बनाने पर किया गया दिव्यांग का सम्मान

- इटावा। महोत्सव पंडाल में मुख्य अतिथि समेत सभी अति विशिष्ट अतिथियों ने अलग-अलग ब्लॉक में जाकर बच्चों की प्रतिभा को निहारा साथ ही उन्होंने बच्चों के साथ फोटो खिंचवाकर उनकी स्मृतियों को भी सहेजा। कार्यक्रम संयोजक निदेशक प्रधानाचार्य संत विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल डॉ आनंद व सुदिति ग्लोबल अकेडमी औरैया की चेयरमैन डॉ. नीलम आनंद ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें शॉल व प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में मां दिलावरी देवी स्मृति पुरस्कार से अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के दिव्यांग छात्र समीर खान को एक हाथ से राष्ट्रीय ध्वज बनाने पर विशेष पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता में एडीआईओएस डॉ. मुकेश यादव, प्रधानाचार्य मनोज कुमार, मनोज एमएस, अभिषेक सक्सेना, सुनील दत्त अवस्थी, असरा अहमद, अनूप मिश्रा, भावना सिंह, जेपी सिंह, वेदपाठी तिवारी, डॉ. कमल कुमार, सौरभ दुबे, रितु यादव, डॉ. धर्मेंद्र शर्मा, उमेश यादव, पंकज शर्मा, विवेक सिंह, बृजेश यादव, शिवम आनंद, सोनिया चौहान समेत बड़ी संख्या में विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन चित्रा परिहार व निधि पाण्डेय ने किया।

दुर्घटना बाहुल्य, जाम वाले क्षेत्र ब्लैक स्पॉट घोषित किए

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक में व्यापार मंडल ने की मांग

अमृत विचार। पुलिस लाइन सभागार में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक पुलिस अधीक्षक नगर अभय नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

व्यापार मंडल इटावा के जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित ने कहा कि सड़कों और सड़क किनारे लगे अवैध बाजारों को जिला प्रशासन हटवाएं तथा वेटिंग जोन बनाये जाएं, शहर में वन वे ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त हो गई है, सड़क के बीच मे बाइकें खड़ी हो रहीं है। नुमाइश शुरू होने से ट्रेफिक का दबाव रोज बढ़ रहा है और लोगों को घंटों जाम से जूझ रहे हैं। व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों और अत्यधिक जाम वाले क्षेत्रों को चिह्नित कर ब्लैक स्पाट घोषित किया जाए। बैठक में जिला उपाध्यक्ष अशोक जाटव, भारतेन्द्र भारद्वाज, हाजी शंहशाह वारसी, गुड्डी बाजपेई, शकीला बेगम, चांदनी सिद्दीकी, महताब, ज्योति पालीवाल, जिला सचिव लखन सोनी, शहर महामंत्री विवेक यादव, शहर कोषाध्यक्ष मनीष यादव, शहर उपाध्यक्ष देवेन्द्र यादव, रेडीमेड एसोसिएशन के अध्यक्ष देव गुप्ता, युवा महासचिव धर्मेंद्र यादव, अफजाल मंसूरी सहित सिटी मजिस्ट्रेट राजेन्द्र बहादुर, सीओ सिटी अभयनाथ राय, सीओ ट्रैफिक रामगोपाल शर्मा, टीएसआई सूबेदार सिंह सहित विभिन्न थानों के प्रभारी मौजूद रहे।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

पेंशनर्स दिवस पर सुनीं समस्याएं, समाधान के निर्देश

कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में बैठक का आयोजन किया

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में पेंशनर्स दिवस पर बैठक का आयोजन किया गया। विभिन्न विभागों से सेवानिवृत हुए लोगों की समस्याओं को सुना और प्राप्त आवेदनों का संज्ञान लेते हुए आश्वस्त किया कि जो भी मामले भुगतान संबंधी प्राप्त हुए हैं उनका हर संभव प्रयास करते हुए नियमानुसार निस्तारण कराया जाएगा।

समस्याओं को सुनते डीएम डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी। अमृत विचार

डीएम डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि आप लोगों ने अपने सेवाकाल के दौरान कार्य करते हुए लोगों को समस्याओं से निजात दिलाई है और अब आप लोग अपनी समस्या के लिए इधर-उधर भटकें यह बहुत पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक के पूर्व प्राप्त मामलों की निस्तारण संबंधी सूचना आपको प्राप्त करा दी जाएगी जिससे पुनः शिकायत का अवसर नहीं मिलेगा। डीएम ने सभी विभागों को निर्देश दिये कि अपने विभाग से संबंधित पेंशनरों की समस्या का तत्काल संज्ञान लेते हुए उनको निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होने वरिष्ठ कोषाधिकारी को निर्देश दिये कि लम्बित प्रकरणों की सूचना माह के प्रत्येक द्वितीय शुक्रवार वीसी के दौरान बताएं जिससे उन प्रकरणों का संबंधित विभागों से सूचना देकर निस्तारण कराया जा सके। उन्होने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिये कि प्रत्येक सप्ताह पेंशनर से संबंधित लम्बित प्रकरणों के संबंध में विभागीय समीक्षा करते हुए उनका निराकरण कराया जाये । जिलाधिकारी द्वारा सभी पेंशनरों को अवगत कराया गया कि उनके द्वारा जनपद की समस्त तहसीलों व विभागाध्यक्षों को कार्यालयादेश के माध्यम से निर्देशित किया जायेगा कि वह प्रत्येक माह के द्वितीय शुक्रवार को अपने कार्यालय में सेवानिवृत्त कार्मिकों की समस्या को सुने व निस्तारण कराते हुए कृत कार्यवाही से संबंधित को सूचित करना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अविनाश चन्द्र मौर्य, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) नीरज प्रसाद, वरिष्ठ कोषाधिकारी हरेश कुमार सोलंकी, सहायक कोषाधिकारी अजय तिवारी, गौरव कुमार पाण्डेय लेखाकार एवं मनीष गुप्ता लेखाकार सहित संबंधित अधिकारी एवं पेंशनर्स आदि उपस्थित रहे।

टेल तक पानी पहुंचने की सूचना न देने पर एक्सईएन पर बिफरे डीएम

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- समीक्षा के दौरान छात्रवृत्ति कार्य की प्रगति कम पाए जाने पर डीएम ने सुधार के निर्देश दिए

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में डीएम ने जूम मीटिंग के दौरान कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस कार्य को शीघ्रता से किया जाए जिससे कोई भी गरीब, असहाय, मजबूर ठंड से परेशान न हो। समीक्षा के दौरान छात्रवृत्ति कार्य की प्रगति कम पाए जाने पर संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि वह अपने विद्यालयों से छात्रों की छात्रवृत्ति संबंधी सूचना उपलब्ध नहीं करा रहे हैं।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने अधिशाषी अभियंता सिंचाई (नहर) द्वारा अन्नदाताओं की फसलों की सिंचाई हेतु टेल तक पानी पहुंचने की सूचना तथा फोटोग्राफ उपलब्ध न कराए जाने पर नाराजगी व्यक्त की । हिदायत दी कि टेल तक पानी पहुंचाने व नहर सफाई आदि की सूचना संबंधी डिजिटल डायरी तत्काल उपलब्ध करायें। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान तहसील सदर में लंबित पड़ी जांच आख्या में हो रहे विलंब पर नाराजगी जताई। उप जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि अपनी शिथिल कार्य प्रणाली में बदलाव लाएं और दिए गए दायित्वों का निर्वहन समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करें।

उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में कम प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि लेखपालवार प्रतिदिन किये जा रहे फॉर्मर रजिस्ट्री के कार्य की समीक्षा करते हुए प्रगति बढ़ाएं। जिलाधिकारी ने शासन द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों के क्रम में भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई जी की जयंती अवसर पर 25 दिसम्बर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को समारोह पूर्वक संपन्न किए जाने हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया। जनपद के इंटर कॉलेजों एवं महाविद्यालयों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं के मध्य 18 से 22 दिसम्बर के मध्य इंटर कॉलेजों एवं महाविद्यालयों में एकल काव्य पाठ, भाषण तथा निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जाएं और प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शासन द्वारा निर्धारित धनराशि पुरस्कार स्वरूप तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएं। उन्होंने सभी संबंधितों को निर्देश दिए कि 25 दिसम्बर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को भव्य और आकर्षक ढंग से समारोह पूर्वक किए जाने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कर ली जाएं। साथ ही कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करते हुए विजेता छात्र-छात्राओं को धनराशि, प्रमाण पत्र वितरित करायें जायें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अवशेष मैपिंग के कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराने के लिए ऐसे बीएलओ को चिन्हित करें जिनका कार्य 90 प्रतिशत से कम है।

महिला को घर से निकालने में रिपोर्ट दर्ज

अछल्दा (औरैया)। थाना क्षेत्र से दहेज उत्पीड़न का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता जौली पोरवाल ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग पूरी न होने पर गाली-गलौज, मारपीट, प्रताड़ना और बच्चों सहित घर से निकालने का आरोप लगाया है।

पीड़िता के अनुसार उसका विवाह 23 फरवरी 2008 को कानपुर नगर निवासी मनोज कुमार के साथ हुआ था। आरोप है कि पति, सास-ससुर, ननद, नन्दोई व अन्य ससुरालीजन दान-दहेज से असंतुष्ट रहते हुए पीड़िता के साथ लगातार मारपीट व मानसिक उत्पीड़न करते रहे।

पीड़िता ने बताया कि अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर पीड़िता को बच्चों सहित ससुराल से निकाल दिया गया। शिकायत के बाद उच्चाधिकारियों के समक्ष समझौता भी हुआ, जिसमें जुलाई 2025 के अंतिम सप्ताह में ससुराल ले जाने की बात कही गई थी, लेकिन आरोप है कि 26 जुलाई 2025 को ससुराल पक्ष ने पुनः गाली-गलौज व मारपीट कर पीड़िता और बच्चों को भगा दिया, साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

न्यूज ब्रीफ

गुण्डा एक्ट के तहत 7 को किया जिला बदर

औरैया। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने गुण्डा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 7 लोगों को जिला बदर करने का फरमान जारी किया है। जिसमें जिला बदर किये गये अपराधियों में संजुल कुमार पुत्र राजा सिंह प्रजापति उर्फ रज्जू निवासी सैदपुर थाना अजीतमल, जितेंद्र उर्फ भूरे पुत्र मदन गोपाल निवासी वन का पुरवा थाना फफूंद, प्रदीप सिंह उर्फ प्रदीप चौहान पुत्र हरी सिंह निवासी सुरैधा थाना एरवाकटरा, चांद बाबू पुत्र निजाम निवासी पूर्व रावत थाना सहार, मोहम्मद इमरान पुत्र मोहम्मद रहीश निवासी पूर्व रावत थाना सहार, विकास कुमार यादव पुत्र धीरज सिंह निवासी गौतला थाना अछल्दा एवं मंगल कंजड पुत्र कब्बू उर्फ़ अनिल कंजड निवासी गिहार बस्ती नारायणपुर थाना कोतवाली औरैया को गुण्डा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जिला बदर करने का फरमान जारी किया है। इन सभी अपराधियों पर विभिन्न थानों में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज हैं। जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक को निष्कासन अवधि के दौरान इन पर कड़ी नजर रखने एवं जनपद की सीमा में 06 माह तक प्रवेश न करने के लिए व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

लंबे समय से फरार आरोपी गिरफ्तार

रुरुगंज। बिधूना कोतवाली पुलिस ने एक वारंटी आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। गणेश पुत्र इंदल सिंह सेंगर नामक यह अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा था। आरोपी गणेश थाना बिधूना का निवासी है। उसे बुधवार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राजेश कुमार, हेड कांस्टेबल सुमित कुमार और कांस्टेबल सत्यम शामिल रहे। बिधूना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक महेश बाबू चौहान ने बताया कि वारंटी गणेश फरार चल रहा था, जिसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

एसपी को सौंपा आमंत्रण पत्र

औरैया। परशुराम सेवा समिति औरैया के जिलाध्यक्ष राजमणि तिवारी उर्फ लल्ला तिवारी के नेतृत्व में श्री वीर विजय हनुमान सेवा समिति के साथी सदस्य के साथ, पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती को आमंत्रण पत्र दिया। साथ ही प्रार्थना पत्र देकर पूज्य महाराज की उच्च स्तरीय सुरक्षा की एवं अभियुक्त की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

माता-पिता की स्मृति में वृद्धजनों को वितरित किये वस्त्र

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। मंगलवार को सदर विकासखण्ड के ग्राम आनेपुर स्थित वृद्धाश्रम में ग्राम कखावतू निवासी समाजसेवी एवं शासकीय अधिवक्ता कैलाश शुक्ल ने अपने स्वर्गीय पिता रामदत्त शुक्ल की स्मृति तथा माता कमला देवी की पुण्यतिथि के अवसर पर विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया।

वृद्ध जनों को ऊनी कपड़े वितरित करते लोग। अमृत विचार

कार्यक्रम के अंतर्गत वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों को ठंड से राहत देने हेतु ऊनी वस्त्र वितरित किए गए तथा स्वल्पाहार कराकर उनका हालचाल जाना गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने बुजुर्गों से संवाद कर उनके स्वास्थ्य, दैनिक आवश्यकताओं और सुविधाओं की जानकारी ली। सेवा और संवेदना से परिपूर्ण इस आयोजन में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने इसे प्रेरणादायी बताते हुए समाज के अन्य वर्गों से भी ऐसे मानवीय प्रयासों में सहभागिता की अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजसेवी व शासकीय अधिवक्ता कैलाश शुक्ल ने कहा, मेरे पूज्य पिता स्वर्गीय रामदत्त शुक्ल और माता कमला देवी ने सदैव सेवा, करुणा और सामाजिक दायित्व का पाठ पढ़ाया। उन्हीं संस्कारों से प्रेरित होकर आज वृद्धजनों की सेवा का अवसर मिला है। बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं, उनकी जरूरतों का ध्यान रखना और उन्हें सम्मान देना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर किए जाएंगे। इस दौरान मौजूद लोगों ने वृद्धाश्रम प्रबंधन के प्रयासों की सराहना करते हुए बुजुर्गों के स्वास्थ्य एवं सुखद जीवन की कामना की। वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों ने आयोजित सेवा कार्यक्रम के लिए समाजसेवी व शासकीय अधिवक्ता कैलाश शुक्ल के प्रति आभार व्यक्त किया। बुजुर्गों ने कहा कि ठंड के मौसम में ऊनी वस्त्र और स्वल्पाहार की व्यवस्था से उन्हें काफी राहत मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल भौतिक सहयोग प्रदान करते हैं, बल्कि बुजुर्गों के प्रति समाज की संवेदनशीलता और सम्मान की भावना को भी सशक्त करते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं भाजपा नेता अनंगपाल सिंह तोमर, डीजीसी क्रिमिनल अभिषेक मिश्रा, एडीजीसी रमेश मिश्रा, अनुसूचित जाति आयोग की सदस्य नीरज गौतम, भाजपा विधि प्रकोष्ठ संयोजक शिवम शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

वैश्य एकता परिषद की बैठक का हुआ आयोजन

औरैया। अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद की बैठक परिषद के जिलाध्यक्ष विपिन कुमार पोरवाल की अध्यक्षता में श्री गोपाल वाटिका नरायनपुर में हुई।

बैठक में संगठन को गतिशील बनाकर उसके विस्तार पर जोर दिया गया। परिषद के जिला महामंत्री नरेश शिवहरे ने कहा कि शीघ्र ही जिला भ्रमण के उपरांत सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंप जाएगी। जिला प्रभारी आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि वर्तमान परिवेश में समाज के लोगों को संगठित रहने की जरूरत हैं। एकता के बल पर ही समाज के लोगों को सम्मान व राजनैतिक हिस्सेदारी मिलेगी। सामाजिक जनसंपर्क के अभाव में समाज के योग्य अविवाहित बच्चों का विवाह अभिभावकों के सामने एक बड़ी चुनौती हैं, जनसंपर्क के माध्यम से इसका भी निदान संभव है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही औरैया में जनपद स्तरीय वैश्य महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। बैठक में महिला जिलाध्यक्ष पूनम पुरवार में कहा कि वैश्य समाज की महिलाओं की एकता के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। बैठक का संचालन आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट ने किया जबकि बैठक में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष आशा गुप्ता, राष्ट्रीय संरक्षक रमन पोरवाल, राष्ट्रीय मंत्री विनय पुरवार समेत कईलोग मौजूद रहे।

जांच पड़ताल करती पुलिस। अमृत विचार

बंबा किनारे अधेड़ का शव मिला, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगी मौत के कारणों की पुष्टि परिजनों में मचा कोहराम

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के कोठीपुर रजवाहा अंतर्गत सेहुदपुर बिहारी मार्ग पर बुधवार सुबह बंबा किनारे खेत में एक अधेड़ का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की।

बुधवार सुबह सेहुदपुर बिहारी मार्ग पर खेतों में पानी लगाने गए किसानों ने कोठीपुर बंबा किनारे पटरी पर एक अधेड़ का शव पड़ा देखा। वह जमीन पर बिछे गमछे पर पड़ा था और उसके मुंह में झाग लगा था। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और जांच पड़ताल की। जानकारी पर मृतक के परिजन भी वहां पहुंच गए और उन्होंने शव की पहचान 50 वर्षीय जितेंद्र उर्फ संजू ठाकुर निवासी गांव कुठर्रा के रूप में की। परिजनों ने बताया कि जितेंद्र मंगलवार सुबह करीब 11 बजे घर में चल रहे निर्माण कार्य के लिए खिड़की और दरवाजे लेने फफूंद जाने की बात कहकर घर से निकले थे। लेकिन, देर शाम तक वापस नहीं लौटे।

काफी खोजबीन के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो डायल 112 पर पुलिस को भी सूचना दी लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक का पुत्र धीरू सूरत में नौकरी करता है, जिसे घटना की जानकारी दे दी गई है। प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश पाल ने बताया कि कोई जहरीला पदार्थ खाने से मौत की आशंका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कारण स्पष्ट हो सकेगा। जांच की जा रही है।

सुंदरकांड पाठ करते संगठन के पदाधिकारी। अमृत विचार

जैतपुर के काली माता मंदिर में किया गया सुंदरकांड का पाठ

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

अमृत विचार। हिन्दू युवा मोर्चा की ओर से पांचवां सुंदर काण्ड का आयोजन काली माता मंदिर जैतपुर में किया गया।

इसमें हिन्दू युवा मोर्चा संघ के सभी पदाधिकारी, सदस्य व पूरे फफूंद नगर व समस्त क्षेत्रीय जनता व समाज के लोग मौजूद रहे। सुंदरकांड पाठ तीन बजे से प्रारंभ होकर शाम तक चलता रहा। इस मौके पर बाल कृष्ण मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष हिंदू युवा मोर्चा संघ, गौरव श्रीवास्तव प्रदेश संगठन महामंत्री, विनोद कोस्ठा, अनिल कुशवाहा, विनोद तिवारी, अमित पाठक, अशोक कुमार, निखिल शुक्ला, विजय कुमार दुबे, अनिल कुमार दुबे, प्रगत मिश्रा, विवेकानंद त्रिपाठी , अनुराग धनगर, रामदास रावत, पुत्तन पाठक, आदि मौजूद रहे।

आयोग की सदस्य ने सुनीं समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। महिला उत्पीड़न जैसे मामलों की रोकथाम एवं महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने के उद्देश्य से उप्र राज्य महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता ने विकास भवन सभागार में महिला जनसुनवाई करते हुए पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को सुना।

विकास भवन सभागार में पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को सुनतीं राज्य महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता। अमृत विचार

राज्य महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता ने महिलाओं की समस्याओं को सुनकर निस्तारण व समस्याओं के समाधान किये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने ऊपर हो रहे किसी भी प्रकार के अत्याचार को बर्दास्त न करें। महिला आयोग महिलाओं की समस्याओं के निस्तारण के लिए उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सभी बहन-बेटियों के मान सम्मान को बनाये रखने के लिए उनकी सुरक्षा हेतु 1090, 181, 1076, 112, 102, 1098, 108 का संचालन कर रही है। यदि कोई भी व्यक्ति किसी भी महिला एवं बालिका के मान सम्मान को ठेस पहुंचाने की कोशिश करता है तो वह बे-झिझक इन टोल फ्री नम्बर का उपयोग कर शिकायत कर सकती हैं।

यदि उनको समय से न्याय नहीं मिलता है तो वे राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज करा सकती हैं। ऐसे प्रकरणों पर निश्चित ही महिला आयोग से समस्या से पीड़ित महिलाओं व बालिकाओं को न्याय मिलेगा। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सृष्टि सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजीव कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र त्रिपाठी, जिला प्रोबेशन अधिकारी अशोक कुमार, श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रदीप कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं पीड़ित महिलाएं आदि मौजूद रहीं।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

खेलकूद

खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है, खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास का होता विकास : रेखा वर्मा

भारोत्तोलन में पब्लिक इंटर कॉलेज के छात्रों ने मारी बाजी

संवाददाता, बिधूना (औरैया)

अमृत विचार। युवा कल्याण विभाग द्वारा विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन बुधवार को खेल स्टेडियम बढौन में कराया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक रेखा वर्मा एवं उपजिलाधिकारी बिधूना गरिमा सोनाकिया ने किया।

प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए विधायक ने कहा कि खेल से शरीर एवं मन दोनों का विकास होता है। खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है, जिससे अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। विधायक खेल स्पर्धा में एथलेटिक्स, वॉलीबाल, कबड्डी, खोखो, एवं भारोत्तोलन की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वॉलीबाल सब जूनियर में अर्पित यादव की टीम विजेता रही वहीं अभिनव गुप्ता की टीम उपविजेता। कबड्डी में बिधूना की टीम विजेता रही। 100 मीटर दौड़ में संगम प्रथम, नव्या द्वितीय एवं सोनी ने तीसरा स्थान पाया। धीरज प्रिंस एवं रुद्र ने भी दौड़ में स्थान पाया। वहीं खो- खो में असजना की टीम ने भटौली की टीम को हरा के प्रथम स्थान पाया। कबड्डी में विजेता दिलीपपुर वहीं उपविजेता बिधूना रही। भारोत्तोलन में पब्लिक इंटर कालेज बिधूना के छात्रों ने बाजी मारी। कुश्ती की प्रतियोगिता का आयोजन कल 18 दिसम्बर को कराया जाएगा।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभाग करते खिलाड़ी। अमृत विचार

प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए बेसिक शिक्षा विभाग से मुकुल यादव, शशांक पाल, गोपाल गुप्ता, मो. फजल, रामदुलार वर्मा रहे वहीं माध्यमिक शिक्षा विभाग से अरविंद गौतम एवं अवधेश तिवारी निर्णायकों के रूप में रहे। प्रांतीय रक्षक दल से नीरज, हरगोविंद, जयनारायण, महेश, ब्रजनंदन आदि लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

धर्म परिवर्तन कराने में मौलवी गिरफ्तार

राठ। किशोरी के धर्म परिवर्तन कराने के मामले में एक वांछित को गिरफ्तार किया गया है। मझगवां थाना प्रभारी आशुतोष सिंह ने बताया कि महोबा जनपद के जैतपुर (बेलाताल) का 60 वर्षीय जब्बार उर्फ हाफिज जी उर्फ मौलवी 19 जुलाई को मझगवां थाने में दर्ज हुए मुकदमे में वांछित चल रहा था। पुलिस ने धर्म परिवर्तन के मामले में जब्बार उर्फ हाफिज जी उर्फ मौलवी को बेलाताल में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

मनरेगा के मुद्दे पर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

मौदहा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम निरस्त करने पर कांग्रेसियों ने विरोध प्रदर्शन किया। नगर अध्यक्ष अहमद हसन के नेतृत्व में गांधी पार्क पर कांग्रेसियों ने मौन रहकर विरोध जताया। नगर अध्यक्ष अहमद हसन ने कहा कि जब तक भाजपा सरकार इस योजना को पुनः लागू नहीं करती, तब तक यह विरोध प्रदर्शन चलता रहेगा। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी मोहम्मद जाकिर, गुलाम मुर्तजा सलीम मजदूर, विवेक चंद्र, राजेश सोनी, राम खेलावन, जाहिद मसूद व निहाल उद्दीन आदि रहे।

आर्य समाज मंदिर को बचाने की उठाई मांग

राठ। कस्बे के आर्य समाज मंदिर भवन को बचाने की मांग को लेकर बुधवार को जिला आर्य उप प्रतिनिधि सभा ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। सभा के प्रधान दिनेश चंद्र आर्य के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि वार्ड 25 कोट बाजार मुहाल चौबट्टा में भवन संख्या 416 में आर्य समाज मंदिर स्थित है, जिस पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर ध्वस्त करने का षड्यंत्र किया जा रहा है। भवन के दाहिने ओर का कुछ हिस्सा ध्वस्त कर दिया गया है। नीम के पेड़ को गिराया जा रहा है। उन्होंने आर्य समाज मंदिर के भवन को संरक्षित करने की मांग की है।

जेवर-नकदी लेकर प्रेमी संग गई युवती

राठ। कस्बे के अतरौलिया इलाके के एक व्यक्ति ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 11 नवंबर की मध्य रात्रि उसकी 19 वर्षीय पुत्री बउआ नाम के युवक के साथ चली गई। उसकी पुत्री घर से 7 हजार रुपये व सोने-चांदी के जेवरात भी अपने साथ ले गई है। आशंका है कि उक्त युवक उसकी पुत्री के साथ कोई अप्रिय घटना न कर दें। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क का विधायक ने किया लोकार्पण

हमीरपुर। नगर के वार्ड नंबर 8 टीचर्स कालोनी में मंडरलता सचान के घर से प्रियंका सिंह के घर तक लगभग 105 मीटर लंबी सड़क वर्षों से दलदल में तब्दील थी। इसके निर्माण को लेकर लोगों ने सदर विधायक मनोज प्रजापति से मांग की थी। विधायक ने बुंदेलखंड विकास निधि (जिलांश) से बजट पास करवाकर यूपीपीसीएल कानपुर से इस का निर्माण कराया। बुधवार को सदर विधायक ने इसका लोकार्पण किया। इस दौरान दीनू सिंह, सौरभ चतुर्वेदी, गौरव सहित आधा दर्जन टीचर्स मौजूद रहे।

बीडीओ ने विद्यालयों का किया निरीक्षण

कुरारा। क्षेत्र के चकोठी प्राथमिक विद्यालय का बुधवार को बीडीओ शिवनारायण कश्यप ने निरीक्षण किया, जहां उन्हें 102 बच्चों के सापेक्ष 69 बच्चे मिले। मिड डे मील में तहरी बांटी गई थी। गंदगी मिलने पर उन्होंने सफाई के निर्देश दिए। इंचार्ज प्रधानाचार्य छुट्टी पर थे। शिक्षामित्र मौके पर मिले। रिठारी के प्राथमिक विद्यालय में 102 बच्चों के सापेक्ष 74 बच्चे उपस्थित मिले। एक बच्चे से 17 का पहाड़ा पूछा तो नहीं सुना सका। जब दूसरे बच्चे से पहाड़ा पूछा गया तो उसने सुनाया।

युवती को बहलाकर ले जाने की रिपोर्ट

मौदहा। बिवांर थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने थाने में दी तहरीर में बताया कि बीते 15 दिसंबर की रात उसकी बहन को कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पिपरौंदा निवासी भोला पुत्र हरप्रसाद बहला फुसला कर कहीं भगा ले गया है। जिसमें उसके भाई करण और अंकित तथा मां नर्वदा देवी का पूरा सहयोग है। पीड़ित ने अपनी बहन के साथ किसी अनहोनी की आशंका जताई है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चारों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिता ने बेचा 6 बीघा खेत एकलौते बेटे ने दी जान

सुमेरपुर थाना क्षेत्र के बरुआ गांव के नलकूप में लगाई फांसी

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

- एक सप्ताह पहले खेत बेचने से नाराज था एकलौटा बेटा
- 3 साल पहले 2 बीघे खेत बेचकर खरीदी थी बोलेरो गाड़ी

अमरीश निषाद।

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के बरुआ गांव में पिता ने छह बीघा खेती की जमीन बेची तो नाराज एकलौते पुत्र ने निजी नलकूप में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। एक सप्ताह पहले खेत बेचे जाने के बाद से बेटा डिप्रेशन में था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूरे मामले की छानबीन की। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

बरुआ गांव के रहने वाले सत्यनारायण निषाद के पास करीब 16 बीघा खेतिहर जमीन थी। इसमें से तीन वर्ष पूर्व दो बीघा जमीन बेच कर एकलौते पुत्र अमरीश (34) को बोलेरो गाड़ी खरीदकर दी थी। अमरीश इसी गाड़ी को चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। अमरीश की पत्नी पुष्पा ने बताया कि ससुर सत्यनारायण ने एक हफ्ते पहले छह बीघा जमीन बेच दी थी। इसी के बाद से उसके पति अमरीश गुमशुम सा रह रहे थे। शायद पिता की इसी हरकत से नाराज होकर उन्होंने आत्मघाती कदम उठाया और अपने निजी नलकूप में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आत्महत्या के बाद अमरीश की पत्नी पुष्पा देवी, पुत्री गौरी, पुत्र आदित्य और अनिकेत रोते-बिलखते रहे। अमरीश दो बहनों के बीच एकलौता भाई था और बोलेरो गाड़ी चलाने के साथ खेती-बाड़ी में पिता का हाथ बंटाता था। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा रहा। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। अगर कोई तहरीर मिलती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

लोकतंत्र सेनानियों को एसी बसें भी अनुमन्य

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने लोकतंत्र सेनानियों को एक सहयोगी के साथ परिवहन निगम की एसी बसों में यात्रा की सुविधा दी है। मुख्यालय की ओर से सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को पत्र जारी कर सभी बसों में सहयोगी के साथ यात्रा सुविधा देने का आदेश जारी किया है।

परिवहन निगम की एसी वोल्वो तथा प्लेटिनम बसों सहित साधारण बसों में लोकतंत्र सेनानी एक सहयोगी के साथ यात्रा करने के लिए पात्र है। पत्र में कहा गया है कि शिकायतें प्राप्त हुई हैं कि एसी बस वाले लोकतंत्र सेनानियों को यात्रा करने में परेशानी उत्पन्न करते है। अतः भविष्य में यह सुनिश्चित किया जाए कि लोकतंत्र सेनानियों को परिवहन विभाग की सभी प्रकार की बसों में एक सहयोगी के साथ यात्रा में किसी प्रकार की कठिनाई न होने पाए। लोकतंत्र सेनानी समिति के प्रांतीय उपाध्यक्ष चंद्रपाल सचान तथा देवी प्रसाद गुप्ता ने परिवहन निगम के इस आदेश का स्वागत करते हुए सराहना की है।

बस का शीशा तोड़कर बेटों की जान बचाई, खुद जिंदा जल गई

मथुरा हादसा

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसे में नौरंगा गांव की महिला की मौत
- बच्चों को खिड़की से बाहर फेंका खुद बाहर नहीं निकल पाई मां
- लींगा गांव के दो युवक गंभीर रूप से घायल, सामान भी जल गया

अमृत विचार। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तहसील क्षेत्र के नौरंगा गांव की एक महिला की मौत हुई है। उसने अपने दोनों बेटों की जान बचा ली, मगर खुद बस से नहीं निकल पाई और जिंदा जल गई। वहीं इसी हादसे में कोतवाली क्षेत्र के लींगा गांव निवासी दो युवक भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों युवक मजदूरी करने के लिए स्लीपर बस में सवार होकर दिल्ली जा रहे थे।

मथुरा के यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। हादसे के दौरान एक मां ने ममता की ऐसी मिसाल पेश की, जिसे सुनकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। क्षेत्र के नौरंगा गांव निवासी पार्वती (42) ने अपने दोनों बच्चों को जलती बस से बाहर फेंक दिया। उसने अपने बच्चों की जान तो बचा ली, लेकिन खुद उस आग के दरिया से बाहर नहीं निकल सकी और उसकी मौत हो गई।

क्षेत्र के नौरंगा गांव की रहने वाली पार्वती अपने बच्चों प्राची और शनि के साथ नोएडा से पति गोविंद के पास से लौट रही थी। सफर सामान्य चल रहा था, किसी को अंदेशा नहीं था कि कुछ ही पलों में जिंदगी मौत में बदल जाएगी। अचानक बस की टक्कर हुई और देखते ही देखते उसमें आग लग गई। चारों ओर चीख-पुकार मच गई।

धुएं और लपटों के बीच पार्वती ने मां होने का फर्ज निभाया। उसने बस का शीशा तोड़ा और किसी तरह अपने दोनों बच्चों को बाहर निकाल दिया। बच्चों को सुरक्षित देखकर उन्हें शायद पल भर का सुकून मिला, लेकिन उसी दौरान कांच का टुकड़ा उनके गले में फंस गया। आग और धुएं के बीच वह बस से बाहर नहीं निकल सकीं।

वहीं इसी हादसे में कोतवाली क्षेत्र के लींगा गांव के रहने वाले ऋषिकांत गुप्ता पुत्र सुखलाल गुप्ता और अनिल अहिरवार भी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दोनों युवक मजदूरी करने के लिए स्लीपर बस में सवार होकर गुड़गांव और दिल्ली जा रहे थे। अग्निकांड में दोनों युवकों के बैग, मोबाइल फोन और पूरा सामान भी जलकर राख हो गया है। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 13 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 70 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं।

कलेक्ट्रेट सभागार में पेंशनर दिवस का आयोजन हुआ। अमृत विचार

एक माह में दूर होंगी पेंशनर्श की दिक्कतें

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) विजय शंकर तिवारी की अध्यक्षता में 11वें पेंशनर दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ कोषाधिकारी श्रवण कुमार सिंह ने समस्त पेंशनर संगठन के प्रतिनिधियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

गवर्नमेंट वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन के जिलाध्यक्ष तेज बहादुर मिश्रा व सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन उप्र के जिलाध्यक्ष श्यामचरण साहू के नेतृत्व में पेंशनरों की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को दिया गया। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को एक माह अंदर शिकायतों को निस्तारित करने के निर्देश दिए। इस मौके पर सहायक कोषाधिकारी कौशल किशोर मिश्र, लेखाकार पवन कुमार, अभिराम तिवारी, प्रेमी प्रजापति एवं रोकड़िया अनूप सचान सहित विभागों के अधिकारी और लगभग 150 पेंशनर उपस्थित रहे।

मंदिर से हनुमान जी की मूर्ति गायब

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

- मंदबुद्धि युवक को हिरासत में लेकर चल रही पूछताछ
- सीओ बोले, जल्द ही बरामद की जाएगी हनुमान जी की मूर्ति

न्यूरिया गांव में मामले की जांच-पड़ताल करती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार। गांव के बाहर बने हनुमान मंदिर से मूर्ति गायब होने से हड़कंप मच गया। ग्राम प्रधान की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एक मंदबुद्धि को हिरासत में लेकर करीब दो घंटे तक पूछताछ की, उसने पुलिस को जमकर छकाया। वहीं मौके पहुंचे मौदहा सीओ ने भी मामले की तहकीकात की।

थाना क्षेत्र के न्यूरिया गांव के बाहर कुनहेटा गांव की ओर हनुमान जी का मंदिर तालाब के किनारे स्थापित है, जिसमें गांव का बिल्लू पुजारी का कार्य करता है। बुधवार को सुबह साफ सफाई के लिए मंदिर पहुंचा तो हनुमान जी की करीब तीन फुट पत्थर की मूर्ति गायब मिली। मूर्ति गायब देखकर पुजारी हक्का-बक्का रह गया। पुजारी ने इस घटना की सूचना ग्राम प्रधान सहित लोगों को दी। प्रधान की सूचना पर मौके पर थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति, चौकी प्रभारी रवींद्र कुमार पुलिस बल सहित पहुंचे। वहीं सूचना पर मौदहा सीओ राजकुमार पाण्डेय भी पहुंच गए। सीओ गांव में घूम घूम कर लोगों से पूछताछ करते रहे। जिस पर जानकारी हुई है कि गांव निवासी राम बहादुर पुत्र स्वामी दिन कुछ साल पहले शंकर जी की मूर्ति को खंडित कर चुका है। उसके घर जाकर देखने पर उसके कपड़ों में सिंदूर लगा मिला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर मूर्ति बरामद का दबाव डालने लगी। जिस पर उसने पुलिस को दो घंटे तक गुमराह करके रखा। कभी मूर्ति तालाब में गिर जाने, तो कभी मंदिर में वापस रख देने की बात कर गुमराह करता रहा। पुलिस उसको गिरफ्तार कर थाना ले आई है। ग्राम प्रधान कन्हैया दीक्षित ने बताया कि मंदिर की स्थापना करीब 30 वर्ष पहले की गई थी। मौदहा सीओ राजकुमार पाण्डेय ने बताया कि मंदबुद्धि से पूछताछ की जा रही है। अभी तक मूर्ति बरामद नहीं की जा सकी है। मूर्ति की खोज जारी है, जल्द ही मूर्ति बरामद कर पुन स्थापित की जाएगी।

यमुना एक्सप्रेस-वे हादसे में घायल युवक की मौत

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

- अपनी पत्नी के साथ दिल्ली जा रहा था बिवांर का उस्मान

उस्मान।

अमृत विचार। यमुना एक्सप्रेस वे हादसे में घायल हुए कस्बे के एक व्यक्ति की मौत हो गई। वह पत्नी के साथ दिल्ली जा रहा था। बुधवार को शव गांव आते ही परिवार में कोहराम मच गया।

रविवार को क्षेत्र से 7 लोग डबल डेकर बस से नोएडा (दिल्ली) जा रहे थे। इनमें कस्बा निवासी उस्मान (50) पुत्र जाकिर पत्नी नसीमा के साथ दिल्ली जा रहा था। वहीं भरखरी के अजय कुमार पुत्र ओमप्रकाश अपनी पत्नी प्रियंका, उमरी का संदीप पुत्र वरदानी, सुर्जन पुत्र दुर्जन, सुखदेवी पत्नी सुखराम भी बस से दिल्ली के लिए निकले थे। बस जैसे ही यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल्ड स्टोन 127 में पहुंची, तभी घने कोहरे में बस डिवाइडर से टकरा गई। वहीं बस के पीछे चल रहे एक दर्जन से अधिक वाहन की आपस में टक्कर हो गई है। जिससे डबल डेकर बस में आग लग गई। जिसमें पांच लोग घायल हुए थे, उस्मान और सुखरानी को गंभीर चोट आई थी। जिनका इलाज मथुरा में चल रहा था। जहां से अजय व प्रियंका को डिस्चार्ज कर दिया गया था। जबकि उस्मान, संदीप, सुर्जन, नसीमा, सुखरानी का इलाज चल रहा था। उस्मान की हालत गंभीर होने पर आगरा के लिए रेफर किया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। उस्मान दो भाइयों में सबसे बड़ा था, जो दिल्ली में रहकर मजदूरी करता था। मृतक अपने पीछे पत्नी दो पुत्र दो पुत्रियों को रोते-बिलखते छोड़ गया है। बुधवार की शाम करीब सात बजे उसका शव गांव लाया गया है।

संसार एक सुंदर बगीचा

पौथिया के झाड़ू बाबा मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन बुधवार को गुरुकुल हरिद्वार से आईं कथावाचक नीतम ज्योति शास्त्री ने भगवान के चौबीस अवतारों की कथा के साथ-साथ समुद्र मंथन की रोचक एवं सारगर्भित कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि यह संसार भगवान का एक सुंदर बगीचा है। यहां चौरासी लाख योनियों के रूप में भिन्न-भिन्न प्रकार के फूल खिले हुए हैं। जब कोई अपने गलत कर्मों से इस संसार रूपी प्रभु के बगीचे को नुकसान पहुंचाने की चेष्टा करता है, तब तब भगवान इस धराधाम पर अवतार लेकर सज्जनों का उद्धार और दुर्जनों का संघार करते हैं। इस मौके पर महिलाओं, पुरुषों की खासी भीड़ उपस्थित रही। यहां बीर सिंह निषाद, लल्लू महाराज, शिवकुमार निषाद, होरीलाल, राम खिलावन, कामता प्रसाद साहू, मलखान सिंह यादव रामबाबू तिवारी, बब्बुल शर्मा आदि श्रद्धालु रहे। ● अमृत विचार

वनरक्षक की बिगड़ी तबीयत, थमीं सांसें

राठ। तहसील क्षेत्र के सिकरौधा गांव में एक वनरक्षक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मझगवां थाना क्षेत्र के सिकरौधा निवासी राकेश (55) पुत्र छोटेलाल वन विभाग में फॉरेस्ट गार्ड था। बुधवार सुबह राकेश की तबीयत अचानक खराब हो गई। परिजन उन्हें पहले एक निजी अस्पताल और फिर सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि राकेश मल्हेटा के जंगलों में ड्यूटी पर थे। उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई है। पत्नी विनोद, पुत्र राजेंद्र सिंह और भाई नरपत आदि परिजन रोते-बिलखते रहे। मझगवां थानाध्यक्ष आशुतोष सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

भाकियू ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

कलेक्ट्रेट के गोल चबूतरे के पास एकत्र भाकियू के पदाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। किसानों की अहम समस्याओं को लेकर भाकियू अराजनीतिक ने बुधवार को कलेक्ट्रेट के गोल चबूतरे में मासिक पंचायत की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री से सम्बोधित ज्ञापन अतिरिक्त एसडीएम को सौंपा है।

भाकियू जिलाध्यक्ष शिवपूजन निषाद की अगुवाई में दिए ज्ञापन में उन्होंने माह के तीसरे बुधवार को होने वाली वाले किसान दिवस को कुरारा कृषि विज्ञान केंद्र की जगह कलेक्ट्रेट या विकास भवन में कराने, मुस्करा- मौदहा ब्लाक के गांवों में जंगली जानवरों से फसलों को बचाने की है। यहां सुनील त्रिपाठी, पारस सैनी, बबलू कुशवाहा, शिवकरन, रज्जू कुशवाहा, निर्मला, सोना, भूपेंद्र सिंह भदौरिया, श्याम सुन्दर, रामफल, कुशवाहा, बलवीर वर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खाद की कालाबाजारी का लगाया आरोप

हमीरपुर। क्षेत्रीय सहकारी समिति इंगोहटा से जुड़े किसानों ने सभापति शिवशंकर गुप्ता को शिकायती पत्र सौंपकर खाद की कालाबाजारी करने का आरोप लगाया है। खातेदार शिवपाल, सीताराम, मुन्ना, निर्देश सिंह, मैयादीन, रामकिशोर, रामस्वरूप, राकेश, अजय दीक्षित आदि ने बताया कि उनकी पासबुक दो महीने से आंकिक सुरेंद्र कुमार तिवारी ने जमा कर रखी है, लेकिन उन्हें खाद नहीं दी जा रही है। बिना खाताधारक किसानों को नकद बेची जा रही है। समिति का एक पल्लेदार गोदाम से खाद निकलवा कर कालाबाजारी कर रहा है। किसानों ने सभापति से समस्या दूर कराने की मांग की है। समिति के सचिव समीर सचान का कहना है कि खाताधारक किसानों को ही खाद दी जा रही है, कालाबाजारी का आरोप बेबुनियाद है।

बहुरेंगे दिन | जिले के प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद ने पूजन कर पुनरुद्धार की शुरुआत कराई

चंद्रावल नदी में 68 किलोमीटर तक होगा पुनरुद्धार

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

चंद्रावल नदी के पुनरुद्धार के लिए पूजन करते प्रभारी मंत्री। अमृत विचार

जेसीबी से नदी के किनारे की सिल्ट हटाने का काम शुरू हुआ। अमृत विचार

अमृत विचार। जिले की चंद्रावल नदी का पुनरुद्धार का कार्यक्रम जलोदय जल अभियान के तहत पढ़ोरी गांव से किया गया है। इस मौके पर प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद एवं जिलाधिकारी घनश्याम मीना सहित अन्य लोगों ने फावड़ा चला कर काम की शुरुआत की।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन के तमाम सभी संबंधित विभागों, स्थानीय उद्यमियों, खनन पट्टाधारकों एवं स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग लिया जा रहा है। इसमें प्रशासन का उद्देश्य जन सहयोग के माध्यम से नदी को पुनर्जीवित कर जल संकट का स्थायी समाधान निकालना है। जिलाधिकारी ने बताया है कि चंद्रावल नदी के कुल 68 किलोमीटर का पुनरुद्धार किया जाएगा। जिसकी शुरुआत बुधवार को पढ़ोरी से हुई है। यह कार्य जन सहयोग से साथ कराया जा रहा है। जिसमें ग्राम पंचायतों, स्थानीय उद्योगपतियों और खनन पट्टाधारकों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

इसमें नदी की गहराई और चौड़ाई में एकरूपता रखी जाएगी, सिल्ट को उपयुक्त स्थानों पर पैच में लगाया जाएगा। घाटों का सौंदर्यीकरण और वृक्षारोपण भी किया जाएगा। इसके दूरगामी और सकारात्मक परिणाम होंगे। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत, भाजपा जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद, सदर विधायक डॉ.मनोज कुमार प्रजापति, मौदहा ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि लालाराम निषाद सहित क्षेत्र के सभी प्रधान और समाजसेवी मौजूद रहे हैं। प्रभारी मंत्री ने जिलाधिकारी के इस अभियान की सराहना की है।

घर जा रही वृद्धा की तेज रफ्तार वाहन ने ली जान

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- राठ कोतवाली क्षेत्र के धनौरी गांव में खेत से लौट रही थी महिला

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के धनौरी गांव में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने खेत से घर जा रही 62 वर्षीय एक वृद्धा को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही मृतका के परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक महिला के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

क्षेत्र के धनौरी गांव निवासी तुलसारानी (62) पत्नी दयाशंकर कुशवाहा जो कि खेत पर वापस अपने घर जा रही थी तभी रास्ते में धनोरी मंडी के पास अचानक तेज रफ्तार एक अज्ञात वाहन ने महिला तुलसा रानी को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे हुए हादसे में वृद्ध महिला तुलसा रानी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे मौके पर पहुंचे लोगों के द्वारा आनन फानन में कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से मृतका के परिवार में कोहराम मचा गया। पुत्र नारायण कुशवाहा सहित अन्य परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मामले में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बलिदानी स्मारक से निकाली गई पदयात्रा

महोबा। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एकता पदयात्रा निकाली गई। मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य गीता शाक्य ने लौह पुरुष के जीवन पर प्रकाश डाला। पदयात्रा का शुभारंभ बलिदानी राकेश चौरसिया स्मारक से सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया गया। यात्रा झलकारीबाई चौराहा, उदल चौक, मार्केट, पुराना व रोज़वेज बस स्टैंड होते हुए विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में संपन्न हुई। यहां गीता शाक्य ने कहा कि यह पदयात्रा सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि श्रेष्ठ भारत की उस भावना का प्रतीक है, जिसे लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपने कर्मों से साकार किया। पदयात्रा में लोगों ने शामिल होकर सिद्ध किया है कि एकता की ज्योति आज भी हर भारतवासी के हृदय में प्रज्वलित है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों जिला प्रभारी संजीव श्रंगऋषि, विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर, व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष भागीरथ नागायच, सदर विधायक राकेश गोस्वामी, हमीरपुर कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष चक्रपाणि त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

फसल बीमा घोटाले में चार गिरफ्तार

महोबा। प्रधानमंत्री फसल बीमा पोर्टल पर कूटरचित दस्तावेज लगाकर बीमा फर्जीवाडा में वांछित चार अभियुक्तों चरखारी पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। बुधवार को थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह की गठित टीम के उपनिरीक्षक विशाल बाजपेई, उपनिरीक्षण संजय कुमार सिंह ने मय हमराह कांस्टेबल दीपेन्द्र यादव निशान्त पटेल, अजय यादव, पंकज कुमार व हेड कांस्टेबल श्यामकिशोर के साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित फर्जीवाड़े के मामले में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 202/2025 धारा 318(4)/338/336(3) बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अरविन्द यादव पुत्र राजासिंह निवासी कोटरा महोबकंठ, श्यामलाल सेन पुत्र रामरतन सेन निवासी मोहल्ला रोशनपुरा चरखारी, बृजगोपाल अरजरिया पुत्र भगवानदास निवासी ग्राम छतरवारा व .निखिल चतुर्वेदी पुत्र माताचरण चतुर्वेदी निवासी ऐदलपुर पोस्ट पर्वतपुर थाना जालौन को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

महोबा। महोबकंठ पुलिस ने दो अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। इनमें एक अभियुक्त वारंटी था जबकि दूसरा अवैध तमंचा व जिन्दा कारतूस लिए पाया गया। थानाध्यक्ष महोबकंठ विनोद कुमार की बनाई गई पहली पुलिस टीम के उपनिरीक्षक सुरेश कुमार मय हमराह कांस्टेबल मनोज कुमारव साहब सिंह यादव के नेतृत्व में अभियुक्त राघुवेन्द्र अरजरिया (18) उर्फ भज्जू पुत्र रामकुमार निवासी ग्राम रजौनी को एक अवैध देशी तमंचा 315 बोरव एक कारतूस 315 ग्राम तेलीपहाड़ी के पास से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार दूसरी टीम के उपनिरीक्षक बृजेश चतुर्वेदी कांस्टेबल सुधीर कुमार के नेतृत्व में वांरटी अभियुक्त जयपाल वर्मा पुत्र प्यारेलाल वर्मा (52) निवासी ग्राम सौरा को न्यायालय अतिरिक्त सिविल जज जूनियर डिविजन द्वारा निर्गत गिरफ्तारी वारंट के अनुपालन में अभियुक्त गिरफ्तार किया गया। दोनो अभियुक्तों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई कर न्यायालय के समक्ष पेशी के लिए भेजा गया है।

पर्यटन हब के रूप में संवारा जाएगा चरखारी

संवाददाता, चरखारी (महोबा)

अमृत विचार। प्रदेश सरकार के नगर विकास, शहरी समग्र नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन विभाग के राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश कुमार राठौर (गुरु) के पहली बार चरखारी आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस मौके पर राज्यमंत्री ने कस्बे की सुंदरता को देखते हुए पर्यटन का प्रमुख केंद्र बताते हुए वहां का समुचित विकास कराए जाने का लोगों को आश्वसन भी दिया।

कार्यक्रम में बोलते राज्यमंत्री राकेश कुमार राठौर। अमृत विचार

राज्यमंत्री ने कहा कि मंगलगढ़ दुर्ग में पर्यटन विकास के लिए रूपरेखा तैयार कर ली गई है। शीघ्र ही चरखारी पर्यटन हब बनेगा। महोबा से लखनऊ जाते समय यहां पहुंचे राज्यमंत्री ने कहा कि चरखारी के विकास पर पूर्व की सरकारों ने कोई ध्यान नहीं दिया, लेकिन अब यहां की सुंदर झीलों और पर्यटन स्थलों के अलावा क्षेत्र का तेजी से विकास कराया जाएगा। उन्होंने चरखारी की नैसर्गिक सुन्दरता को करीब से देखते हुए पर्यटन की व्यापक संभावनाएं बताते हुए समुचित विकास कराए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने ऐतिहासिक रॉयल थियेटर, मेला परिसर एवं सुंदर झीलों का निरीक्षण किया। डयोढ़ी गेट के पास भाजपा के नगर कार्यालय का फीता काटकर शुभारम्भ किया।

- प्रभारी मंत्री बोले, पर्यटन विकास के लिए विस्त्रत रूपरेखा तैयार

गांधी पार्क में भाजपा कार्यकर्ताओं व गणमान्य लोगों से भेंट के बाद उन्होंने कहा कि मंगलगढ़ दुर्ग ऐतिहासिक धरोहर है, इसे सजाने-संवारने के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। शीघ्र ही पर्यटन का विकास कराया जाएगा। नगर उद्योग व्यापार मण्डल अध्यक्ष आनंद दमेले ने पशु चिकित्सालय में दो वर्ष तक एक कर्मचारी के तैनात रहने और मूल अस्पताल सूपा चिकित्सालय को बन्द रखने की जांच कराने मांग की। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष मोहन कुशवाहा, पूर्व पालिका अध्यक्ष अरविन्द सिंह चौहान, व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष भागीरथ नगायच, शशांक गुप्ता, नीरज गुप्ता, योगेश मिश्रा, हरहिर मिश्रा, ईओ नगर पालिका अमरजीत, वरिष्ठ लिपिक अय्यूब खां, लिपिक संजीत कुमार, तेज प्रताप सिंह, प्रवीण रिछारिया सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वार्षिक ऋण योजना की एडीएम ने की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- कलेक्ट्रेट सभागार में हुई जिला सलाहकार समिति की बैठक

अमृत विचार। बैंकों की जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला सलाहकार समिति की बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोईनुल इस्लाम की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में वार्षिक ऋण योजना की समीक्षा करते हुए अपर जिलाधिकारी ने कम ऋण जमा अनुपात वाले बैंकों को सुधार किए जाने के लिए निर्देश दिए।

बैठक में एडीएम ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की योजनायें जैसे मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, पीएमएफएमई, एक जनपद एक उत्पाद, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन संचालित स्वयं सहायता समूह के क्रेडिट लिंकेज, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, मुख्यमंत्री माटीकला योजना आदि की प्रगति समीक्षा करते हुए इन योजनाओं में लक्ष्य प्राप्ति के लिए विचार विमर्श किया। उन्होंने बैंकों को विभिन्न योजनाओं में बैंक स्तर पर लंबित आवेदनों का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण किये जाने के लिए भी निर्देशित किया।

फसल बीमा योजना की पड़ताल करेंगे लेखपाल

120 दिनों से धरना दे रहे किसानों का प्रतिनिधिमंडल डीएम से मिला

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में भ्रष्टाचार सहित किसानों की समस्याओं को लेकर जय जवान जय किसान एसोसिएशन का धरना 120वें दिन बुधवार को भी जारी रहा। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर किसानों की समस्याओं से अवगत कराया, जिसे डीएम ने गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया और कहा कि बीमा कंपनी के माध्यम से पॉलिसी की सूची तहसील स्तर पर भेजी गई है, जिसे जांच के लिए लेखपालों को सौंपा गया है।

बुधवार को भी बेमियादी धरने पर बैठे रहे किसान। अमृत विचार

- जिलाधिकारी की पहल से जागी किसानों को इंसाफ की उम्मीद
- जय जवान जय किसान संगठन के नेता मुलाकात से संतुष्ट दिखे

जय जवान जय किसान एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि बीमा कंपनी इफ्को टोकिया की ओर से किसानों की फसल बीमा पॉलिसियों को बिना किसी पूर्व सूचना और लिखित नोटिस दिए बिना मनमानी तरीके से निरस्त किया जा रहा है, जो नियमों का कुला उल्लंघन है। इससे बीमा पॉलिसी के हकदार किसानों को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसान नेताओं ने बताया कि जिला प्रशासन ने निष्पक्ष कार्रवाई के लिए जो कदम उठाया है, वह सराहनीय है।

एसोसिएशन ने उन सभी किसानों के प्रति आभार जताया, जिन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में भ्रष्टाचार की जांच की मांग को लेकर 120 दिनों तक शांतिपूर्ण और अहिंसक धरना-प्रदर्शन में कंधे से कंधा मिलकर संगठन का पूरा सहयोग किया। जिलाधिकारी से मुलाकात करने कलेक्ट्रेट पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में बाबूलाल यादव, घनश्याम, रामरतन, भूपेंद्र, मनोहर सिंह, गुलाब सिंह, मदन, रामरतन आदि किसान नेता शामिल रहे।

पेंशनरों के अनुभव का लाभ उठाएं युवा

महोबा। डीएम गजल भारद्वाज ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों, पेंशनरों का सुझाव अमूल्य होता है और युवा पीढ़ी का दायित्व बनता है कि उनकी समस्याओं के प्रति गंभीर और संवेदनशील रहें। उन्होंने कहा कि पेंशनरों का सरकारी योजनाओं के क्रियांवयन में उनके अनुभव को लाभ उठाना चाहिए और युवाओं का दायित्व होता है कि समस्याओं के निराकरण में वह आगे आकर उनका सहयेग करे। यह बात जिलाधिकारी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वरिष्ठ पेंशनरों के साथ आयोजित बैठक में कहीं।

बैठक में वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुनील शर्मा व महामंत्री बीके तिवारी ने 17 सूत्रीय समस्याओं को रखा तथा प्रधानमंजी व वित्त मंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा साथ ही पेंशनरों ने राजस्व विभाग, शिक्षा विभाग, नगर पालिका, व्यापारकर, पंचायती राज विभाग, पारिवारिक पेंशन, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, सिंचाई विभाग व पशु पालन विभाग सहित अन्य समस्याओं को डीएम के समक्ष रखा। इस मौके पर डीएम के अलावा अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने पेंशनरों की समस्याओं को बिन्दुवार समीक्षा की तथा सम्बन्धित विभागों से समस्याओं के निराकरण कराने का आश्वासन दिया।

बंदियों ने एडीजे को बताईं समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला जज तेंद्र पाल ने जिला उप कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में एडीजे ने बंदियों की समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए जेलर को आवश्यक निदेश दिए। रसोईघर, बैरकों के अलावा उपकारागार परिसर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने निरंतर स्वच्छता बनाये रखने के लिए निर्देशित किया गया साथ ही जेलर से बंदियों की संख्या व नाश्ते व भोजना में पकने वाली सामग्री के बावत भी जानकारी हासिल की।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष व जनपद न्यायाधीश राम नगीना यादव के आदेशानुसार अपर जिला जज ने टीम के साथ जिला उपकारागार महोबा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरान निरूद्ध बंदियों की समस्याओं को सुना, जिसमें बंदी अकरम पुत्र लल्लू सौदागर ने अर्थदंड की सहायता किये जाने की समस्या को बताया गया तो वहीं बंदी दिलीप पुत्र सत्तीदीन ने परिवार से मिलने के लिये अपने घर का पता बताया। जिस पर एडीजे ने उपरोक्त बन्दियो की समस्या के निराकरण के लिए पीएलवी को निर्देशित किया गया तथा बंदियों को जानकारी दी गयी

बंदियों से जानकारी हासिल करते एडीजे व अन्य न्यायिक अधिकारी।

- अपर जिला जज ने उपकारागार का निरीक्षण कर दिए निर्देश

कि अगर न्यायालय द्वारा नियत तिथि मे तलब नहीं किया जाता है तो सबंधित सूचना प्रार्थना पत्र के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय को अवगत कराया जाये, जिससे संबधित न्यायालय मे उनके केस की कार्रवाई का पता करके संबधित न्यायालय को अवगत कराया जाये।

निरीक्षण दौरान अपर जिला जज ने निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने, आदि समस्याओं की सुनवाई सुनिश्चित करते हुये जेल के बंदियों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने के के अलावा कुछ बन्दियां के जमानत प्रार्थना पत्र उच्च न्यायालय मे प्रस्तुत करने के लिए निर्देश दिये। जो बन्दी अत्यन्त गरीब है तथा अपना निजी अधिवक्ता नियुक्त नहीं कर सकते उन्हे निःशुल्क लीगल एड डिफेंस काउन्सिल नियुक्त करने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के वक्त अधिकारियों ने बंदी टिंकू बाबा पुत्र हरप्रसाद व राजेन्द्र नायक पुत्र महावीर प्रसाद की जमानतदार के अभाव की समस्या को बताया गया, जिसके निस्तारण किए जाने के निदेश दिए गए। इसके बाद अस्पताल मे उपस्थित 09 कैदीयों का हाल चाल जाना। निरीक्षण के दौरान जेलर द्वारा बताया गया कि उपकारागार मे कुल 323 बन्दी निरूद्ध है, जिसमे विचाराधीन बंदियों की संख्या 275 एंव सिद्धदोष बंदियों की संख्या 48 है। बताया गया कि प्रातकाल बन्दियां को नास्ते मे चाय, गुड़, चना दिया गया था तथा सुबह के भोजन के लिए अरहर की दाल, आलू मूली की सब्जी, रोटी तैयार की गयी है। निरीक्षण के दौरान लीगल एड डिफेंस काउसिंल सिस्टम के चीफ रामऔतार सिंह, डिप्टी रामनरेश नरेश यादव, असिस्टेंट योगेन्द्र सिंह, जेलर प्रिय कुमार मिश्र आदि उपस्थित रहे।

5 दिन बाद फिर शुरू हुई ज्वार-बाजरा की खरीद

संवाददाता, कालपी (जालौन)

- लक्ष्य पूरा होने पर बंद कर दी गई थी खरीद, किसानों में खुशी

अमृत विचार। क्रय केंद्रों पर ज्वार और बाजरा बेचने के लिए 5 दिनों से इंतजार कर रहे किसानों की उम्मीद पूरी हो गई। शासन के निर्देश पर मंगलवार से पुनः तौल शुरू हुई है।

एक अक्टूबर से खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा घोषित एमएसपी पर ज्वार, बाजरा खरीद के लिए केंद्र खोले गए थे। शुरुआत में किसान उपज बेचने नहीं आए, लेकिन नवंबर से लाइनें लग गईं। विभागीय आंकडों की माने तो तहसील क्षेत्र में 1964 किसानों ने ज्वार और बाजरा बेचने के लिए पंजीकरण कराया था जो जिले के कुल पंजीकृत किसानों की संख्या का लगभग आधा है। कदौरा, कालपी केंद्र विवादों के घेरे में थे। कई बार जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी गोविंद उपाध्याय को भी आना पड़ा था। व्यवस्थाएं फिर भी नहीं सुधरीं। गुरुवार शाम विभाग ने लक्ष्य पूरा होने का हवाला देकर खरीद बंद कर दी थी, जबकि आधा सैकड़ा किसान लाइन में लगे थे। तौल बंद होने के बाद भी किसान डटे थे, जिससे खरीद का लक्ष्य बढ़ाने के लिए शासन से अनुरोध भी किया था और जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी ने किसानों को आश्वस्त किया था कि खरीद पुनः शुरू होगी। मंगलवार सुबह तौल फिर से शुरू किए जाने का आदेश आते ही किसानों में हर्ष छा गया।

सांसद ने हाईवे, ट्रेन ठहराव का उठाया मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- सड़क परिवहन व रेल मंत्री को निस्तारण के लिए भेजा पत्र

अमृत विचार। सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने झांसी मिजापुर नेशनल हाईवे को एक आवश्यक हिस्से को फोरलेन किए जाने के लिए लिए सड़क परिवहन मंत्री तथा बेलाताल रेलवे स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों का ठहराव कराए जाने को लेकर रेलमंत्री को पत्र लिखकर इन मांगों पर विचार कर पूर्ण किए जाने का आग्रह किया है।

हमीरपुर महोबा तिंदवारी क्षेत्र के सपा सांसद ने बताया कि झांसी मिर्जापुर हाईवे को कबरई से कानपुर तक फोरलेन किया जा रहा है, लेकिन इसका लगभग 80 किमी का हिस्सा अधूरा छोड़ा जा रहा है और यह हिस्सा झांसी खजुराहो फोरलेन से जुड़ा हुआ है। सांसद ने मांग उठाई कि इस हिस्से को

कानपुर कबरई फोरलेन से जोड़ दिया तो क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों और आमजन को जाम व दुर्घटनाओं से राहत मिल सकती है। बताया कि झांसी खजुराहो फोरलेन विकासखंड पनवाड़ी, तहसील कुलपहाड़ होते हुए महोबा कबरई से जोड़ दिए जाने के बाद जिले के बीच बेहतर जुड़ाव स्थापित हो सकता है। उन्होंने सड़क परिवहन मंत्री एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी से उक्त मांगों पर विचार किए जाने का आग्रह किया है। सांसद ने दूसरी मांग बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र के लिए रेलवे एक प्रमुख साधन है। बेलाताल रेलवे स्टेशन पर सुबह 6:45 से दोपहर दो बजे के बीच झांसी, ग्वालियर, आगरा के अलावा खजुराहो, भोपाल, अयोध्या, मुंबई आदि शहरों के लिए ट्रेन का ठहराव न होने से यहां के लोगों को असुविधा हो रही है। उन्होंने कहा कि इन शहरों की तरफ जाने वाली ट्रेनों का बेलाताल स्टेशन पर होता है, तो करीब आधा सैकड़ा से ज्यादा गांव के लोगों को यात्रा में आसानी हो जाएगी साथ ही मरीजों और व्यापारियों को भी बेहतर साधन मिल सकेगा। उन्होंने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से बेलाताल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का ठहराव की मांग की है।

यूरिया की किल्लत, निजी दुकानों में 100 रुपये महंगी

संवाददाता, कालपी (जालौन)

अमृत विचार। यूरिया के लिए बुधवार को महिलाएं भी लाइन में लगी रहीं, लेकिन घंटों मशक्कत के बाद भी ज्यादातर को खाली हाथ लौटना पड़ा। बताया जा रहा है कि निजी दुकानों में यूरिया खाद 100 रुपये महंगे दामों पर दी जा रही है।

बुवाई के समय डीएपी के लिए किसानों को लाइन में लगना पड़ा था, जिससे बुवाई पर भी असर पड़ा था। अब यूरिया के लिए 15 दिन से मारामारी मची है। एक सप्ताह में महेवा साधन सहकारी समिति को 800 बोरी तो पीसीएफ को भी इतनी ही आपूर्ति मिली, जो मांग के अनुसार काफी कम है। मंगलवार को महेवा समिति में एक ट्रक यूरिया आई थी, लेकिन किसानों की संख्या 500 से कम नहीं थी, जिसके चलते लाइन में लगने के बावजूद बड़ी संख्या में किसानों को मशक्कत करने के बाद भी बिना खाद वापस लौटना पड़ा। जिला कृषि अधिकारी गौरव यादव के अनुसार यूरिया की कमी नहीं है जल्दी दूसरी खेत भी भेजी जा रही है। खाद के लिए मची मारामारी में व्यवस्था न बिगडे. इसको लेकर प्रशासन भी सतर्क रहा। इसके चलते तहसीलदार अभिनव तिवारी ने अमले के साथ वितरण व्यवस्था को परखा और किसानों को धैर्य बनाए रखने की अपील की और कहा कि जल्दी ही खाद का इंतजाम किया जाएगा।

पीड़ा बताई बोले, मानदेय न मिलने से आर्थिक संकट, आउटसोर्सिंग कर्मियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर लगाई गुहार

आउटसोर्स कर्मियों ने मांगा 4 माह का बकाया मानदेय

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। जिला महिला अस्पताल में पिछले चार माह से स्वीपर, आया, कम्प्यूटर आपरेटर आदि आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का वेतन न मिलने से उनके परिवार के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। कर्मचारियों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में मानदेय दिलाए जाने की मांग की है।

जिलाधिकारी को सौंप गए ज्ञापन में कर्मचारियों ने बताया कि वे काफी समय से महिला जिला अस्पताल में आउटसोर्सिंग के तहत वार्ड आया, स्वीपर, सिक्योरिटी गार्ड और कंप्यूटर ऑपरेटर पद पर कार्य कर रहे और उनकी नियुक्ति जून 2019 में अवनि परिधि कंपनी के माध्यम से हुई थी। बताया कि शुरुआत

जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर ज्ञापन लेकर खड़े आउटसोर्स कर्मी। अमृत विचार

में उन्हें नियमित रूप से मानदेय मिलता था, लेकिन अब चार महीने से भुगतान नहीं दिया गया है।

स्वीपर पंकज ने बताया कि वेतन न मिलने के कारण वे अपने बच्चों की स्कूल फीस जमा नहीं कर पा रहे हैं, जिस पर विद्यालय से बार बार फीज जमा किए जाने को लेकर मैजेस और काल की जा रही है। बताया कि घर चलाना मुश्किल हो गया है और उन्हें कर्ज लेकर गुजारा करना पड़ रहा है। बताया कि न्यायालय ने मानदेय बढ़ाने के आदेश दिए थे, लेकिन उन्हें मानदेय बढाने की बात तो दूर उनका वेतन ही नहीं दिया जा रहा है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बबली ने बताया कि चार माह से वेतन न मिलने के कारण उनका परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है। उनके पति और बच्चा दोनों बीमार हैं और वेतन के अभाव में उनका इलाज कराने में तमाम असुविधाएं हो रही है। कर्मचारियों ने बताया कि वह अपनी समस्या को लेकर कई बार सीएमएस और सीएमओ से मिल चुके हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई। कर्मचारियों ने जिलाधिकारी से जल्द से जल्द वेतन भुगतान की मांग की है।

उनका कहना है कि वेतन न मिलने से न केवल उनका जीवन प्रभावित हो रहा है, बल्कि उनके परिवार भी गंभीर आर्थिक संकट में फंसे हुए हैं। ज्ञापन देने वालों में आउटसोर्सिंग कर्मचारी सुनील, रामेश्वरी, ज्ञानदेवी, धर्मेंद्र, सीमा गुप्ता, वंदना, स्नेहा सहित अन्य कर्मचारियों शामिल हैं।

गांधी का नाम हटाना सियासी चाल

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी (मनरेगा) को निरस्त कर विकसित भारत जी रामजी विधेयक 2025 को सदन में ध्वनिमत से मंजूरी दिए जाने के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष धुरिया के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने महात्मा गांधी के चित्रों के साथ बुधवार को प्रांतीय बाल सेवा सदन अनाथालय के बाहर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को निरस्त करने के लिए सुनियोजित कदम उठाया है। यह कोई सामान्य विधायी प्रक्रिया नहीं है। यह महात्मा गांधी का नाम और मूल्यों को मिटाने की एक सोची समझी राजनीतिक चाल है। देश की आजादी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

बुधवार को विरोध प्रदर्शन करते कांग्रेसी। अमृत विचार

जिला महासचिव अरविंद द्विवेदी ने कहा कि भाजपा सरकार नाम बदलकर मुख्य मुद्दों से भटकना चाहती है, जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश विश्वकर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई बेरोजगारी और आर्थिक मंदी पर बात नहीं करती। जिला महासचिव खेमचंद अहिरवार ने कहा कि सत्य और अहिंसा के मार्ग का अनुसरण आज पूरी दुनिया के सभी देश कर रहे हैं और भाजपा इनके महत्व को कम कर रही है। जिला महासचिव बलदेव प्रसाद ने कहा कि मनरेगा जैसी लोकप्रिय योजना का नाम बदलना गलत है। विरोध प्रदर्शन के मौके पर जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश विश्वकर्मा, जिला महासचिव खेमचंद अहिरवार, कोषाध्यक्ष देशराज रैकवार, संजय सिंह एडवोकेट, महेश अहिरवार भारत गिरी, प्रमोद पाल, जिला सचिव मुकेश सक्सेना, हरगोविंद कुशवाहा, अशोक कुमार व जयराम सहित तमाम कांग्रेसी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

3 बाइकें भिड़ीं, 1 किशोर की मौत, दो घायल

चित्रकूट। बहिलपुरवा थानांतर्गत शीतलपुर तरौंहा में मानिकपुर मार्ग पर तेज रफ्तार तीन मोटरसाइकिलों की भिड़ंत हो गई। इससे एक किशोर की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। दो लोग अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, मानिकपुर मार्ग पर बुधवार शाम बुलेट सहित तीन बाइकों की भिड़ंत हो गई। इसमें मोहन (19) पुत्र राजकुमार निवासी चरदहा थाना रैपुरा की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। वेद प्रकाश तिवारी (पुत्र) घनश्याम निवासी सेमरदहा और सुशील (32) पुत्र रेवती रमन निवासी उड़की माफी का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

कार्यालय का निरीक्षण कर दिए निर्देश

चित्रकूट। अपर परिवहन आयुक्त झांसी केडी सिंह गौर ने बुधवार को टोल प्लाजा और आरटीओ कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालय के सीसीटीवी कैमरों, सफाई, रखरखाव, फिटनेस संबंधित रजिस्टर, ड्राइविंग लाइसेंस संबंधित रजिस्टर, कैश रजिस्टर और प्रवर्तन शाखा स्टेटमेंट चेक किए। निर्देश दिए कि लक्ष्य की प्राप्ति शत प्रतिशत की जाए। इस मौके पर एआरटीओ आरपी सिंह, पीटीओ दीप्ति त्रिपाठी आदि मौजूद रहीं।

साइबर क्राइम से निपटने का दिया प्रशिक्षण

चित्रकूट। साइबर क्राइम एक्सपर्ट रक्षित टंडन ने पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की मौजूदगी में साइबर नोडल राजपत्रित अधिकारी व थानों, साइबर सेल, साइबर थाना व सर्विलांस के कर्मचारियों को राघव प्रेक्षागार में ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया। कर्मचारियों को साइबर अपराधों की रोकथाम के संबंध में बताया गया। साइबर अपराधों की त्वरित पहचान, पीड़ितों को समयबद्ध सहायता, एनसीआरपी पोर्टल के प्रभावी उपयोग, डिजिटल ट्रेल ट्रैकिंग एवं विवेचना के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण के दौरान एसओजी प्रभारी एमपी त्रिपाठी, एसआई रामबाबू शर्मा, अखिलेश यादव, अभिषेक के साथ साइबर क्राइम से संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रेमी संग गई महिला को पुलिस ने परिवार से मिलाया

चित्रकूट। चार बच्चों की मां को इंस्टाग्राम में एक युवक से बात करते करते प्यार हो गया। वह अपने तीन बच्चों को छोड़कर उसके साथ चली गई। डेढ़ माह बाद महिला पुलिस को मिल गई। समझा बुझाकर उसे पुलिस ने परिवार को सौंप दिया। मामला मऊ थानांतर्गत एक गांव का है। महिला के जाने पर पहले तो घरवालों ने उसका पता लगाया और फिर मऊ थाने में इस संबंध में रिपोर्ट भी दर्ज कराई। लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। बुधवार को वह कर्वी में थी और कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी। इस पर पुलिस वहां पहुंची और समझा बुझाकर परिवार को सौंप दिया। पुलिस के इस कदम से परिवार में खुशी का माहौल है और बच्चे अपनी मां को पाकर फूले नहीं समा रहे। मऊ थाना प्रभारी दुर्गविजय सिंह ने बताया कि महिला डेढ माह पहले बिना बताए कहीं चली गई थी मुखबिर की सूचना पर उसे कर्वी से बरामद किया गया। पूछने पर उसने बताया कि इंस्टाग्राम के जरिए एक लड़के से बात करती थी लेकिन अब उसको उसके पति और परिवारजनों को समझा बुझा कर सकुशल सौंप दिया गया है।

समय से न पहुंचने वाले सचिवों का रोका जाए वेतन

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को किसान दिवस का आयोजन हुआ। इसमें जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने एआर कोआपरेटिव को निर्देश दिए कि सहकारी समितियों के सचिवों की हाजिरी व्हाट्सएप ग्रुप से ली जाए। समय से न पहुंचने वाले सचिवों का वेतन रोका जाए।

जिलाधिकारी ने किसानों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को इनके समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निराकरण को कहा। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक सचिव की उपस्थिति का प्रातः 10 बजे से सायं चार बजे तक नियमित निरीक्षण कर संबंधित आख्या निर्धारित ग्रुप में भेजें। शासन की जनकल्याणकारी एवं कृषक हितैषी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र कृषक को देने के निर्देश दिए। बताया कि इसके लिए विभागों के मध्य प्रभावी समन्वय, सतत अनुश्रवण तथा नियमित समीक्षा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कृषकों से उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, वैज्ञानिक पद्धतियों के उपयोग, फसल विविधीकरण एवं फसल बीमा योजनाओं से अधिकाधिक जुड़ने की अपील की। बैठक के दौरान कृषकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों एवं समस्याओं पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। उपनिदेशक मंडी ने किसानों से कहा कि मंडी से संबंधित कोई समस्या है तो पत्र के माध्यम से अवगत कराएं। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसान दिवस को औपचारिक कार्यक्रम न मानते हुए समस्याओं के प्रभावी समाधान एवं सतत् संवाद का सशक्त मंच बनाया जाए। इस दौरान अधिकारी व किसान मौजूद रहे।

किसान दिवस में किसानों की समस्याएं सुनते जिलाधिकारी पुलकित गर्ग।

किसानों को दी सूर्यघर योजना की जानकारी

जिलाधिकारी ने किसानों को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में बताया। बताया कि जिले में 12 हजार घरों में सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य है। अभी तक 714 सोलर प्लांटों की स्थापना की जा चुकी है। एक किलोवाट संयंत्र की अनुमानित लागत 60 हजार रुपये है, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा 30 हजार एवं राज्य सरकार द्वारा 15 हजार अनुदान दिया जाता है। इसकी लोनिंग बैंक द्वारा की जाती है। संयंत्र लग जाने के पश्चात लगभग दो तिहाई तक बिल में बचत होती है। जिलाधिकारी ने किसानों से अपील की कि पर्यावरण को देखते हुए पीएम सूर्यघर योजना (सोलर पावर) का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

20 दिसंबर तक भारी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। अमावस्या मेले के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर 18 दिसंबर प्रातः छह बजे से भारी एवं मध्यम मालवाहनों (आपातकालीन एवं आवश्यक वस्तुओं के वाहनों को छोड़कर) का कर्वी नगर में प्रवेश एवं परिवहन/आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया है। यह प्रतिबंध 20 दिसंबर की रात 12 बजे तक रहेगा।

एसपी ने बताया कि 21 दिसंबर से 30 दिन या नए आदेश की तिथि, जो पूर्व हो, तक भारी एवं मध्यम मालवाहनों का कर्वी नगर में प्रवेश एवं परिवहन/आवागमन निश्चित समय के अनुसार प्रतिबंधित रहेगा। इसी के तहत लोढ़वारा मोड़, राजापुर मार्ग पर प्रातः साढ़े छह बजे से रात साढ़े नौ बजे तक, रेहुटिया (रेलवे क्रॉसिंग के पूर्व) प्रयागराज रोड पर, खोह (पुलिस लाइन तिराहा) मानिकपुर रोड पर आवागमन प्रातः साढ़े छह बजे से रात दस बजे तक नहीं हो सकेगा। इसी प्रकार शेषनपुरवा मोड़ सोनेपुर, सतना रोड पर आवागमन प्रातः साढ़े छह बजे से रात साढ़े दस बजे तक, बेड़ी पुलिया (मत्यगजेंद्रनाथ धर्मकांटा) बांदा रोड पर और निर्मोही अखाड़ा यूपी एमपी बार्डर से बेड़ी पुलिया तिराहे तक भारी वाहनों का आवागमन प्रातः साढ़े छह बजे से रात 11 बजे तक नहीं होगा। इसके अलावा प्रातः साढ़े छह बजे से नो इंट्री बैरियरों से प्रवेश किए भारी माल वाहन प्रातः सात बजे तक प्रत्येक दशा में नो इंट्री क्षेत्र से बाहर निकल जाएगें। बताया कि नगर में वैवाहिक, धार्मिक, त्यौहार, जुलूस, झांकी, शोभायात्रा और राजनैतिक कार्यक्रमों आदि के मद्देनजर नो इंट्री के समय में परिवर्तन की सूचना नो इंट्री बैरियर पर ही दी जाएगी।

तीर्थक्षेत्र को तीन जोन और दस सेक्टरों में बांटा, मजिस्ट्रेट तैनात

आज से चलेगा तीन दिवसीय अमावस्या मेला, जिलाधिकारी ने बैठक कर दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। पौष मास की अमावस्या के लिए पूरे मेला क्षेत्र को तीन जोन और 10 सेक्टरों में बांटा गया है। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने मेले के संबंध में बैठक कर अफसरों को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

डीएम ने बताया कि अमावस्या मेला 18 से 20 दिसंबर तक चलेगा। जोन व सेक्टरों में मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। उन्होंने मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर मेले को सकुशल संपन्न कराएं। जिलाधिकारी ने जिला आबकारी को निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में मादक पदार्थ प्रतिबंधित रहने चाहिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दुकानों पर छापामारी करते रहें, जिससे मिलावट नहीं होने पाए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में सफाई दुरुस्त रहे। गोवंश वहां पर न जाने पाएं। लाइट की व्यवस्था ठीक रहे, जहां पर जनरेटर की आवश्यकता हो वहां पर रखवा जाएं। रामघाट एवं परिक्रमा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरा चालू रहें और दुकानदारों द्वारा किसी भी तरह का अतिक्रमण न होने पाए। डीएम ने मोबाइल शौचालय, एंबुलेंस, पानी के टैंकर, निर्बाध विद्युतापूर्ति, बैरीकेडिंग, गोताखोर और नाव आदि को लेकर भी अफसरों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कोहरे का प्रभाव बढ़ गया है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी व माइनिंग ऑफिसर इस पर विशेष ध्यान दें। रेडियम रिफ्लेक्टर आदि लगवाएं, जिससे दुर्घटना से बचा जा सके।

परिक्रमा मार्ग को सही कराएं, मलबा हटवाएं : जिलाधिकारी ने पर्यटन अधिकारी को निर्देशित किया कि परिक्रमा मार्ग में खुदाई सही कराएं। साथ ही साथ मलबे को भी हटवाएं। सामुदायिक शौचालयों की ठीक से सफाई कराएं। इनमें ताला नहीं लगना चाहिए।

अमावस्या मेले के संबंध में बैठक करते अधिकारी। अमृत विचार

बैठकों में जलपान में परोसें मिलेट्स से बने उत्पाद

- **चित्रकूट।** जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने सभी कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि कार्यालयों में संचालित कैंटीन के मीनू में अनिवार्य रूप से मोटे अनाज (मिलेट्स) के उत्पाद को शामिल किया जाय। बैठकों में जलपान में मोटे अनाज के उत्पाद का प्रयोग चलन में लाया जाए। गणमान्य व्यक्ति अथवा जनप्रतिनिधि को उपहार में बुके अथवा अन्य सामग्री के स्थान पर एक जनपद एक उत्पाद के तहत उपहार दें। इससे न केवल जनपद को एक विशेष पहचान मिलेगी बल्कि स्थानीय नागरिकों को रोजगार व आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।

टेंपो-टैक्सीवाले ज्यादा सवारी न भरें

- डीएम ने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर, यातायात प्रभारी को भ्रमणशील रहकर यातायात संबंधी व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। निर्देशित किया कि टैक्सी टेंपो चालक अधिक सवारी लेकर न जाने पाएं। रिक्शा व अन्य प्रमुख जगहों पर रेट लिस्ट भी लगाएं।

पीएमश्री स्कूल के बच्चों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

चित्रकूट। पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय कछारपुरवा के बच्चों ने ग्रामोदय विवि और अन्य जगहों का शैक्षणिक भ्रमण किया। मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक रति वर्मा एवं जिला बेसिक शिक्षाधिकारी बीके शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर इनकी बस को रवाना किया। इसके पूर्व सहायक शिक्षा निदेशक ने स्कूल में बच्चों की प्रतिभा का आकलन किया।

बच्चों ने विश्वविद्यालय के साथ नन्ही दुनिया, राम दर्शन का भ्रमण किया। विश्वविद्यालय में बच्चों ने जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान ,रसायन विज्ञान तथा भूगर्भ विज्ञान , कंप्यूटर लैब की प्रयोगशालाओं को देखा। बीएसए ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों का सार्वभौमिक विकास होता है। बच्चों को बहुत कुछ सीखने को मिलता है। मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक ने स्कूल के पठनपाठन की सराहना की। शिक्षकों को सतत् प्रयास करते रहना चाहिए, जिससे बच्चों का विकास हो सके। इस मौके पर प्रधानाध्यापक उषा रानी त्रिपाठी, रचना यादव, सुशील पांडे, विद्यासागर सिंह, सरला देवी, ममता देवी आदि रहे।

कृत्रिम अंग, उपकरण के लिए आवेदन मांगे

चित्रकूट। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रियंका यादव ने बताया कि पात्र दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण देने के लिए योजना संचालित की जाती है। पात्र दिव्यांगजन वेब पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। बताया कि किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

आवश्यकता है

प्राचार्य – एक पद, **योग्यता एवं अनुभव** – पी0एच0डी0 और 15 साल का शैक्षिक अनुभव। वेतन यूजीसी मानक अनुसार इच्छुक अभ्यर्थी फोटोयुक्त बायोडाटा 10 दिन के अन्दर उपरोक्त महाविद्यालय के पते पर भेजने की कृपा करें।

प्राचार्य
चौ0 जयवीर सिंह महिला शिक्षण संस्थान
मिश्रापुर, सराय प्रयाग, कन्नौज

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम BAHIDDIN ANASARI से बदल कर WAHIDUDDIN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O: SIRAJUDDIN R/O: BHAWANIYAPUR RAMGARI NANPARA BAHRAICH UTTAR PRADESH -271865**

सूचना

सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल की मार्कशीट व प्रमाणपत्र जिसका अनुक्रमांक 2002352 वर्ष 2010 है और इण्टरमीडिएट की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक 1258084 वर्ष 2012 है, वास्तव में कहीं खो गयी है। **दया चन्द्र पुत्र उमेश चन्द्र निवासी– कपसेठी कर्वी, चित्रकूट।**

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD MUSTAKIM ANSARI से बदलकर MOHD MUSTKIM ANSARI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-MOHD SHAHABUDDIN ANSARI ADD-H.No-477/929, AURI MORE JANTA PREES ANPARA AURI POST-ANPARA DIST-SONBHADRA - 231225 (U.P)**

सूचना

मैंने अपने पुत्र सुखदेव और पुत्रवधू सोनी पत्नी सुखदेव के गलत आचरण एवं चाल चलन के चलते संबंध विच्छेद कर समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके किसी भी कृत्य या लेनदेन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता या सरोकार नहीं होगा वह स्वयं जिम्मेदार होगें। **प्रेमचन्द पुत्र नन्हऊ व गुड्डी पत्नी प्रेमचंद निवासी –पिपरौली शिव, थाना– बेला, तहसील– बिधूना, जिला –औरैया।**

सूचना

सूचित हो कि मेरी पुत्री रिशिता सिंह के आधार कार्ड नं0– 465507147251 पर पुत्री का नाम वैभवी सिंह अंकित है। जबकि उसका सही नाम रिशिता सिंह है जो उसके अन्य अभिलेखों में दर्ज है। रिशिता सिंह एवं वैभवी सिंह दोनों मेरी पुत्री के ही नाम हैं। **अशोक कुमार सिंह पुत्र श्री रामबरन सिंह निवासी– रेलवे कालोनी म0नं0– आई0डी फैजाबाद, जिला अयोध्या।**

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्र आदित्य प्रताप सिंह के हाईस्कूल वर्ष 2024 अनुक्रमांक 23156951 के अंकपत्र में उसकी जन्मतिथि त्रुटिवश 01/02/2007 अंकित हो गयी है जो कि गलत है। जबकि मेरे पुत्र की सही जन्मतिथि 01/01/2009 है जो उसके जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड में दर्ज है। अतः मेरे पुत्र के उपरोक्त हाईस्कूल अंकपत्र में उसकी सही जन्मतिथि 01/01/2009 दर्ज कर अंकपत्र की द्वितीय प्रति जारी की जाये। **सीमा सिंह पत्नी श्री ब्रजेश प्रताप सिंह निवासी– टी0वी0 टावर सिविल लाइन फतेहगढ़ जिला फर्रूखाबाद।**

सूचना

मै अपने पुत्र सौरभ जिसका चाल चलन आचरण ठीक नहीं है, उससे अपना समस्त रिश्ता व आवागमन बंद करता हूं तथा उसके द्वारा कृत्य कार्यो का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों से उसके कृत्यों से कोई सरोकार नहीं रहेगा। **शिवराज पुत्र रामसमुझ निवासी ग्राम दरवेशपुर थाना मसौली जिला बाराबंकी।**

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र अमन मिश्र को उसके खराब आचरण एवं व्यवहार से प्रताड़ित होकर अपनी समस्त चल– अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कार्य व लेन–देन से मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। उसकी समस्त जिम्मेदारी मेरे पुत्र अमन मिश्र की होगी। **शिव नायक मिश्र पुत्र शोभ नाथ मिश्र निवासी ग्राम चुनहा शंकर पुरम् करौंदिया देहात जनपद सुलतानपुर।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शैक्षिक अभिलेखों में मेरा नाम प्रिया यादव पुत्री रामपाल यादव अंकित है जो सत्य व सही है, जब कि आधार कार्ड में मेरा नाम प्रियंका देवी अंकित है जो गलत व त्रुटिपूर्ण है। जिसके स्थान पर मेरे आधार कार्ड 620704520051 में मेरा नाम प्रियंका देवी के स्थान पर प्रिया यादव होना चाहिए। **प्रिया यादव पुत्री रामपाल यादव निवासिनी ग्राम पूरे खजुरा पसकरवां, तहसील सलोन, जनपद रायबरेली, उत्तर प्रदेश**

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्र आदित्य प्रताप सिंह के हाईस्कूल वर्ष 2024 अनुक्रमांक 23156951 के अंकपत्र में उसकी जन्मतिथि त्रुटिवश 01/02/2007 अंकित हो गयी है जो कि गलत है। जबकि मेरे पुत्र की सही जन्मतिथि 01/01/2009 है जो उसके जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड में दर्ज है। अतः मेरे पुत्र के उपरोक्त हाईस्कूल अंकपत्र में उसकी सही जन्मतिथि 01/01/2009 दर्ज कर अंकपत्र की द्वितीय प्रति जारी की जाये। **सीमा सिंह पत्नी श्री ब्रजेश प्रताप सिंह निवासी– टी0वी0 टावर सिविल लाइन फतेहगढ़ जिला फर्रूखाबाद।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 1063257W Ex Hav. अंगद सिंह, पूर्व सैनिक, 49 ARMD REGT., Record Office, ARMD Corps, Ahmednagar (MH) के पुत्र प्रोहित सिंह की जन्मतिथि शैक्षिक अभिलेखों में 01.07.1992 अंकित है, जबकि सेना के प्रारंभिक अभिलेखों में जन्मतिथि 20.01.1989 दर्ज है। अतः संबंधित सभी अभिलेखों में जन्मतिथि 01.07.1992 को ही सही एवं मान्य माना जाए। **अंगद सिंह (पिता), उमा देवी (माता) निवासी: ग्राम व पोस्ट– सुरेंधा, जनपद– औरैया/इटावा –206252**

बैठक सूचना

आयकर स्टाफ सहकारी आवास समिति लिमिटेड, विनायकपुर की वार्षिक सामान्य सभा की बैठक शनिवार, दिनाँक 03/01/2026 को संजय टेन्ट हाउस हाल, विनायकपुर, कानपुर में अपरान्ह 01:00 बजे से सम्पन्न होगी। समस्त सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

सचिव

NOTICE

In the Army Record of my Late husband my Name and Date of Birth is mentioned as SAVATRI and 10/09/1945 which is incorrect. As per my documents AADHAR and PAN Card my correct name is SAVITRI DEVI and correct Date of Birth is 01/01/1945. Savitri Devi W/O Late IC/Army No. 1164421 Rank Naik Name Shiv Raj Singh R/O Village Khalifapur Masti, Post Manpur, Block Bawan, Tahsil Sadar, District Hardoi, Uttar pradesh, Pin- 241125 vide Affidavit Dated: 16/12/2025 Before Court of Hardoi.

पेंशनर दिवस में सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने बताई दिक्कतें

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) स्वप्निल यादव की अध्यक्षता में बुधवार को नवीन कलेक्ट्रेट भवन सभागार में पेंशनर दिवस मनाया गया। इस दौरान पेंशनर संगठनों के पदाधिकारियों ने कई सुझाव दिए और समस्याएं बताईं। एडीएम ने सात दिन में निस्तारित करने के निर्देश दिए।

वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह ने शासन द्वारा पेंशनरों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। वीरेंद्र कुमार द्विवेदी जिलाध्यक्ष सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन ने विभिन्न विभागीय कर्मचारियों से संबंधित समस्याओं का सम्मिलित पत्र सौंपा। दयाशंकर त्रिपाठी, उदित नारायण सिंह, राजकरन सिंह, विश्वनाथ प्रसाद श्रीवास्तव, अमर सिंह, कृष्ण देव सिंह, अयोध्या प्रसाद पांडेय, अमृत लाल सिंह, छत्रपाल तिवारी ने अपनी समस्याएं बताईं। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के कार्यालयाध्यक्षों को 7 दिन में इनके निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर राममनोहर वर्धन बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी, अनुराग शर्मा, एलडीएम, वेद प्रकाश सिंह वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा, दुष्यंत द्विवेदी प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई मानिकपुर, दयाशंकर डिप्टी सीएमओ, राजेश कुमार पशु चिकित्साधिकारी, रामबहादुर सिंचाई विभाग, सूर्यकांत द्विवेदी सेवानिवृत्त सहायक कोषाधिकारी, प्रताप नारायण श्रीवास्तव आदि रहे।

ब्लाकों, ग्राम सचिवालयों में नामों को अद्यतन कराएं

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने विकास खंड मुख्यालयों और गांवों में ग्राम सचिवालयों में लगी नाम पट्टिकाओं में नाम अद्यतन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नाम सही न होने से ग्रामीणों को समस्याओं के समाधान में दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

गौरतलब है कि 'अमृत विचार' ने अपने 9 दिसंबर के अंक में ब्लाक मुख्यालय कर्वी की खबर प्रकाशित की थी। कोई दिवंगत तो कोई हो गया सेवानिवृत्त, शीर्षक से प्रकाशित इस खबर में बताया गया था कि ब्लाक की दीवार में ग्राम पंचायत और ग्राम विकास अधिकारियों के नाम सालों पुराने हैं। इससे गांववालों को अपनी समस्याओं के समाधान में दिक्कत होती है। इनमें से कई तो दिवंगत या सेवानिवृत्त हो चुके हैं। अब जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने ब्लाकों और ग्राम सचिवालयों में नेमप्लेटों में ग्राम पंचायत सचिव, पंचायत सहायक एवं ग्राम प्रधानों आदि के नाम तथा मोबाइल नंबर का सही उल्लेख करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि सही नाम न दर्ज होने से ग्रामीणों को समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित व्यक्ति से संपर्क करने में कठिनाई हो रही है। डीएम ने सभी खंड विकास अधिकारियों एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी ग्राम पंचायत सचिवालयों एवं विकासखंड मुख्यालयों में नामपट्टिका को अद्यतन कराएं कि ग्रामवासियों को कोई असुविधा न हो।

- **'अमृत विचार' ने प्रमुखता से छापी थी खबर**

9 दिसंबर को 'अमृत विचार' में प्रकाशित समाचार। अमृत विचार

धर्म–अध्यात्म | तीर्थक्षेत्र में चार दिवसीय आयोजन का पहला दिन

कलश यात्रा के साथ गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ

संवाददाता, सीतापुर (चित्रकूट)

अमृत विचार। भव्य कलश यात्रा के साथ बुधवार से तीर्थक्षेत्र में चार दिवसीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ हो गया। इसमें 151 कुंडीय गायत्री महायज्ञ से समाज कल्याण की कामना की जाएगी। 24000 वेदीय दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

आयोजन के पहले दिन आयोजन स्थल गायत्री शक्तिपीठ चित्रकूट के पास अक्षयवट होने से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसमें भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। साधु-संत अखाड़े के निशान के साथ चलते हुए कलश यात्रा में शामिल हुए। विश्व कल्याण की कामना एवं सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से प्रभु श्रीराम की तपोस्थली में चार दिवसीय 151 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इसके पूर्व प्रमिला पांडे महापौर कानपुर के साथ रंजना उपाध्याय, उषा जैन, संत मदनगोपाल दास, रामजी दास, वरुण प्रपन्नाचार्य, महंत दिव्यजीवन दास के साथ जनप्रतिनिधियों ने पूजा अर्चना की।

लगभग सभी लोग पीले वस्त्र धारण किए हुए थे। शोभायात्रा में हाथी, घोड़े, विभिन्न झांकियां, घोष आकर्षण का केंद्र रहे। पूरी यात्रा में आओ सुहागिन नार कलश सर धारण करो, गीत गूंज रहा था। कलश लिए महिलाएं मंगलगीत गा रही थीं। विद्यालयों के घोष कलश की शोभा बढ़ा रहे थे। कलशयात्रा गायत्री शक्तिपीठ चित्रकूट से चलकर सियाराम कुटीर, रघुवीर मंदिर, जानकी कुंड होते हुए कामदगिरि प्राचीन मुखारविंद व प्रथम मुखारविंद से यज्ञ स्थल पहुंची। जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया। यज्ञशाला में प्रथम धर्म ध्वजा फहराई गई।

कलश यात्रा में शामिल संत–महंत। अमृत विचार

सनातन धर्म की रक्षा के लिए आयोजन : गायत्री शक्तिपीठ के संचालक और यज्ञ के संयोजक डा. रामनारायण त्रिपाठी ने कहा कि समाज में सनातन धर्म की रक्षा के लिए यज्ञ के माध्यम से एकजुटता का संदेश देना है। ब्रह्मांड में चित्रकूट के समान कोई तीर्थ नहीं है। यहां किया गया जप तप साधना अन्य जगहों से सैकड़ों गुना अधिक पुण्यदाई है। परम मंदनीय माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष 2026 के पूर्व महायज्ञ यादगार रहेगा। अनुरोध किया कि लोग इस चार दिवसीय कार्यक्रम में यज्ञ संस्कार आदि में अवश्य भाग लें और पुण्य लाभ प्राप्त करें।

अपनी शक्ति और अधिकारों को पहचानें महिलाएं: प्रतिभा

महिलाओं को अधिकारों की जानकारी देतीं प्रतिभा कुशवाहा। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। राज्य महिला आयोग सदस्य प्रतिभा कुशवाहा ने अपने दौरे के पहले दिन विभिन्न कार्यक्रमों में ग्रामीण महिलाओं और छात्राओं को नारीशक्ति को पहचानने की सीख दी।

गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व बच्चों का अन्नप्राशन किया और ग्रामीण महिलाओं को जन कल्याणकारी योजनाएं बताईं। ज्ञान भारती इंटर कालेज में छात्राओं दीपा व मानवी ने स्वागत गीत से स्वागत किया। छात्राओं को शिक्षा व नारी शक्ति पर जागरूक किया। विकास भवन कार्यालय में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को समाज हित में काम करने की प्रेरणा दी। इसके अलावा उन्होंने विकासखंड पहाड़ी की ग्राम पंचायत कुचारम में महिला जनसुनवाई तथा जन चौपाल लगाई और विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता, महिला थानाध्यक्ष नीलम देवी आदि मौजूद रहीं।

अमृत विचार

गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

सफलता उन्हें ही मिलती है, जो साहस दिखाते हैं और काम करते हैं।

–**देव आनंद**, अभिनेता, फिल्मकार

चेतावनी देता हादसा

मथुरा के निकट यमुना एक्सप्रेसवे पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना, जिसमें मरे तेरह लोगों में से दस के शव तक नहीं मिले, दिल दहलाने वाली है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सड़क-सुरक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता का ज्वलंत और विद्रूप उदाहरण है। इसमें निर्दोष यात्रियों की जानें केवल वाहनों के टकराव से नहीं गईं हैं, बल्कि पूर्वानुमेय जोखिमों की भारी उपेक्षा से गईं। शून्य दृश्यता के बावजूद, तेज रफ्तार, भारी-हल्के वाहनों की मिली-जुली आवाजाही और किसी तरह की चौकसी का न होना, समय रहते लिए जा सकने वाले प्रशासनिक निर्णयों की अनुपस्थिति, आपराधिक लापरवाही- इन सबने मिलकर इस त्रासदी को जन्म दिया।

कहा जा सकता है कि इसका कारण बने कोहरे का हम क्या कर सकते हैं, बेशक कोहरा प्राकृतिक है, पर उसके प्रभाव का प्रबंधन, दुर्घटना से बचाव, मानव-निर्मित प्रणालियों का दायित्व है। जब दृश्यता शून्य के करीब थी, तब हाईवे संचालन को धुंध-क्षेत्र से पहले ही नियंत्रित किया जाना चाहिए था। सुरक्षित स्थानों पर वाहनों को रोकना, गति सीमा को सख्ती से लागू करना और चरणबद्ध तरीके से यातायात को बहाल करना- ये मानक प्रोटोकॉल हैं। सवाल यह है कि जब मौसम विभाग को क्षेत्र विशेष में कोहरे की सघनता का पूर्वानुमान होता है, तो उसे रियल-टाइम ट्रैफिक मैनेजमेंट से क्यों नहीं जोड़ा जाता? आज जाम, दुर्घटना या मरम्मत के अलर्ट तुरंत मोबाइल ऐप्स और इलेक्ट्रॉनिक साइनबोर्ड्स पर प्रसारित हो जाते हैं, तो कोहरे के लिए क्यों नहीं? जिन सेक्शनों में दृश्यता कम होने की आशंका थी, वहां पहले से चेतावनी, गति-सीमा में कटौती और अस्थायी अवरोध बनाकर वाहनों को रोका जा सकता था। राजमार्गों पर सुरक्षा की जिम्मेदारी बहु-स्तरीय है- केंद्र और राज्य सरकारें, सड़क निर्माता, नियामक और संचालन एजेंसियां। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की भूमिका निर्णायक है, वहीं राज्य यातायात पुलिस का प्रवर्तन भी उतना ही आवश्यक। टोल वसूलने वाली कंपनियां यदि शुल्क लेती हैं, तो उन्हें केवल गड्ढे-मुक्त सड़क तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना उनकी संविदात्मक और नैतिक जिम्मेदारी है। जरूरी है कि भारी और हल्के वाहनों में आधुनिक एंटी-कोलिजन सिस्टम, फॉरवर्ड-कोलिजन वार्निंग, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, लेन-असिस्ट, रडार/लिडार आधारित सेंसर और फॉग-लैंप हों, पर हाईवे स्तर पर विजिबिलिटी-सेंसर, वेरिएबल मैसेज साइन और रियल-टाइम स्पीड कंट्रोल भी लागू होना चाहिए। सर्दियों में उड़ानों के विलंब की तरह सड़कों पर भी 'फॉग प्रोटोकॉल' लागू होना चाहिए- पूर्वानुमान, चरणबद्ध बंदी, वैकल्पिक मार्ग और यात्रियों को समय पर इसकी सूचना। इसके अलावा इसके दोषियों की पहचान भी आवश्यक है, चाहे वह लापरवाह चालक हो, चेतावनी न देने वाली एजेंसी हो या सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू न करने वाला ऑपरेटर।

मुआवजा ही पर्याप्त नहीं दंडात्मक कार्रवाई और सुधारात्मक आदेश भी अत्यावश्यक हैं। हादसा सरकार और यात्रियों दोनों को यह सीख देता है कि रफ्तार पर संयम एवं स्वयं सतर्कता, तकनीक पर भरोसा और प्रशासनिक तत्परता- तीनों का संतुलन ही सुरक्षित यात्रा की कुंजी है।

प्रसंगवश

जॉर्डन से भारत की रणनीतिक साझेदारी

भारत और जॉर्डन के रिश्तों में बीते वर्षों में जो गहराई आई है, उसमें किंग अब्दुल्ला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बनी व्यक्तिगत समझ और भरोसे की बड़ी भूमिका है। भारत और जॉर्डन की दोस्ती दशकों पुरानी है, लेकिन हाल के वर्षों में इसे नई ऊर्जा मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अल हुसैनिया पैलेस में भव्य और गर्मजोशी से स्वागत, इसी रिश्ते की गहराई को दर्शाता है। इस मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय बैठक हुई, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी मौजूद रहे। यह संकेत था कि बातचीत केवल औपचारिक कूटनीति तक सीमित नहीं थी, बल्कि रणनीतिक और सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों पर भी खुलकर चर्चा हुई।

इस दौरे में भारत-जॉर्डन बिजनेस फोरम की बैठक भी हुई,

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

जिसमें दोनों देशों के उद्योगपतियों और निवेशकों ने भाग लिया। किंग अब्दुल्ला ने भारत दौरे के बाद हुए समझौतों पर खुशी जताई और कहा कि ये करार दोनों देशों के आर्थिक भविष्य को नई दिशा देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने भी जॉर्डन द्वारा दिए गए स्नेह और सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और दोनों देशों की ऐतिहासिक मैत्री को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

व्यापार के स्तर पर भारत और जॉर्डन के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। भारत जॉर्डन से मुख्य रूप से फॉस्फेट और पोटाश जैसे उर्वरक कच्चे माल का आयात करता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए उर्वरक बेहद अहम हैं और जॉर्डन इस क्षेत्र में एक विश्वसनीय साझेदार रहा है। जॉर्डन से मिलने वाला पोटाश और फॉस्फेट भारतीय किसानों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा भारत जॉर्डन से रसायन, खनिज और कुछ पेट्रोकेमिकल उत्पाद भी आयात करता है।

भारत से जॉर्डन को दवाइयां, फार्मास्यूटिकल उत्पाद, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पार्ट्स, टेक्सटाइल, चावल, चाय और इंजीनियरिंग सामान निर्यात किया जाता है। भारतीय दवाइयों की गुणवत्ता और किफायती कीमतों के कारण जॉर्डन के बाजार में उनकी अच्छी मांग है। इससे न केवल भारत के फार्मा उद्योग को फायदा होता है, बल्कि जॉर्डन के आम नागरिकों को भी सस्ती और भरोसेमंद दवाइयां मिलती हैं।

डिजिटल तकनीक और आईटी के क्षेत्र में भी दोनों देश सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, स्टार्टअप संस्कृति और आईटी विशेषज्ञता जॉर्डन के लिए प्रेरणा का स्रोत है। दूसरी ओर जॉर्डन मध्य पूर्व के बाजारों तक भारत के लिए एक सेतु की भूमिका निभा सकता है। उर्वरक और डिजिटल तकनीक में सहयोग बढ़ाने का फैसला इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है।

भारत को जॉर्डन से रणनीतिक स्तर पर भी कई फायदे हैं। पश्चिम एशिया में जॉर्डन एक स्थिर, भरोसेमंद और उदार देश माना जाता है। ऐसे क्षेत्र में, जहां अक्सर संघर्ष और अस्थिरता रहती है, जॉर्डन भारत के लिए एक संतुलित साझेदार है। आतंकवाद के खिलाफ जॉर्डन का स्पष्ट रुख भारत की सुरक्षा चिंताओं के अनुरूप है। इसके अलावा जॉर्डन फिलिस्तीन, इजरायल और अरब दुनिया के बीच संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसका अप्रत्यक्ष लाभ भारत को क्षेत्रीय स्थिरता के रूप में मिलता है। किंग अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री मोदी से अपनी सात साल पहले हुई मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि तब से दोनों देशों के रिश्तों में निरंतर मजबूती आई है।

उत्तराखंड में बढ़ रहा मानव-वन्य जीव संघर्ष

अमित शर्मा

हल्द्वानी

उत्तराखंड की शांत और मनोरम वादियों के बीच रहने वाले वन्य जीव अब आदमखोर हो चले हैं। यह अप्रत्याशित भी नहीं है। इंसान ने जब उनके घर में घुसकर अपने आनंद के रास्ते खोजे, तो इन जंगली जानवरों ने भी अपनी हिंसक प्रवृत्ति के मुताबिक आबादी में परमानंद खोजना शुरू किया और यह खतरनाक चलन ऐसा बढ़ा कि अब उत्तराखंड का एक बड़ा क्षेत्र मानव-वन्य जीव संघर्ष के खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है।

वन्य जीवों के हमलों के 25 वर्षों के आंकड़ों पर गौर करें, तो अभी तक 1264 से ज्यादा लोग जंगली जानवरों के शिकार बने हैं। 6519 लोग घायल हुए हैं। इनमें सबसे अधिक मौतें शातिर गुलदार के सिर हैं, जिसके हमलों में 546 लोगों की मौत हुई। 2126 लोग घायल हुए। गजराज के हमलों में 230 लोग मरे, 234 घायल हुए। अक्सर शांत रहने वाले बाघ ने 106 लोगों को शिकार बनाया। 134 को जख्मी किया। भालू भी अब आदमखोर हो चले हैं और 71 लोगों को मार चुके हैं। 2012 लोगों को घायल कर चुके हैं। अब तक 360 लोग सर्पदंश से मौत की नींद सो चुके हैं। 1056 लोग ऐसे भी हैं, जो सर्पदंश से बच गए।

मगरमच्छ भी कहीं आबादी में घुस रहा है, तो लोग खुद मौत के मुंह में जा रहे हैं। मगरमच्छ के हमलों में 69 लोग मरे। 44 जख्मी हुए। हाल के दिनों में पौड़ी और चंपावत वन्य जीवों के हमलों को लेकर ज्यादा चर्चा में रहे। बड़ी राहत की बात यह रही कि पौड़ी में आतंक के पर्याय बने आदमखोर गुलदार को ढेर कर दिया गया तो आदमखोर बाघ को कॉर्बेट की टीम ने काबू कर लिया। चंपावत में भी आदमखोर बन चुका गुलदार पकड़ा गया।

वन्य जीवों के आबादी में घुसकर सीधे मानव को निशाना बनाने के कारण भी स्वयं मानव जनित ही हैं। जिस गति से आबादी का विस्तार हो रहा है, उससे ज्यादा गति से वन क्षेत्र सिकुड़ रहा है। कभी जंगलों में कैंप फायर करने का रोमांच, अब इंसानी खतरनाक मानसिकता से भर गया है। प्रकृति की गोद में बैठने की चाहत और धन की लोलुपता वन्य जीवों के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण कर चुकी है। जंगलों को काटकर पहाड़ी इलाकों में पहुंच आसान कर रहा मानव, वन्य जीवों के प्राकृतिक गलियारों (एनिमल कॉरिडोर) को ध्वस्त कर रहा है।

सुदूर जंगल अब आबादी के करीब आ रहे हैं और आबादी के आसपास जमा हो रहा कचरा वन्य जीवों को जंगल का हिस्सा होने का ही भान करा रहा है। ऐसे में प्रकृति के अनुरूप चला आ रहा वन्य जीवों का भोजन चक्र भी बिगड़ चुका है। छोटे जानवर जंगलों से बहुत कम हो गए हैं। बड़े जानवर अपने शिकार (छोटे जानवर) की तलाश में आबादी में रुख कर रहे हैं और यहां उनका सामना सीधे मानव से हो रहा है, क्योंकि उसे तो अभी भी वह हिस्सा अपने ही जंगल का लग रहा है। ऐसे में वह मानव की बढ़ती आमद को अपने जंगल में दखल मान रहा है।

पहाड़ के गांवों में सबसे ज्यादा घटनाएं घर के पास ही चारा पत्ती काटने जाने वाली महिलाओं के साथ होती हैं। गढ़वाल मंडल की बात करें तो पौड़ी, चमोली, उत्तर काशी और रुद्रप्रयाग में बाघ, गुलदार और भालू के हमलों में अप्रत्याशित तेजी आई है। पहले पहाड़ पर गांव के लोग अपने घर के खुले आंगन में बिना खौफ के सो जाते थे, लेकिन अब दिन ढलते ही घरों के बाहर निकलना असुरक्षित माना जा रहा है। कुमाऊं मंडल के नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में भी मानव-वन्य जीव टकराव बढ़ा है। दोनों मंडल में मानव-वन्य जीव संघर्ष तेजी से बढ़ रहा है, जिससे जन हानि और आर्थिक नुकसान दोनों बढ़े हैं।

मानव के साथ ही प्रकृति में बदलाव भी वन्य जीवों के आबादी में बढ़ते दखल का बड़ा कारण माना जाता है। जल वायु परिवर्तन का असर केवल इंसानी जगत पर ही नहीं, वन्य जीवों पर भी पड़ा है। घने जंगलों का तापमान वहां रहने वाले जानवरों के अनुकूल होता था और मौसम में बदलाव पर उस तापमान को सहन न करने वाले वन्य जीव कुछ समय के लिए वहां से पलायन कर जाते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब बारिश का कोई निश्चित समय नहीं रह गया है। कभी अति होती है तो सूखे जैसे हालात हो जाते हैं। इसके कारण तापमान पर भी असर पड़ा है।

वैज्ञानिक मानते हैं कि भालू चीड़ के पेड़ों के गर्म स्थानों में कम आते हैं, लेकिन अब ऐसे इलाकों में भी उनकी मौजूदगी से ग्रामीण सहमे हुए हैं, इसलिए शीत निद्रा न ले पाने वाले भालुओं का भोजन की तलाश में आबादी में दखल बढ़ रहा है। हाथी पानी पीने के लिए अपने निर्धारित गलियारे का प्रयोग करते आए हैं, जिन्हें एलिफेंट कॉरिडोर कहा जाता है, लेकिन कहीं इस कॉरिडोर में दीवार खड़ी कर दी गई तो कहीं कच्चे मकान बना लिए गए। अब पानी पीने के लिए हाथी उसी निर्धारित कॉरिडोर में आ रहे हैं, तो अवरोध पाकर हिंसक हो रहे हैं और संघर्ष इंसानी मौत का कारण बन रहा है।

हालांकि राज्य सरकार ने इस मुद्दे पर गहन संवेदनशीलता दिखाते हुए आपातकालीन उपाय और तकनीकी सहायता शुरू कर दी है, लेकिन इसका स्थायी समाधान भी मानव के हाथ में ही है और वह है जागरूकता के साथ सुरक्षा के उपाय, क्योंकि अब हालात विकट हो चुके हैं। जो जंगल काटे जा चुके हैं, उन्हें उसी हालत में वापस लाना तो असंभव है, लेकिन दूसरे जंगलों को कटान से बचाना होगा। वन्य जीवों के लिए जंगल और आबादी के बीच नए सिरे से एक हद तय करनी होगी। इसके साथ ही, जंगल की सीमा से सटे इलाकों में सुरक्षा के उच्चतम उपाय करने होंगे, जहां ज्यादा खतरा है, वहां रात में भी रोशनी का पर्याप्त इंतजाम रखना होगा। आबादी के पास झाड़ियों को काटना होगा। कचरे से निपटने के ठोस इंतजाम करने होंगे। सोलर फेंसिंग भी बेहतर विकल्प है। प्रभावित क्षेत्रों में दिनचर्या में भी फेरबदल करना होगा।

25 वर्षों में वन्य जीवों के हमलों में 1264 से ज्यादा लोग काल का ग्रास बने हैं। 6519 लोग घायल हुए हैं। इनमें सबसे अधिक मौतें गुलदार के सिर हैं, जिसके हमलों में 546 लोगों की मौत हुई है।

आमने

ऑपरेशन सिंदूर के पहले दिन भारतीय वायुसेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा था और भारतीय विमान मार गिराए गए। ऑपरेशन के पहले दिन हम पूरी तरह हार गए थे। सात मई को जो आधे घंटे का हवाई संघर्ष हुआ, उसमें हमें पूरी तरह से पराजय मिली, चाहे लोग मानें या न मानें।

–**पृथ्वीराज चव्हाण**

कांग्रेस नेता

सामने

सेना का अपमान करना कांग्रेस की पहचान बन गई है। यह सिर्फ चव्हाण का बयान नहीं है, राहुल गांधी भी ऐसे ही बयान दे चुके हैं। यह सब उनकी सोच को दिखाता है, इसीलिए न तो कांग्रेस और न ही राहुल ऐसे नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करते हैं।

–**शहजाद पूनावाला**

बीजेपी प्रवक्ता

तंबाकू मुक्त हुआ मालदीव, भारत में भी हो पहल

डॉ. रमेश ठाकुर

लेखक

मालदीव ने अपनी मौजूदा और आगामी पीढ़ी को सेहतमंद रखने के लिए मुल्क को धूम्रपान मुक्त बनाने का बीड़ा उठा लिया है। कोई युवा धूम्रपान न कर सके, इसके लिए 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' नाम का बेहद कठोर कानून बनाया है। कानून के मुताबिक वर्ष-2007 के बाद मालदीव में जन्मे लोग अब भविष्य में कभी भी किसी सूरत में स्मोकिंग नहीं कर पाएंगे। अगर ऐसा किसी ने भूलवश किया, तो उसे भारी जुर्माना चुकाना होगा। कानून को पूरे देश में लागू कर दिया गया है।

मालदीव में अब तंबाकू-खैनी, गुटखा, बीड़ी सिगरेट, चरस-गांजा, अफीम या ई-सिगरेट को खरीदना और बेचना अपराध की श्रेणी में है। कोई दुकानदार अगर चोरी-छिपे किसी को तंबाकू बेचता पकड़ा गया, तो उसे 50,000 मालदीवियन रूफिया यानी 2.88 लाख रुपये का जुर्माना देना पड़ेगा। वहीं, ई-सिगरेट या वेपिंग करते पकड़े जाने पर 5,000 रूफिया यानी 29,000 हजार रुपये बतौर जुर्माना देने होंगे। दूसरी बार जुर्माना लगने पर ड्राइविंग लाइसेंस को हमेशा के लिए निरस्त करने का प्रावधान है। ये नियम मालदीव जाने वाले अन्य देशों के लोगों पर भी लागू है।

इस कानून का सबसे सुखद पहलू ये है कि उसे सत्ता और विपक्ष की आम सहमति से संसद में पारित किया गया। देश वासियों ने बाकायदा जश्न मनाया। कानून बनने की खुशी में पक्ष-विपक्ष के सांसदों ने मिलकर पार्टी भी आयोजित की और एक-दूसरे को बधाईयां दीं। दरअसल, धूम्रपान ऐसी आधुनिक बीमारी के रूप में उभर चुकी है, जिसने तकरीबन-तकरीबन प्रत्येक के दरवाजों पर दस्तक दे दी है। वाजिब सवाल यहां ये उठता है, आखिर धूम्रपान के विरुद्ध मालदीव की तरह कठोर कदम भारत में क्यों नहीं उठाया जा सकता? किस बात की दिक्कत है, जबकि डब्ल्यूएचओ के मुताबिक भारत में नशे से मरने वालों की संख्या सर्वाधिक है। भारत में कुछ प्रदेशों के युवा नशे का ज्यादा शिकार हैं। घर के घर तबाह हैं। नशेड़ियों का हर पल, हर जगह, उपहास उड़ता है। बावजूद इसके अपनी हरकतों से वो बाज नहीं आते? दुनिया में हर बरस 80 लाख मौतें होती हैं फिर भी कोई नहीं डर रहा।

नशा-धुम्रपान की बढ़ती समस्या को देखकर अब इतना तो तय है, जब तक मालदीप जैसे सख्त कानून नहीं बनाए जाएंगे, स्थिति में सुधार नहीं होगा। मालदीप की भांति ज्यादा से ज्यादा देशो में ऐसे ही कानूनों को पारित कर अमल में लाने की दरकार है। हिंदुस्तान तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक देश है। सरकार राजस्व का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से जुटाती है। भारत में तंबाकू-धूम्रपान से सालाना 13.5 लाख लोग असमय मरते हैं। 'सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एडं प्रिवेशन' के मुताबिक भारत सरकार प्रत्येक बरस अपने मरीजों पर 1.77 करोड़ रुपये खर्च करती है। ये जानते हुए भी कि तंबाकू कैंसर, फेफड़ों की बीमारी और हृदय रोग सहित कई पुरानी बीमारियों का प्रमुख कारण है। फिर भी लोग गुटखा-खैनी इस्तेमाल करते हैं।

पंजाब पाकिस्तान के बॉर्डर सटा है, जहां से चोरी-छिपे हर दिन सैकड़ों किलो मादक पदार्थों की खेप पहुंचती हैं। तस्कर इसके लिए ड्रोन का इस्तेमाल करते हैं। देखा जाए तो मालदीव ने अपनी पीढ़ियों को बचाने के लिए जो इच्छा शक्ति दिखाई है, वह अन्य मुल्कों के लिए एक उदाहरण है। उनका यह निर्णय नशे से प्रभावित देशों को धूम्रपान से लड़ने के लिए न सिर्फ हिम्मत देगा, बल्कि स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाएगा।

मालदीव का नशा मुक्ति पर लिया कठोर निर्णय निश्चित रूप से साहसिक कदम कहा जाएगा। ऐसा करके मालदीव विश्व का पहला मुल्क बना है, जहां साल 2007 के बाद जन्मा कोई इंसान कश से दूर रहेगा। मालदीव में धूम्रपान से सालाना मात्र 150 लोग ही जान गवाते हैं, फिर भी सरकार अपने नागरिकों के लिए इतनी फिक्रमंद है। कानून से जुड़ी एक अच्छी बात ये भी है कि यह नियम वहां पहुंचने वाले सैलानियों पर भी लागू रहेंगे।

विश्व की सरकारें अगर ईमानदारी से जनहित की नीतियों पर मंथन करें, तो धूम्रपान पर मुक्ति पाना असंभव नहीं? मॉर्डन स्टेटस कहें, या पश्चिमी सभ्यता का विस्तार? देखा-देख युवा नशे की लत में घुसते जा रहे हैं। मालदीव ही नहीं, विश्व का कोई देश इस समय अछूता नहीं बचा, जहां के टीनएजर्स इस समस्या की गिरफ्त में न समाए हों? इस मामले में एशिया पहले पायदान पर है, जहां बड़े स्तर पर मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त जारी है।

मालदीप सरकार द्वारा पारित 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' दुनिया का पहला 'तम्बाकू मुक्त' कानून है। भारत में धूम्रपान पर पीढ़ीगत प्रतिबंध के संबंध में कोई विशेष कानून नहीं है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम जैसे कई कानून पहले से हैं। इसके अलावा समय-समय पर प्रदेश सरकारें अपने स्तर पर प्रतिबंध लगाती रहती हैं। जैसे, इस समय पंजाब सरकार ने नशा मुक्ति को लेकर अभियान छेड़ा हुआ है।

दुर्भाग्य से इस तरह के अभियान या प्रदेश सरकारों की सख्तियां कारगर साबित नहीं हो पातीं। कुछ समय बाद दम तोड़ देती हैं। हमारे यहां कागजों में ऐसी पाबंदियां की भरमार हैं, जिनमें शिक्षण संस्थाओं जैसे स्कूल-कॉलेजों से सौ मीटर दूरी तक पान-मसाला बेचने की मनाही होती है, लेकिन अब स्कूलों के भीतर भी मादक पदार्थ पकड़े जाने लगे हैं।

मालदीव ने अपनी पीढ़ी को सेहतमंद रखने के लिए मुल्क को धूम्रपान मुक्त बनाने का बीड़ा उठा लिया है। उसने 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' नाम का बेहद कठोर कानून बनाया है।

सोशल फोरम

जब औरतों को अपने ही पैर वापस मिले

सुजाता चोखेरबाली

एसोसिएट प्रोफेसर

वे पैर चलने के लिए थे, दौड़ने के लिए थे, उनमें कोलंबस हो सकने की क्षमता थी, जिन्हें बांध दिया गया और छीन लिया गया उनका बल, उनकी गति, उनका विकास। परंपरा और ख़ूबसूरती के नाम पर। इतिहास को जब-जब स्त्रीवादी नज़र से खंगाला जाएगा, तो उसमें ऐसे-ऐसे अन्याय मिलेंगे जो मानवता को शर्मिंदा कर दें। वे आंदोलन मिलेंगे जिन्हें राष्ट्र के आंदोलन में मिलाकर ख़त्म कर दिया गया।

फुट बाइंडिंग- चीन में शताब्दियों तक चलती रही इस दर्दनाक प्रथा में बच्चियों के पैरों को बचपन में ही कसकर कपड़े से ऐसे बाँधा जाता था कि उसका आकार और आकृति नियंत्रित की जा सके। माना जाता था कि यह स्त्रैण सुंदरता को बढ़ाता है और प्रतिष्ठा का सूचक है। ऐसा कहा जाता है कि दसवीं शताब्दी का एक राजा अपने दरबार की एक नर्तकी के छोटे पैरों को देखकर मुग्ध हो गया था।

इसने स्त्रियों का चलना फिरना मुश्किल बना दिया था। वे घरों के बाहर नहीं निकल पाती थीं, लेकिन इसका यह बिलकुल अर्थ नहीं कि वे इतिहास में और जीवन में महज़ यौनोपयोगी वस्तु की तरह थीं और ठस्स थीं। कुछ विद्वान मानते हैं कि पैरों को बांधे जाने का अर्थव्यवस्था से नज़दीकी रिश्ता था। जब नए उद्योगों और फैक्ट्रियों में सस्ते कपड़े का उत्पादन बड़े स्तर पर शुरू हुआ, तब इन स्त्रियों के काम में कमी आई। ये स्त्रियां बैठे-बैठे ऊन, कपड़ा, जूते, चटाई जैसी चीज़ें बनाया करती थीं।

हालांकि पैरों को बांधने की प्रथा को 1902 में क़ानूनी रूप से ख़त्म कर दिया गया था, लेकिन इसके बाद भी पूरी तरह उसे ख़त्म होने में कई दशक लग गए। इसके खत्म होने में सबसे महत्वपूर्ण योगदान रहा उन सुधार आंदोलनों का जो उन्नीसवीं सदी के अंतिम दो दशकों में शुरू हुए। 1860 में ईसाइयत के प्रचार-प्रसार के लिए अपने पत्नी सहित चीन के अमॉय (पहले Xiamen) उपप्रांत में पहुंचा मेक गोवान और पैर बांधने की यह प्रथा देखकर चकित रह गया। मेक गोवान के लिए यह ईसाइयत के ख़िलाफ़ था, क्योंकि यह प्रकृति के ख़िलाफ़ था। वह लिखता है- 'इसने (पैर बाँधने ने) सुघड़ता और समरूपता को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है, जो प्रकृति ने स्त्री को दी है।

–**फेसबुक वाल से**

सामयिकी

लड़कियों को नहीं मिलते शिक्षा के समान अवसर

गांवों की किशोरियां रोज़ ऐसे फैसलों और दबावों के बीच जीती हैं, जो उनके बचपन, पढ़ाई और भविष्य को तय कर देते हैं। तमाम सरकारी योजनाओं के बावजूद उन्हें पढ़ाई के समान अवसर नहीं मिलते हैं। काग़ज़ों में साक्षरता का अर्थ सिर्फ़ नाम लिखना या पढ़ लेना नहीं होता। असली सवाल यह है कि कितनी लड़कियां पढ़ाई पूरी कर पाती हैं? कितनी आगे बढ़ पाती हैं और कितनी को अपने जीवन के फैसले खुद लेने का अवसर मिलता है।

जब किसी परिवार की आमदनी सीमित हो, तो प्राथमिकताएं भी सीमित हो जाती हैं। ऐसे में घर की लड़कियों की पढ़ाई अक्सर 'अतिरिक्त खर्च' के रूप में देखी जाने लगती है। अगर घर में स्थायी आमदनी हो, तो माता-पिता शायद बेटियों को और समय दे सकें।समाज में पढ़ाई को केवल एक सीमा तक ही स्वीकार किया जाता है। उसके बाद लड़की से अपेक्षा की जाती है कि वह अगले चरण यानी शादी के बंधन में बंध जाए, चाहे इसके लिए वह तैयार भी है या नहीं।

पूजा

एक्टिविस्ट

उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी लगातार घट रही है। इसका सीधा असर यह होता है कि परिवार में निर्णय लेने की शक्ति भी सीमित रह जाती है। जब लड़की आर्थिक रूप से निर्भर होती है, तो उसकी आवाज़ भी कमजोर पड़ जाती है। इस पूरे परिदृश्य में यह समझना ज़रूरी है कि कम उम्र में शादी केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि आर्थिक दबाव और अवसरों की कमी का परिणाम है। जब किसी लड़की के सामने पढ़ाई के बाद न तो नौकरी का रास्ता दिखता है और न ही कौशल प्रशिक्षण का, तो परिवार को लगता है कि शादी ही सबसे सुरक्षित विकल्प है. लेकिन यह सुरक्षा अक्सर लड़की की आकांक्षाओं की कीमत पर आती है।

पिछले कई वर्षों से बागेश्वर के ग्रामीण क्षेत्रों में किशोरी सशक्तिकरण पर काम कर रहीं सामाजिक कार्यकर्ता नीलम ग्रेंडी कहती हैं, "ग्रामीण इलाकों में लड़कियों की शादी आज भी समाधान की तरह देखी जाती है। गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा के बाद विकल्पों की कमी इस सोच को मजबूत करती है।"

उनका अनुभव बताता है कि यह समस्या व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे सामाजिक ढांचे से जुड़ी हुई है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा किताबें, छात्रवृत्ति, साइकिल और स्कूल सुविधा देने से शुरुआती शिक्षा तक पहुंच ज़रूर बेहतर हुई है, लेकिन माध्यमिक शिक्षा के बाद का खालीपन अब भी बना हुआ है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि जब लड़कियां घर पर रहती हैं, तो उनसे घरेलू कामों की अपेक्षा बढ़ जाती है। धीरे-धीरे उनकी पहचान एक छात्रा से घर का काम करने वाली लड़की मात्र में बदल जाती है। यह बदलाव चुपचाप होता है, लेकिन बहुत गहरा असर छोड़ता है। फिर भी, इन पहाड़ियों में उम्मीद पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। कई किशोरियां अब सवाल पूछ रही हैं, अपने भविष्य को लेकर गंभीरता से सोच रही हैं और पढ़ाई को केवल डिग्री नहीं, बल्कि आगे बढ़ने और अपने पैरों पर खड़ा होने का रास्ता मान रही हैं। जब उन्हें सही मार्गदर्शन, आर्थिक सहारा और परिवार का भरोसा मिलता है, तो वे आगे बढ़ने की हिम्मत भी जुटा पाती हैं।

बागेश्वर की किशोरियों का संघर्ष सिर्फ़ आंकड़ों की कहानी नहीं है। यह कहानी है सपनों और सीमाओं के टकराव की, इच्छाओं और हालात के संघर्ष की। यदि शिक्षा के साथ-साथ रोजगार, कौशल और सुरक्षा के अवसर मजबूत किए जाएं, तो ये लड़कियां बराबरी और सम्मान से भरे भविष्य की साक्षी भी बन सकती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***

0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

टेस्टिंग इंजीनियर

मोबाइल टेक्नोलॉजी में उभरता करियर

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन, स्मार्ट गैजेट्स और नई-नई टेक्नोलॉजी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुकी है। हर साल बाजार में सैकड़ों नए मोबाइल मॉडल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज लॉन्च होते हैं, जिनसे उपभोक्ताओं की अपेक्षाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में किसी भी प्रोडक्ट की गुणवत्ता, परफॉर्मेंस और सुरक्षा सुनिश्चित करना कंपनियों के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गया है। यहीं से टेस्टिंग इंजीनियर की भूमिका शुरू होती है। टेक्नोलॉजी के तेजी से बदलते दौर में कंपनियां किसी भी तरह की तकनीकी खामी या यूजर शिकायत से बचना चाहती हैं। इसी कारण मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और टेक इंडस्ट्री में टेस्टिंग इंजीनियर की मांग लगातार बढ़ रही है। अगर आपको तकनीक में दिलचस्पी है, चीजों को परखने की आदत है और आप क्वालिटी पर फोकस करते हैं, तो टेस्टिंग इंजीनियर का करियर आपके लिए भविष्य की कई संभावनाओं के दरवाजे खोल सकता है।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

टेस्टिंग इंजीनियर का कार्य

टेस्टिंग इंजीनियर का मुख्य कार्य मोबाइल फोन या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को हर स्तर पर जांचना होता है, ताकि वह बाजार में जाने से पहले पूरी तरह सही और उपयोग के लिए सुरक्षित हो। इसमें सबसे पहले फोन के हार्डवेयर की टेस्टिंग की जाती है, जैसे स्क्रीन की क्वालिटी और टच रिस्पॉन्स, कैमरे की फोटो और वीडियो क्षमता, बैटरी की परफॉर्मेंस, नेटवर्क सिग्नल, स्पीकर और माइक्रोफोन की आवाज। इसके अलावा सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में भी टेस्टिंग इंजीनियर की अहम जिम्मेदारी होती है। वह यह जांचता है कि ऑपरेटिंग सिस्टम स्मूद तरीके से काम कर रहा है या नहीं, ऐप्स सही तरह से ओपन हो रहे हैं या नहीं और फोन हैंग या क्रैश तो नहीं हो रहा। साथ ही यूजर इंटरफेस आसान और सुविधाजनक है या नहीं, इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। यूजर को भविष्य में किसी तरह की परेशानी न हो, यही इस प्रोफेशन का सबसे बड़ा उद्देश्य होता है। किसी भी मोबाइल के लॉन्च से पहले अंतिम मंजूरी इसी टेस्टिंग टीम से मिलती है, इसलिए टेस्टिंग इंजीनियर की भूमिका बेहद जिम्मेदार और महत्वपूर्ण मानी जाती है।

करियर स्कोप

मोबाइल कंपनियों के साथ-साथ टैबलेट, स्मार्टवॉच, IoT डिवाइसेज और ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी में भी टेस्टिंग इंजीनियर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। अनुभव के साथ सीनियर टेस्टिंग इंजीनियर, क्वालिटी एनालिस्ट या टेस्ट मैनेजर जैसे पदों तक पहुंचा जा सकता है। अगर आप टेक्नोलॉजी के साथ काम करना पसंद करते हैं और परफेक्शन की तलाश आपकी आदत है, तो टेस्टिंग इंजीनियर की नौकरी आपके लिए एक स्मार्ट और सुरक्षित करियर विकल्प हो सकती है।

सैलरी और करियर ग्रोथ

टेस्टिंग इंजीनियर की नौकरी सैलरी के मामले में भी काफी बेहतर मानी जाती है। इस क्षेत्र में करियर की शुरुआत करने वाले फ्रेशर्स को आमतौर पर 18,000 से 28,000 रुपये प्रति माह तक वेतन मिल जाता है। जैसे-जैसे काम का अनुभव और तकनीकी समझ बढ़ती है, आमदनी में भी तेजी से इजाफा होता है। करीब 2-3 साल के अनुभव के बाद सैलरी बढ़कर 35,000 से 60,000 रुपये प्रति माह तक पहुंच सकती है।

देश की बड़ी मोबाइल कंपनियों और उनके सप्लायर जैसे Samsung, Xiaomi, Vivo, Oppo और Apple में काम करने वाले टेस्टिंग इंजीनियर्स को अपेक्षाकृत ज्यादा पैकेज मिलता है। वहीं मल्टीनेशनल और इंटरनेशनल कंपनियों में अवसर मिलने पर कमाई और करियर ग्रोथ दोनों ही काफी तेजी से आगे बढ़ते हैं। करियर के लिहाज से भी यह प्रोफाइल कई संभावनाएं खोलता है। अनुभव बढ़ने के साथ टेस्टिंग इंजीनियर, सीनियर टेस्टिंग इंजीनियर, क्वालिटी एश्योरेंस इंजीनियर, आर एंड डी इंजीनियर, प्रोडक्ट वैलिडेशन इंजीनियर या टेस्टिंग टीम लीडर जैसे महत्वपूर्ण पदों तक पहुंच सकता है। हर नए स्तर पर जिम्मेदारियां बढ़ती हैं और उसके साथ सैलरी व प्रोफेशनल ग्रोथ भी लगातार मजबूत होती जाती है।

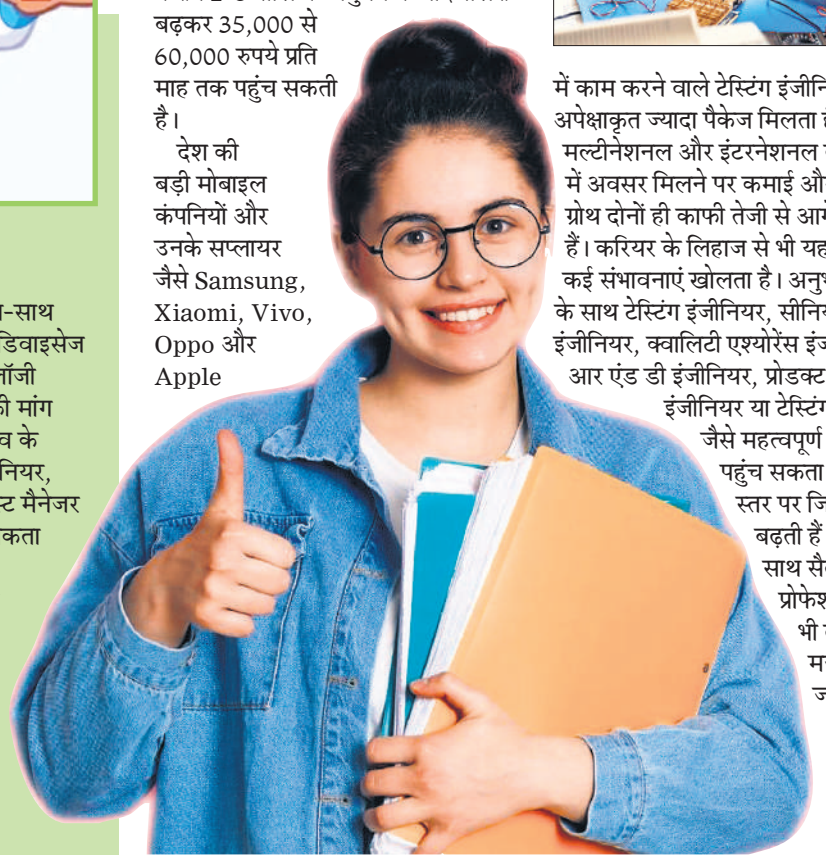

टेस्टिंग इंजीनियर के लिए योग्यता

टेस्टिंग इंजीनियर बनने के लिए बहुत बड़ी या महंगी डिग्री होना जरूरी नहीं है। अगर आपके पास तकनीक की बुनियादी समझ और सीखने की इच्छा है, तो इस फील्ड में करियर बनाया जा सकता है। आमतौर पर Electronics, IT, Electrical, ECE या Mechanical से B.Tech करने वाले उम्मीदवारों को इस प्रोफाइल में आसानी से अवसर मिल जाते हैं। इसके अलावा Diploma in Electronics, Mobile Technology या इससे जुड़े अन्य टेक्निकल डिप्लोमा कोर्स करने वाले भी टेस्टिंग इंजीनियर के रूप में कार्य कर सकते हैं। कई मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और टेक कंपनियां फ्रेशर्स को खुद ट्रेनिंग देती हैं, जिसमें उन्हें मोबाइल हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की टेस्टिंग सिखाई जाती है। इस प्रोफाइल के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार को बेसिक टेक्निकल नॉलेज हो, जैसे मोबाइल के फीचर्स की समझ, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में अंतर तथा छोटी-छोटी तकनीकी समस्याओं को पहचानने की क्षमता। अगर आपके पास ये स्किल्स हैं और आप नई टेक्नोलॉजी सीखने के लिए तैयार रहते हैं, तो टेस्टिंग इंजीनियर के रूप में नौकरी पाना ज्यादा मुश्किल नहीं होता।

जॉब अलर्ट

भारतीय रिजर्व बैंक सेवा बोर्ड

- पद का नाम - पद (डेटा साइंटिस्ट, डेटा इंजीनियर, IT सिक्योरिटी एक्सपर्ट, IT सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर, IT प्रोजेक्ट एडमिनिस्ट्रेटर, AI/ML स्पेशलिस्ट, IT-साइबर सिक्योरिटी एनालिस्ट, नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर, प्रोजेक्ट मैनेजर, रिस्क स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर)
- पदों की संख्या-93
- योग्यता- पदों के अनुसार
- आयु सीमा-21 से 62 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 06 जनवरी, 2026
- वेबसाइट- www.rbi.org.in

पुणे डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक

- पद का नाम- क्लर्क
- पदों की संख्या- 434
- आवेदन की अंतिम तिथि-20-12-2025
- वेबसाइट-pdcc.bank.in

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI)

- पद का नाम-स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर (VP वेल्थ SRM, AVP वेल्थ RM, कस्टमर रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव)
- पदों की संख्या-996
- योग्यता- सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी या संस्थान से ग्रेजुएशन
- आयु सीमा- पदों के अनुसार
- आवेदन की अंतिम तिथि- 23-12-2025
- वेबसाइट-sbi.bank.in

रेलवे भर्ती सेल, उत्तरी रेलवे

- पद का नाम-एक्ट अप्रेंटिस
- पदों की संख्या- 4116
- योग्यता-मैट्रिकुलेशन/10वीं कक्षा (न्यूनतम 50% अंक) और संबंधित ट्रेड में ITI, NCVT/SCVT मान्यता प्राप्त
- आयु सीमा- 15 से 24 वर्ष (नियमों के अनुसार आयु में छूट)
- आवेदन की अंतिम तिथि-12/24/2025
- वेबसाइट- www.rrcnr.org

कैंपस में पहला दिन

सीनियर का रहा खौफ, बाद में बने दोस्त

इंजीनियरिंग कॉलेज में मेरा पहला दिन आंखों में तैरते भविष्य के सपनों के बीच काफी सहमा, सकुचा रहा। आज का एचबीटीयू उस वक्त का एचबीटीआई में मेरा सलेक्शन हुआ। यहां पर आने से पहले मैंने सीनियर्स के बारे में काफी सुन रखा था। इन्हीं सीनियर्स के खौफ और आंखों में सपने लेकर मैं पहले दिन कैंपस पहुंचा। सीनियर्स का डर इस कदर था कि कैंपस में जाने के बाद मैंने उनसे अपने डिपार्टमेंट का रास्ता तक पूछना उचित नहीं समझा, खैर एक टीचर मिले उनसे जानकारी लेकर मैं अपनी क्लास तक पहुंचा। काफी दिन तक सीनियर्स से अनायास ही दूरी बनाता रहा, लेकिन जब उन लोगों से बात हुई तो वे काफी सपोर्टिव निकले। कुछ के साथ मित्रता ऐसी हुई कॉलेज में उन लोगों ने पढ़ाई में भी सहायता की। आज उनमें से कई मेरे बहुत अच्छे मित्र भी हैं।

कॉलेज का पहला दिन मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय क्षण था। उच्च शिक्षा प्राप्त करना बचपन से मेरा सपना था और उस दिन मैं दिल में बड़े सपने और उम्मीदें लेकर कॉलेज के द्वार पर पहुंचा था। अपने पिता को एक इंजीनियर के रूप में कड़ी मेहनत करते हुए देखता आया था। उन्हीं के पदचिह्नों पर चलना हमेशा से मेरी आकांक्षा रही। उन्हें हर संभव तरीके से सहायता करने की इच्छा ही मेरे भीतर इंजीनियर बनने का जुनून जगाती थी। इस सपने को पूरा करने के लिए मैंने अत्यंत परिश्रम किया। कई बार बिजली न होने पर मंद रोशनी में पढ़ाई की। खुद को व्यवधानों से दूर रखने के लिए अक्सर अकेला बैठकर सिर्फ अध्ययन पर ध्यान केंद्रित किया। मेरे इन निरंतर प्रयासों का फल मुझे तब मिला जब मेरा चयन एचबीटीआई, कानपुर में हुआ। एक ऐसा परिसर, जिसने मेरे जीवन की दिशा बदल दी। उस समय न तो करियर काउंसलर थे और न ही इंटरनेट जैसी सुविधाएं। फिर भी, मुझे हमेशा विश्वास था कि एचबीटीआई ही वह स्थान है, जहां मुझे होना चाहिए। परिसर को देखने और ज्ञान से परिपूर्ण प्रोफेसरों से मिलकर यह विश्वास और भी दृढ़ हो गया कि यही वह विश्वविद्यालय है, जिसके लिए मैं बना हूं। कॉलेज जीवन शुरू हुआ, तो पढ़ाई का असली अध्याय भी शुरू हुआ। माता-पिता से दूर, एक ऐसे शहर में जहां कुछ ही लोग परिचित थे। अकेलापन कई बार चुनौती बना, पर इंजीनियर बनने की मेरी प्यास और अपने सपने को पूरा करने की लगन ने मुझे कभी रुकने नहीं दिया। मेरे प्रोफेसर वास्तव में असाधारण व्यक्तित्व थे। आज भी उनके पढ़ाए हुए सिद्धांत और अवधारणाएं मुझे उतनी ही स्पष्टता से याद हैं। पढ़ाई में मेरी रुचि केवल अंकों तक सीमित नहीं थी। मुझे यह समझने में आनंद आता था कि कोई सिद्धांत वास्तव में क्या कहता है, उसका मूल क्या है और वह वास्तविक जीवन में कैसे काम आता है। शिक्षा मेरे लिए केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि उसका व्यावहारिक उपयोग थी। इसी दृष्टिकोण का लाभ मुझे आज भी मिलता है। अपने कार्यस्थल पर बैठकर जब मैं नवाचार या किसी उत्पाद को और बेहतर बनाने के बारे में सोचता हूं, तब बचपन और कॉलेज के दिनों में सीखे गए अनेक सिद्धांत स्वतः ही मेरी आंखों के सामने उभर आते हैं। कॉलेज जीवन मित्रता, मनोरंजन और स्वतंत्रता का पहला अनुभव देता है। पर इससे भी अधिक, यह वह समय है जब हम ज्ञान की वह नींव बनाते हैं, जिस पर हमारा पूरा जीवन टिका रहता है। आज मैं कई विद्यार्थियों को केवल अच्छे अंकों के पीछे भागते देखता हूं। देश के सभी प्रतिभाशाली युवाओं से मैं यही कहना चाहता हूं, केवल अंक प्राप्त करने के लिए न पढ़ें। ज्ञान को समझिए, उसे अपनाइए और उसके वास्तविक जीवन में उपयोग को पहचानिए। देखें कि जो आप आज सीख रहे हैं, उसे अपने जीवन के अन्य क्षेत्रों में कैसे लागू कर सकते हैं। यदि आप यह दृष्टिकोण अपनाएंगे, तो सफलता स्वयं आपके कदम चूमेगी।

- हरेंद्र मूरजानी, एमडी, यूपी पंप प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर

नोटिस बोर्ड

- एमजेपी रुहेलखंड विवि से संबद्ध कालेजों के स्नातक और परास्नातक प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा फार्म भरे जा रहें हैं। फॉर्म समर्थ पोर्टल के माध्यम से भरे जा रहे हैं। इसमें जिन छात्र-छात्राओं को आवेदन करने में परेशानी हो रही है, उनके लिए विवि ने एक वीडियो भी जारी कर दी है। इसमें पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई है। परीक्षा फार्म की लास्ट डेट 19 दिसंबर है। वहीं 20 दिसंबर तक छात्र-छात्राएं आवेदन पत्र कालेज में जमा कर सकेंगे।

- लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-26 सेमेस्टर परीक्षा के तहत शारीरिक शिक्षा विभाग ने इंटर्नशिप वायवा परीक्षा की डेट घोषित कर दी है। विश्वविद्यालय के अनुसार बीए पंचम सेमेस्टर की इंटर्नशिप वायवा परीक्षा 20 दिसंबर को सुबह 11.30 बजे से होगी। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी विद्यार्थियों को अपनी फाइल के साथ पहुंचना होगा।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर बनाएं सफल करियर

आज के दौर में नौकरी पाना जितना चुनौतीपूर्ण हो गया है, उतना ही मुश्किल उसे लंबे समय तक सुरक्षित रखना भी है। तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी और नई स्किल्स की बढ़ती मांग ने Job Market को बेहद प्रतिस्पर्धी बना दिया है। ऐसे में जरूरी है कि हम खुद को समय के साथ अपडेट रखें और लगातार नई चीजें सीखते रहें। अगर आप अपने करियर को मजबूत और भविष्य को सुरक्षित बनाना चाहते हैं, तो बदलाव को अपनाना और नए अवसरों के लिए खुद को तैयार रखना बेहद जरूरी है।

-फीचर डेस्क

कंफर्ट जोन से बाहर निकलें

अक्सर लोग वही काम करते रहना पसंद करते हैं, जिसमें उन्हें आराम महसूस होता है, लेकिन अगर आप हमेशा परिचित कामों तक ही सीमित रहेंगे, तो आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। कभी-कभी नए कामों और नई जिम्मेदारियों को अपनाना जरूरी होता है। इससे न सिर्फ आपके अनुभव बढ़ते हैं, बल्कि करियर को भी नई दिशा मिलती है।

लगातार सीखते रहना है जरूरी

यह सोच गलत है कि पढ़ाई खत्म होते ही सीखना भी खत्म हो जाता है। असल जिंदगी में सीखने की कोई उम्र नहीं होती। नई कंप्यूटर स्किल्स, नई भाषा या नए टूल्स हर नई जानकारी आपको Job Market में आगे रखती है। छोटे-छोटे प्रयास भविष्य में बड़े अवसर बन सकते हैं।

जानकारी और नेटवर्क बढ़ाते रहें

Job Market से जुड़ी खबरों और भर्तियों पर नजर रखें। अपने क्षेत्र के लोगों से संपर्क बनाए रखें और नए लोगों से जुड़ते रहें। सही जानकारी और मजबूत नेटवर्क आपको नए और बेहतर अवसर दिला सकता है।

हमेशा तैयार रहें

नौकरी बदलने की संभावना को ध्यान में रखकर खुद को हर समय तैयार रखें। अपने फील्ड के नए ट्रेंड्स पर नजर रखें और स्किल्स को अपडेट करते रहें। वैकल्पिक करियर विकल्पों पर भी सोचें, ताकि किसी भी बदलाव के लिए आप मानसिक और पेशेवर रूप से तैयार रहें।

समय का करें सही उपयोग

समय सबसे कीमती पूंजी है। टालमटोल करने की आदत करियर को नुकसान पहुंचा सकती है। आज से ही छोटे लक्ष्य तय करें और उन्हें पूरा करने की कोशिश करें। सही समय पर उठाया गया कदम आपको सही मुकाम तक पहुंचा सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,559.65	25,818.55
गिरावट	120.21	41.55
प्रतिशत में	0.14	0.16

सोना 1,36,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,05,800 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जैगल ने पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी बनाई

नई दिल्ली। खर्च प्रबंधन एवं वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी जैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज ने गुजरात के गिफ्ट सिटी में जैगल पेमेंट्स आईएफएससी लि. नाम से पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी का गठन किया है। सॉफ्टवेयर एज ए सर्विसेज (एसएएएस) आधारित वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी ने कहा कि नई इकाई को विदेशी इकाई माना जाएगा, जिससे वह वैश्विक वित्तीय संचालन को सुचारू रूप से संचालित कर सकेगी। नई अनुषंगी कंपनी एसएएएस वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी होगी। यह अपने ऑनलाइन मंच और समाधानों के माध्यम से कंपनियों तथा उनके उपयोगकर्ताओं को खर्च प्रबंधन समाधान प्रदान करेगी।

एसबीआई के एमडी का बढ़ाया गया कार्यकाल

नई दिल्ली। सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एमडी अश्विनी तिवारी का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा दिया है। एसबीआई ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया कि तिवारी को मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने की तिथि 27 जनवरी, 2026 के बाद पुनर्नियुक्त किया गया है। उनका विस्तारित कार्यकाल उनके सेवानिवृत्त होने की तिथि 31 दिसंबर 2027 तक रहेगा। यह पुनर्नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण की तिथि से प्रभावी होगी। यह दूसरा मौका है जब तिवारी के कार्यकाल को दो साल के लिए बढ़ाया गया है।

टाटा केमिकल्स ने जुटाए 1,500 करोड़

नई दिल्ली। टाटा केमिकल्स ने निजी निर्गम के आधार पर गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) के आवंटन के माध्यम से 1,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने एक लाख रुपये के अंकित मूल्य वाले 1,50,000 सूचीबद्ध, असुरक्षित, रेटेड, रिडीमेबल, कर योग्य, गैर-संचयी गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र नकद में आवंटित किए हैं। टाटा केमिकल्स ने बताया कि इन एनसीडी की अवधि दो साल और 364 दिन है। इन पर 7.06% की निश्चित दर का कूपन मिलता है। ये एनसीडी, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) के ऋण खंड में सूचीबद्ध होंगे। टाटा केमिकल्स ने बताया कि कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा गठित आंतरिक समिति ने आवंटन को मंजूरी दे दी है।

हथियार की तरह वैश्विक व्यापार का हो रहा प्रयोग

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- अर्थव्यवस्था की समग्र मजबूती देश को अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि शुल्क और अन्य उपायों के जरिये वैश्विक व्यापार का हथियार के तौर पर इस्तेमाल तेजी से बढ़ता जा रहा है और भारत को ऐसे में सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की समग्र मजबूती देश को अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी।

सीतारमण ने एक कार्यक्रम में कहा कि वैश्विक स्तर पर अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि व्यापार स्वतंत्र एवं निष्पक्ष नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा कि शुल्क और अन्य कई उपायों के जरिये व्यापार को हथियार बनाया जा रहा है। भारत को इसलिए सावधानीपूर्वक बातचीत करनी होगी और केवल शुल्क से निपटना काफी नहीं होगा... बल्कि मुझे लगता है कि हमारी समग्र आर्थिक मजबूती ही हमें वह अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि भारत को यह कहकर उपदेश दिया जा सकता है कि आप (भारत) बहुत अंतर्मुखी हैं, आप शुल्क के बादशाह हैं इत्यादि। हालांकि शुल्क का दुरुपयोग हथियार के रूप में किया गया है।

मंत्री ने कहा कि भारत का इरादा कभी भी शुल्क का इस्तेमाल हथियार के रूप में करने का नहीं रहा। भारत ने केवल अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा की है ताकि वे ऐसे हालात से बच सकें जहां कोई शिकारी (देश/कंपनी) अपने सस्ते या अत्यधिक सामान को बाजार में लाकर उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है।

मंत्री ने कहा कि आज व्यापार का हथियार के रूप में इस्तेमाल बिना किसी आलोचना के हो रहा है और कुछ देश कहते हैं कि शुल्क अच्छे नहीं हैं और किसी को भी यह कदम नहीं उठाना चाहिए लेकिन अचानक नए लोग सामने आकर कहते हैं कि हम शुल्क बाधाएं खड़ी करेंगे और इस पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। इसलिए ऐसा लगता है कि यही नया सामान्य चलन बन गया है। ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि अमेरिका द्वारा लगाए उच्च शुल्कों के कारण वैश्विक व्यापार बाधित हुआ है। मैक्सिको ने भी हाल ही में उन देशों पर उच्च शुल्क लगाने की घोषणा की है जिनके साथ उसके मुक्त व्यापार समझौते नहीं हैं।

वित्तीय प्रबंधन को लेकर केंद्र ने लक्ष्य स्पष्ट, राज्य करें अनुसरण

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र ने राजकोषीय प्रबंधन में पारदर्शिता के लिए स्पष्ट लक्ष्य तय किए हैं और अपने ऋण स्तर को कम किया है। उन्होंने साथ ही राज्यों से भी इन्हें लागू करने का आह्वान किया है। सीतारमण ने कहा कि अगले वित्त वर्ष 2026-27 से राजकोषीय घाटे के साथ ऋण स्तर पर ध्यान दिया जाएगा। राज्यों को भी अपने ऋण स्तर को कम करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं ताकि देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल कर सके। केंद्र सरकार ने बजट तैयार करने में पारदर्शिता के लिए स्पष्ट लक्ष्य तय किए हैं जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि राजकोषीय प्रबंधन सभी के लिए पारदर्शी हो एवं जवाबदेही के उच्च मानकों को पूरा करे। परिणामस्वरूप, कोविड के बाद से हम ऋण-जीडीपी अनुपात को कम करने में सक्षम हुए हैं। उस समय यह 60% से अधिक हो गया था। अब यह घटता हुआ प्रतीत हो रहा है।

राजकोषीय प्रबंधन को प्राथमिकता दें राज्य सरकार

सीतारमण ने राज्यों से केंद्र की तरह राजकोषीय प्रबंधन में पारदर्शिता को प्राथमिकता देने का आह्वान किया] जिसने हर साल ऋण स्तर को कम किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि जब तक ऋण-जीएसडीपी अनुपात को बेहतर ढंग से प्रबंधित नहीं किया जाता और इसे एफआरएमबी सीमाओं के भीतर नहीं रखा जाता और वर्षों से जमा हो रहे उच्च ब्याज दरों वाले ऋण को कम नहीं किया जाता (जिसे कई राज्य चुकाने में असमर्थ हैं)... तब तक आप ऋणों को चुकाने के लिए उधार लेते रहेंगे, विकासात्मक व्यय के लिए उधार नहीं ले पाएंगे। राजकोषीय परिदृश्य में यह एक गलत रणनीति है।

सेबी की बोर्ड बैठक में दी गई बड़े सुधारों को मंजूरी

मुंबई, एजेंसी

- बाजार नियामक ने म्यूचुअल फंड में पारदर्शिता बढ़ाने पर दिया जोर

बाजार नियामक सेबी के निदेशक मंडल की बुधवार को हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण सुधारों को मंजूरी दी गई। इन सुधारों का मकसद कंपनियों और निवेशकों दोनों के लिए प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाना है। निदेशक मंडल ने कंपनियों के लिए कोष जुटाने के समय पेश किए जाने वाले निर्गम दस्तावेज को सरल बनाने का प्रस्ताव मंजूर किया।इससे निवेशकों को निवेश के फैसले लेने में आसानी होगी और वे कम समय में ही मुख्य बिंदुओं की जानकारी जुटा पाएंगे।

म्यूचुअल फंड में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए समग्र खर्च अनुपात (टीईआर) को अलग-अलग घटकों में तोड़ने की मंजूरी दी गई। इससे निवेशक यह समझ सकेंगे कि टीईआर में से कितनी राशि स्टांप शुल्क, प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे कानूनी मदों में जा रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बॉण्ड या ऋण निर्गम में भी विशेष श्रेणी के निवेशकों को प्रोत्साहन देने की अनुमति दी। निदेशक मंडल ने बड़ी कंपनियों पर अनुपालन का बोझ कम करने के लिए उच्च ऋण मूल्य वाली सूचीबद्ध इकाइयों (एचवीडीएलई) की पहचान के लिए ऋणसीमा को 1,000 करोड़ से बढ़ाकर 5,000 करोड़ करने का प्रस्ताव भी मंजूर किया। सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय की अध्यक्षता में हुई बैठक में उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों की समीक्षा भी की गई।

दो दशकों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता तय करेगी वृद्धि की रफ्तारः सीईए

नई दिल्ली, एजेंसी

- उद्योग एवं व्यावहारिक अनुभव वाले शिक्षकों की नियुक्ति को अपनाने का दिया सुझाव

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और प्रासंगिकता क्षमता अगले 20 वर्षों में भारत के जनसांख्या संबंधी लाभांश को वृद्धि का इंजन बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। नागेश्वरन ने उद्योग मंडल सीआईआई की तरफ से उच्च शिक्षा पर सम्मेलन में कहा कि भारत में उच्च शिक्षा सुधार के अगले चरण की कुंजी राज्यों के पास है। उन्होंने शिक्षकों की कमी को तत्काल दूर करने की जरूरत पर जोर देते हुए उद्योग एवं व्यावहारिक अनुभव रखने वाले विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति जैसे विकल्पों को अपनाने का सुझाव भी दिया।

नागेश्वरन ने कहा कि राज्यों के लिए अन्य प्रमुख प्राथमिकताओं में प्रशासनिक नियंत्रण से आगे बढ़कर संरक्षण एवं मार्गदर्शन की भूमिका निभाना, इनपुट आधारित नियमन से हटकर परिणाम एवं गुणवत्ता पर आधारित नियमन, सार्वजनिक प्रशासन में उद्यमशील दृष्टिकोण अपनाना और संस्थानों को उनकी भूमिका एवं प्रदर्शन के आधार पर वित्तपोषण शामिल है। सीईए ने कहा कि भारत इस समय जनसांख्यिकीय और आर्थिक मुहाने पर खड़ा है। दो दशकों में लाखों युवा कामकाजी उम्र में प्रवेश करेंगे। जनसंख्या का यह लाभांश आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देगा या सामाजिक दबाव का कारण बनेगा, यह काफी हद तक हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता और प्रासंगिकता पर निर्भर करेगा। नागेश्वरन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ने सुधारों के लिए रास्ता खोला है और नियामकीय सोच में बदलाव आ रहा है, लेकिन अब जरूरत प्रभावी क्रियान्वयन, संस्थागत साहस और सहकारी संघवाद की है।

भारत-ओमान आज करेंगे मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी

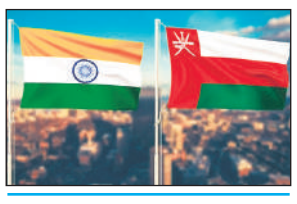

- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल हस्ताक्षर के लिए मस्कट पहुंचे

भारत और ओमान आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से मस्कट में मुक्त व्यापार समझौते पर गुरुवार को हस्ताक्षर करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी उपस्थिति रहेंगे, जो तीन देशों की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। मोदी मंगलवार को जॉर्डन से इथियोपिया पहुंचे और अदीस अबाबा से ओमान के लिए रवाना होंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मस्कट पहुंच चुके हैं।

मुक्त व्यापार समझौते को आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इस पर बातचीत औपचारिक रूप से नवंबर 2023 में शुरू हुई जो इस वर्ष संपन्न हो गई। इस प्रकार के समझौते में दो व्यापारिक साझेदार अपने बीच व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को काफी हद तक कम कर देते हैं या समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए नियमों में ढील भी देते हैं। खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में ओमान भारत के लिए तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। इस बीच, मस्कट में ओमान-भारत व्यापार मंच को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि दोनों देशों के दलों ने समझौते को अंतिम रूप देने के लिए काफी प्रयास किए हैं।

ओमान मध्य एशिया के लिए प्रवेश द्वार

मंत्री ने कहा कि ओमान अन्य जीसीसी देशों अफ्रीका एवं मध्य एशिया के लिए प्रवेश द्वार है। हम चार्टर्ड अकाउंटेंट, अनुसंधान एवं विकास, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे सेवा क्षेत्रों में सहयोग पर विचार कर सकते हैं। सहयोग के चार प्रमुख क्षेत्र ऊर्जा बदलाव, अवसंरचना विकास, खाद्य सुरक्षा और स्टार्टअप हैं। भारत का पहले से ही जीसीसी के अन्य सदस्य देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ समझौता है जो मई 2022 में लागू हुआ था। जीसीसी के सदस्य बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब और कतर हैं। भारत और कतर भी जल्द ही व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करेंगे।

2024-25 में हुआ था 10.5 अरब डॉलर का व्यापार

2024-25 में भारत-ओमान का द्विपक्षीय व्यापार 10.5 अरब डॉलर (निर्यात 4 अरब डॉलर और आयात 6.54 अरब डॉलर) था। भारत के प्रमुख आयात पेट्रोलियम उत्पाद और यूरिया हैं, जिनकी कुल आयात में हिस्सेदारी 70% से अधिक है। अन्य प्रमुख उत्पादों में प्रोपलीन और एथिलीन पॉलिमर, पेट कोक, जिप्सम, रसायन, लोहा और इस्पात तथा अपरिष्कृत एल्युमीनियम शामिल हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि ओमान 20 वर्ष के बाद मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर रहा है। देश ने आखिरी बार जनवरी 2006 में अमेरिका के साथ इसी तरह का समझौता किया था। गोयल ने उद्योगपतियों से कहा कि मुक्त व्यापार समझौता आप सभी के लिए अपार अवसर लाता है। वस्त्र, जूते, मोटर वाहन व उसके कलपुर्जे, रत्न एवं आभूषण, कृषि रसायन तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

राष्ट्रीय

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी वाला विधेयक पारित

सरकार ने देश के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन विधेयक को बताया ऐतिहासिक

- विपक्ष ने कहा- विधेयक में आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में भाषण देते राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह।

लोकसभा ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने के प्रावधान वाले विधेयक को विपक्ष के विरोध के बीच बुधवार को मंजूरी प्रदान की। सरकार ने 'भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025' को ऐतिहासिक करार दिया है तो विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसमें आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं है तथा यह संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉरपोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने वाला है।

परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के विधेयक पर चर्चा का जवाब देने के बाद सदन ने विपक्ष के संशोधनों को खारिज करते हुए इसे ध्वनिमत से स्वीकृति दे दी। जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले भी थे, लेकिन विरोध के चक्कर में विपक्ष अपने समय के प्रावधानों का विरोध कर देते हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के लिए 37 हजार करोड़ से अधिक का बजट है। यदि हमने 2047 तक 100 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य रखा है तो पूरा करने में परमाणु क्षेत्र महत्वपूर्ण है। सिंह ने कहा कि आज की दुनिया में अलग-थलग रहने का दौर खत्म हो चुका है।

उन्होंने कहा कि उन्हीं सुरक्षा उपायों को जारी रखा गया है जो प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के समय अमल में आए थे। सिंह ने यह भी कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी होगी, लेकिन सुरक्षा का पूरा प्रबंध किया गया है। कुछ सदस्यों द्वारा 15 साल पहले भाजपा की ओर से अरुण जेटली द्वारा परमाणु ऊर्जा विधेयक के कुछ प्रावधानों का संसद में विरोध किए जाने का उल्लेख करने पर मंत्री ने कहा कि अब समय बदल गया है। मंत्री ने कहा कि नुकसान की स्थिति में संचालक को भरपाई करनी होगी तथा परमाणु उत्तरदायित्व कोष होगा। अब भारत अनुसरण नहीं करता है, बल्कि लोग भारत का अनुसरण करते हैं। सिंह ने कहा कि वह परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में नेहरू जी के योगदान को स्वीकार करते हैं।

2008 में भाजपा ने अविश्वास प्रस्ताव लाकर परमाणु कार्यक्रम को पटरी से उतारने का किया था प्रयास : कांग्रेस

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि इसे विस्तृत विचार-विमर्श के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि 2008 में जब परमाणु रंगभेद की नीति को खत्म करने का प्रयास हो रहा था तो भाजपा ने मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाकर भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को पटरी से उतारने का प्रयास किया था। तिवारी ने दावा किया कि भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक में आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का कोई प्रावधान नहीं है।

देश को नई दिशा देगा और विकसित भारत के रथ को आगे बढ़ाएगा

भाजपा के सांसद शशांक मणि ने कहा कि परमाणु ऊर्जा संबंधी विधेयक देश को नई दिशा देगा और 'विकसित भारत' के रथ को आगे बढ़ाएगा जिसका फायदा देश के हर नागरिक को होगा। उन्होंने कहा कि देश को विकसित बनाने के लिए 100 गीगावाट ऊर्जा की जरूरत होगी और इस लक्ष्य को परमाणु ऊर्जा के माध्यम से हासिल किया जा सकता है।

परमाणु अपशिष्ट से उत्पन्न जोखिम को किया गया नजरअंदाज

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने विधेयक में विभिन्न खामियों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि इसमें रेडियोधर्मी पदार्थों के विकिरण और परमाणु अपशिष्ट से उत्पन्न होने वाले 'जोखिम को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है। टीएमसी, द्रमुक और कई विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का विरोध करते हुए इसे संसदीय समिति के पास भेजने की मांग उठाई। सिंह ने 15 दिसंबर को यह विधेयक लोकसभा में पेश किया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11 दिसंबर को इसको मंजूरी दी थी। विधेयक के उद्देश्यों और कारण के अनुसार, इसका मकसद परमाणु ऊर्जा के संवर्धन एवं विकास का प्रावधान करना, परमाणु ऊर्जा उत्पादन तथा स्वास्थ्य देखभाल, खाद्य, जल, कृषि, उद्योग, अनुसंधान, पर्यावरण, परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार के लिए इसका अनुप्रयोग सुनिश्चित करना है। इसका उद्देश्य देश के लोगों के कल्याण के लिए, और इसके सुरक्षित उपयोग के लिए एक मजबूत नियामक ढांचा और इससे संबंधित मामलों के लिए प्रावधान करना भी है।

अप्रचलित और पुराने कानूनों को निरस्त करने वाला विधेयक मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल

- राज्यसभा में कानून मंत्री मेघवाल के जवाब के बाद ध्वनिमत से किया पारित
- विधेयक के माध्यम से छह अधिनियमों को निरस्त और 65 में संशोधन किया जाएगा

संसद ने बुधवार को अप्रचलित और पुराने हो चुके 71 कानूनों को समाप्त करने या संशोधित करने के प्रावधान वाले 'निरसन और संशोधन विधेयक, 2025' को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने इस विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को कल ही पारित कर चुकी है।

उच्च सदन में विधेयक पर मेघवाल ने कहा कि 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद लगातार कानून बनाए जा रहे हैं, अनावश्यक कानूनों को निरस्त तथा कुछ में आवश्यकतानुसार संशोधन किया जा रहा है। उक्त विधेयक गुलामी के अंशों से मुक्ति पाने, विकसित भारत, विरासत पर गर्व करने, एकजुट रहने और कर्तव्य भाव को बढ़ाने के प्रधानमंत्री मोदी के 'पंच प्रण' के तहत लाया गया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से छह अधिनियमों को निरस्त किया जाएगा और 65 में संशोधन किया जाएगा। विधेयक पर चर्चा में भाग लेते समय कांग्रेस के विवेक तन्खा द्वारा इसमें 'औपनिवेशिक' शब्द पर आपत्ति जताये जाने का जिक्र करते हुए मेघवाल ने कहा कि 1925 का भारतीय उत्तराधिकार कानून है, वह भारत की संसद में पारित नहीं है तो उसे औपनिवेशिक नहीं तो और क्या कहा जाए? उन्होंने इस कानून के एक प्रावधान को भेदभावपूर्ण बताया। मेघवाल ने कहा कि इस कानून में प्रावधान है कि कलकत्ता, मद्रास और बंबई प्रेसिडेंसी के न्याय क्षेत्राधिकार की कोई वसीयत होगी तो उसमें हिंदू, सिख, जैन, बौध और पारसी समुदाय के लोगों को प्रशासन पत्र (प्रोबेट) लेना होगा, और यह काम मुस्लिम करेगा तो उसे प्रशासन पत्र नहीं लेना होगा।

कानून मंत्री ने कहा कि यह भेदभावपूर्ण प्रावधान था जिसे हम हटा रहे हैं। संविधान कहता है कि जाति, धर्म के आधार पर भेद नहीं होगा। कोई भेदभावपूर्ण प्रावधान है तो नरेन्द्र मोदी जी के शासन में किताबों (कानून की) में नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि कुछ कानूनों में रजिस्टर्ड पोस्ट का उल्लेख है किंतु अब रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा बंद हो चुकी है। मेघवाल ने कहा कि सरकार ने सुधारों की प्रक्रिया में मई 2014 से अब तक 1,577 अप्रचलित कानूनों को निरस्त किया है, जिनमें 1,562 समाप्त किये जा चुके हैं और 15 को संशोधित करके लागू किया।

पाठ्यक्रम में सुपाठ्य पर्चे लिखने का महत्व करें शामिल मेडिकल कॉलेज : एनएमसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- स्वास्थ्य विभाग के सचिवों, प्रधान सचिवों, चिकित्सा संस्थानों के निदेशकों और डीन को भेजा था पत्र
- पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के 27 अगस्त को जारी किए आदेशों पर आयोग ने जारी किया निर्देश

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने सभी मेडिकल कॉलेजों को चिकित्सकों द्वारा पर्चे पर दवाओं के नाम समेत अन्य बातें लिखने के तौर-तरीकों की निगरानी के लिए उप-समितियां गठित करने और पाठ्यक्रम में सुपाठ्य तथा स्पष्ट पर्चे लिखने के महत्व को भी शामिल करने का निर्देश दिया है। एनएमसी ने 15 दिसंबर को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य विभाग के सचिवों और प्रधान सचिवों तथा इसके अधीन सभी चिकित्सा संस्थानों के निदेशकों और डीन को इस संबंध में एक पत्र भेजा था।

आयोग ने सूचित किया कि यह निर्देश पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा 27 अगस्त को जारी किए आदेशों पर आधारित हैं। न्यायालय के आदेशानुसार, एनएमसी को देश के सभी मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों के पाठ्यक्रम के तहत दवा के पर्चों में स्पष्ट लिखावट के महत्व को अनिवार्य रूप से शामिल कर इसे सुदृढ़ करना होगा। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि चिकित्सा संबंधी सुपाठ्य पर्चा या दस्तावेज, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत ''स्वास्थ्य के अधिकार'' का एक अभिन्न हिस्सा है। इसमें कहा गया कि प्रत्येक मेडिकल कॉलेज को औषधि एवं चिकित्सा समिति (डीटीसी) के अंतर्गत समर्पित उप-समिति बनानी होगी। यह समिति चिकित्सकों के पर्चों की निगरानी करेगी और वैधानिक, नियामक तथा नैतिक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करेगी आयोग ने वर्तमान विनियमों का हवाला देते हुए मेडिकल कॉलेजों को सूचित किया है कि प्रत्येक चिकित्सक को दवाओं के जेनेरिक नाम स्पष्ट रूप से और अधिमानतः बड़े अक्षरों में लिखकर देने चाहिए। साथ ही उन्हें पर्चे पर दवाओं के बारे में तर्कसंगत परामर्श और उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए।

आरजी कर दुष्कर्म-हत्या का मामला कलकत्ता हाईकोर्ट स्थानांतरित

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु चिकित्सक के दुष्कर्म-हत्या के मामले में अपने आदेशों के कार्यान्वयन की निगरानी को बुधवार को कलकत्ता हाईकोर्ट स्थानांतरित कर दिया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कागजात उच्च न्यायालय को भेजने का निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि स्थिति रिपोर्ट की एक प्रति मृतका के माता-पिता को दी जानी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने 2024 में इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया था। जूनियर और सीनियर चिकित्सकों के संघ का प्रतिनिधित्व कर रही वरिष्ठ अधिवक्ता करुणा नंदी ने कहा कि शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय सहमति बनाने की आवश्यकता को पहचानते हुए एक राष्ट्रीय कार्य बल (एनटीएफ) का गठन किया था।

जूता फेंकने जैसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाए

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार और 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) से पूर्व प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने के प्रयास जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने को उपाय सुझाने को कहा। साथ ही इसमें मीडिया को लेकर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के सुझाव भी मांगे। प्रधान न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एससीबीए अध्यक्ष विकास सिंह से सुझाव देने को कहा।

राष्ट्रीय राजमार्ग की 574 परियोजनाएं समय से पीछे : गडकरी

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को संसद में बताया कि 3.60 लाख करोड़ की निर्माणाधीन 574 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी हुई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पांच वर्ष में आवंटित इन 574 विलंबित परियोजनाओं में से 300 में एक साल से कम की देरी हुई है। उन्होंने बताया कि 253 परियोजनाओं में एक से तीन साल तथा 21 परियोजनाओं में तीन साल से अधिक की देरी हुई है। एक लाख करोड़ की लागत वाली 133 परियोजनाओं को आवंटित तो कर दिया गया है, लेकिन भूमि अधिग्रहण और वन एवं वन्यजीव विभाग से मंजूरी जैसे पूर्व-आवश्यक शर्तों के पूरा नहीं होने से काम शुरू होने की तारीख की घोषणा नहीं की जा सकी है। मंत्रालय ने राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर बाधाओं को दूर करने के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सरल बनाने की खातिर कदम उठाए हैं।

बांग्लादेश और भारतीय सीमा पर निषेधाज्ञा लागू

सिलचर, एजेंसी

- कछार जिले में आवाजाही रोकने को प्रशासन ने उठाया कदम

असम के कछार जिले में अवैध आवाजाही को रोकने के लिए प्रशासन ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर निषेधाज्ञा लागू कर दी है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि शांति और स्थिरता को भंग करने के लिए चरमपंथी तत्वों की संभावित आवाजाही और सीमा पार से अनधिकृत गतिविधियों की आशंका को देखते हुए संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में एहतियाती प्रतिबंध लगाए गए हैं।

जिला मजिस्ट्रेट मृदुल यादव ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत मंगलवार को यह आदेश जारी किया है जिसका उद्देश्य लोगों की अवैध आवाजाही, वस्तुओं की तस्करी और संदिग्ध गतिविधियों को रोकना है। इसके अनुसार, जिले की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ लगे एक किलोमीटर के दायरे में सूर्यास्त से सूर्योदय तक व्यक्तियों की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा, भारतीय क्षेत्र के भीतर सुरमा नदी और उसके ऊपरी तटबंधीय इलाकों में रात के समय आवागमन पर भी रोक लगाई गई है। सुरमा नदी पर नौका विहार और मछली पकड़ने की गतिविधियों पर भी सख्त नियंत्रण लगाया गया है।

पाकिस्तान ने हवाई प्रतिबंध एक माह और बढ़ाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंध को एक और माह के लिए बढ़ाते हुए 23 जनवरी तक लागू कर दिया है। पहलगाम हमले के बाद अप्रैल में पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। भारत ने भी पाकिस्तान पर इसी तरह का प्रतिबंध लगाया है।

पिछला विस्तारित प्रतिबंध 24 दिसंबर को समाप्त होने वाला था, लेकिन पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण ने बुधवार को इसे 23 जनवरी तक बढ़ा दिया। प्राधिकरण ने कहा कि पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र भारतीय पंजीकृत विमानों के लिए बंद रहेगा।

हर साल जा रही हजारों की जान

सड़क पर कोहरा बना काल

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली-एनसीआर का कोहरा और प्रदूषण सुर्खियों में है। एक ओर एटर क्वालिटी इंडेक्स का स्तर बढ़ता जा रहा है तो दूसरी ओर धुंध और कोहरे की वजह से लोगों की जान पर आफत बन आई है। मथुरा, नूंह, मेरठ और एनसीआर के कई इलाकों से सड़क हादसे सामने आए हैं। इसमें कई लोगों ने जान गंवाई है। ऐसा पहली बार नहीं है कि कोहरे के कारण हुए सड़क हादसों में लोगों की जान गई हो। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2015 से 2021 तक हर साल करीब 1150 एक्सीडेंट हुए जिनमें करीब 800 लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट के अनुसार होने वाले कुल सड़क हादसों में करीब 9 फीसदी धुंध की वजह से होते हैं। धुंध की वजह से होने वाले सड़क हादसों में मौतों से दोगुनी संख्या घायलों की होती है। कई हजार से ज्यादा लोग घायल हो जाते हैं।

सरकार ने क्या किए हैं बचाव के उपाय

- नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर कोहरे में सड़क दुर्घटनाए रोकने के लिए कई उपाय लागू किए हैं, जिसके तहत सड़क संकेतों और मार्करों की जांच/मरम्मत की जाती है, सड़क पर रिफ्लेक्टिव मार्कर्स, रेट्रो-रिफ्लेक्टिव स्टिकर्स लगाए जाते हैं ताकि वाहन चालकों को मार्ग और बाधाएं बेहतर दिखें। मध्य रेखा/मर्जिंग पॉइंट पर सोलर ब्लिंकर/फ्लैशर्स लगाने जैसे उपाय दृश्यता को बेहतर बनाते हैं। वेरिएबल मैसेज साइन (वीएमएस) और इलेक्ट्रॉनिक अलर्ट के तहत फॉग अलर्ट और नियंत्रित गति संदेश प्रदर्शित किए जाते हैं। राज्यों/स्थानीय प्रशासन की ओर से स्पीड लिमिट को कम किया जाता है।

7 साल में पौने दो लाख हादसे

- सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2019 में 33,602 हादसे हुए जबकि 2020 में 26,541, वर्ष 2021 में 28,934 और वर्ष 2022 में 34,262 दुर्घटनाएं हुईं। 2019-2025 तक अनुमानित दुर्घटनाएं 1 लाख 75 हजार से अधिक हैं। इन सालों में मौतों की अनुमानित संख्या 85 हजार से 1 लाख 05 हजार से अधिक है। इस तरह अनुमानत : 10 से 15 हजार मौतें हर साल होती हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सात वर्षों में कोहरे के कारण 7,994 दुर्घटनाएं हुईं। इन हादसों में 5,740 लोगों की मौत हुई, जबकि 4,322 घायल हुए।

प्रतिवर्ष 1.8 लाख मौतें

- भारत में हर साल सड़क हादसों में 1.7 लाख से 1.8 लाख लोग मारे जाते हैं। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा लगभग 1.72 लाख था और 2024 के शुरुआती महीनों के आंकड़ों के अनुसार यह 1.77 लाख तक पहुंच गया, औसतन हर दिन 485 लोगों की मौत होती है। यह संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है, जिसमें युवा और व्यस्क सबसे अधिक जोखिम की स्थिति में होते हैं।

विकसित देशों में कोहरे में हादसों की स्थिति

- विकसित देशों में कोहरे के कारण सड़क हादसों की स्थिति भारत की तरह बेहद गंभीर और उतनी व्यापक नहीं है, लेकिन कोहरे से जुड़ी दुर्घटनाएं वहां भी होती हैं। ब्रिटेन में घना कोहरा साल में लगभग 10 दिनों के लिए होता है। एक पुराने सड़क सुरक्षा अध्ययन के अनुसार वहां लगभग 2 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं कोहरे में होती हैं। एम4 मोटरवे पर 13 मार्च 1991 को कोहरे के कारण 51 वाहनों की टक्कर में लगभग 10 लोगों की मौत हो गई थी। कनाडा के ऑन्टेरियो में 3 सितंबर 1999 को 87 वाहनों की भिड़ंत में 8 लोगों की मौत हुई थी।

वर्ल्ड ब्रीफ

ग्लोबल साउथ के लिए मौका है एआई समिट

संयुक्त राष्ट्र। इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने यहां कहा कि अगले साल की शुरुआत में भारत में होने वाले एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन में ग्लोबल साउथ के देशों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एजेंडे को सक्रियता से आकार देने का अवसर मिलेगा। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है, जो प्रौद्योगिकी और सामाजिक विकास के मामले में कम विकसित माने जाते हैं। ये देश मुख्यत: दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस 19-20 फरवरी को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेंगे।

सीमा पार से पुंछ में घुसी पाकिस्तानी

जम्मू। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अपने पिता से हुए विवाद के बाद नियंत्रण रेखा पार कर जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले घुसने वाली एक पाकिस्तानी महिला को सेना के जवानों ने हिरासत में ले लिया है। अधिकारियों ने बताया, "मंगलवार को सेना के जवानों ने पीओके के कोटली जिले के गिम्मा इलाके की रहने वाली 35 वर्षीय शहनाज अख्तर को बालाकोट सेक्टर के अग्रिम क्षेत्र डब्बी से गिरफ्तार किया है।

आईएसआईएस के आठ आतंकी गिरफ्तार

इदलिब। सीरियाई सुरक्षा बलों ने खुफिया सेवा के साथ मिलकर इदलिब और सीरिया में आतंकवादी हमले अंजाम देने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। सना समाचार एजेंसी ने एक रिपोर्ट में कहा कि ये आतंकवादी इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक-सीरिया (आईएसआईएस) से उस सेल से जुड़े हैं जो उत्तरी सीरिया में सुरक्षा और सैन्य कर्मियों पर कई हमले करने के लिए जिम्मेदार है। रिपोर्ट में गृह मंत्रालय के हवाले से कहा गया कि ये गिरफ्तारियां मारेत अल-नुमान इलाके में एक राजमार्ग सुरक्षा गश्ती दल पर हाल ही में हुए हमले की जांच के बाद की गईं।

परमाणु पनडुब्बी बनाएगा दक्षिण कोरिया

सोल। दक्षिण कोरिया अमेरिका के साथ परमाणु पनडुब्बी के निर्माण के लिए एक अलग द्विपक्षीय समझौते पर विचार कर रहा है। योनहाप न्यूज़ एजेंसी ने बुधवार दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार वाई सुंग-लैक के हवाले से यह जानकारी दी। वाई ने ये टिप्पणियां मंगलवार को वाशिंगटन पहुंचने पर कीं।

द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे इजराइल-भारत

विदेश मंत्री जयशंकर की इजराइली पीएम नेतन्याहू से मुलाकात में कई मुद्दों पर चर्चा

- प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा क्षेत्र में बढ़ाएंगे सहयोग

यरुशलम, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात कर प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था, संपर्क और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने विश्वास जताया कि भारत-इजराइल की द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। जयशंकर मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर इजराइल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग से भी मुलाकात की और अपने इजराइली समकक्ष गिदोन सार तथा अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के साथ वार्ता की। बाद में दिन में उन्होंने प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मुलाकात की।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि आज शाम यरुशलम में इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मुलाकात कर अत्यंत प्रसन्नता हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था, कौशल एवं प्रतिभा, संपर्क और सुरक्षा में सहयोग को और गहरा करने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रम पर उनके विचारों को महत्व देते हैं। विश्वास है कि हमारी रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। जयशंकर की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब नेतन्याहू की भारत यात्रा की तैयारियां जारी हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से हाथ मिलाते विदेश मंत्री जयशंकर।

नेतन्याहू और मोदी में जल्द होगी मुलाकात

नेतन्याहू और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हाल में फोन पर बातचीत हुई थी, जिसके बाद इजराइली नेता ने कहा था कि दोनों बहुत जल्द मुलाकात करेंगे। जयशंकर अबू धाबी से तेल अवीव पहुंचे, जहां उन्होंने प्रतिष्ठित सर बानी यस फोरम में हिस्सा लिया था। अबू धाबी में वह 15 दिसंबर को आयोजित भारत-यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) आयोग की 16वीं बैठक और भारत-यूएई रणनीतिक संवाद के पांचवें दौर में भी शामिल हुए थे।

इजराइल ने कनाडाई प्रतिनिधिमंडल को वेस्ट बैंक में प्रवेश से रोका

ओटावा। इजराइल ने मंगलवार को कनाडा के एक निजी प्रतिनिधिमंडल को वेस्ट बैंक में प्रवेश करने से रोक दिया, जिसमें संसद के छह सदस्य भी शामिल थे। कनाडा स्थित इजराइली दूतावास ने कहा कि इस समूह को इसलिए प्रवेश नहीं दिया गया क्योंकि इसके संबंध गैर-सरकारी संगठन 'इस्लामिक रिलीफ वर्ल्डवाइड' से हैं, जिसे इजराइल एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करता है। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि कनाडा ने अपने इन नागरिकों के साथ किए गए दुर्व्यवहार को लेकर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी से ओंटारियो की सांसद इकरा खालिद ने कहा कि वह इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थीं और इजराइली सीमा पर अधिकारियों ने उन्हें कई बार धक्का दिया। उन्होंने बताया कि जब समूह जॉर्डन और इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बीच एलेनबी सीमा चौकी पर था, तब प्रतिनिधिमंडल के लगभग 30 सदस्यों में से एक को पूछताछ के लिए अलग ले जाया गया। उसी सदस्य की स्थिति जानने की कोशिश पर उन्हें धक्का दिया गया। खालिद ने कहा कि सीमा अधिकारियों को पता था कि वह सांसद हैं, क्योंकि उन्होंने उनका विशेष पासपोर्ट जब्त कर लिया था, जो सामान्य कनाडाई पासपोर्ट से अलग होता है। वहीं, इजराइली दूतावास ने कहा कि इजराइल नामित आतंकवादी संगठनों से जुड़े संगठनों और व्यक्तियों को प्रवेश की अनुमति नहीं देगा। द कैनेडियन-मुस्लिम वोट नामक समूह द्वारा प्रायोजित इस प्रतिनिधिमंडल की योजना वेस्ट बैंक में विस्थापित फलस्तीनियों से मिलने की थी। हाल में इजराइली सरकार ने वहां यहूदी बस्तियों में 764 नए घरों के निर्माण को मंजूरी दी है। इजराइली बयान में कहा गया कि द कैनेडियन-मुस्लिम वोट को अधिकांश वित्त इस्लामिक रिलीफ कनाडा से मिलता है।

वेनेजुएला के तेल टैंकरों पर अब होगी अमेरिकी नाकेबंदी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने वेनेजुएला में आने-जाने वाले सभी प्रतिबंधित तेल टैंकरों की नाकेबंदी का आदेश दिया है। इस कदम से दक्षिण अमेरिकी देश के नेता निकोलस मादुरो पर दबाव और बढ़ गया है तथा इसका उद्देश्य वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को और कमजोर करना प्रतीत होता है। यह घोषणा उस घटना के एक सप्ताह बाद आई है, जब अमेरिकी बलों ने वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर जब्त किया था। यह असामान्य कार्रवाई क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य जमावड़े के बाद की गई थी। मंगलवार रात को सोशल मीडिया पर नाकेबंदी की घोषणा करते हुए ट्रंप ने आरोप लगाया कि वेनेजुएला तेल का इस्तेमाल मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य अपराधों के वित्तपोषण के लिए कर रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका सैन्य दबाव तब तक बढ़ाता रहेगा, जब तक वेनेजुएला अमेरिका को उसका तेल, ज़मीन और संपत्तियां लौटा नहीं देता। ट्रंप ने कहा दक्षिण अमेरिका के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी नौसेना द्वारा वेनेजुएला को पूरी तरह घेर लिया गया है। वहीं, वेनेजुएला सरकार ने आरोप लगाया कि ट्रंप अंतर्राष्ट्रीय कानून, मुक्त व्यापार और नौवहन की स्वतंत्रता का उल्लंघन कर रहे हैं। उसने कहा कि अमेरिका इस कथित नौसैनिक नाकेबंदी के जरिए देश की संपदा लूटना चाहता है।

अमेरिका ने 20 और देशों पर लगाए यात्रा प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी

- राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन ने की घोषणा, दायरे में अब 40 देश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने 20 और देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं जिसमें फलस्तीनी प्राधिकरण भी शामिल है। अमेरिका की यात्रा करने और वहां प्रवास करने को लेकर इस साल पहले घोषित व्यापक प्रतिबंधों से प्रभावित देशों की संख्या ट्रंप प्रशासन की इस घोषणा के बाद दोगुनी हो जाएगी।

ट्रंप प्रशासन ने उन देशों की सूची में पांच अन्य देशों को शामिल किया है जो यात्रा संबंधी पूर्ण प्रतिबंध झेल रहे हैं। इसके अलावा, फलस्तीनी प्राधिकरण द्वारा जारी दस्तावेजों पर यात्रा करने वाले लोगों को भी इस पूर्ण प्रतिबंध के दायरे में लाया गया है, जबकि 15 अन्य देशों पर नयी पाबंदियां लगाई गई हैं। यह कदम यात्रा और आव्रजन के लिए अमेरिका में प्रवेश के मानकों को और सख्त करने के प्रशासन के जारी प्रयासों का हिस्सा है। आलोचकों का कहना है कि इससे कई देशों के लोगों की यात्रा पर अनुचित रूप से रोक लग रही है। जिन लोगों के पास पहले से वीजा है, जो अमेरिका के वैध स्थायी निवासी हैं, जो राजनयिकों या खिलाड़ियों जैसी कुछ विशेष वीजा श्रेणियां के तहत अमेरिका आते हैं या जिनका अमेरिका में प्रवेश देश के हित में माना जाता है, उन्हें इन प्रतिबंधों से छूट दी गई है। घोषणा में कहा गया है कि ये बदलाव एक जनवरी से प्रभावी होंगे।

जून में ट्रंप ने घोषणा की थी कि 12 देशों के नागरिकों को अमेरिका आने से पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाएगा, जबकि सात अन्य देशों के नागरिकों पर यात्रा संबंधी पाबंदियां लगाई जाएंगी। उस समय प्रतिबंध की सूची में अफगानिस्तान, म्यांमा, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल थे, जबकि बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला से आने वाले आगंतुकों पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए थे। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार घोषणा की कि अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध झेल रहे देशों की सूची का विस्तार करते हुए इसमें बुर्किना फासो, माली, नाइजर, दक्षिण सूडान और सीरिया को भी शामिल किया जा रहा है।

नवलखा को दिल्ली भेजने की अदालत ने दी अनुमति

मुंबई, एजेंसी

- एल्गार परिषद मामले में आरोपी हैं गौतम नवलखा

बंबई उच्च न्यायालय ने एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में आरोपी मानवाधिकार कार्यकर्ता गौतम नवलखा को बुधवार को दिल्ली स्थित उनके घर में स्थानांतरित करने की अनुमति दे दी लेकिन साथ ही कहा कि उन्हें जरूरत पड़ने पर सुनवाई के लिए यहां विशेष एनआईए अदालत के समक्ष पेश होना होगा।

न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायामूर्ति श्याम चंदक की पीठ ने कहा कि नवलखा को अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए प्रत्येक शनिवार को दिल्ली के स्थानीय थाने में हाजिरी लगानी पड़ेगी। साथ ही उन्हें अपना पासपोर्ट जमा कराना पड़ेगा और वह विशेष अदालत की अनुमति के बिना दिल्ली छोड़कर नहीं जा सकते। कोर्ट ने कहा कि आवेदक आरोप तय किए जाने के समय विशेष अदालत के समक्ष तब उपस्थित होगा और बुलाए जाने पर तब तक रहेगा जब तक कि अदालत द्वारा उसे छूट नहीं दी जाती।

यूक्रेन का ईयू में आने का विरोध नहीं करेगा नीदरलैंड

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक शूफ़ ने कहा है कि वह यूक्रेन के यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने को नहीं रोकेंगे। शूफ़ ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के साथ बैठक के बाद मंगलवार को कहा कि डच लोग यूरोपीय संघ में यूक्रेन की पूर्ण सदस्यता का पूरी तरह समर्थन करते हैं। दूसरे देश परिषद में इस प्रक्रिया को रोकते हैं, लेकिन नीदरलैंड की तरफ से कोई राजनीतिक रुकावट नहीं होगी। जून 2022 में मोल्दोवा के साथ-साथ यूक्रेन को भी ईयू उम्मीदवार का दर्जा दिया गया था।

भारत ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त को किया तलब

- ढाका में अपने मिशन की सुरक्षा पर चिंता जताई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने बुधवार को बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह को तलब किया और कुछ चरमपंथी तत्वों द्वारा ढाका स्थित भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा संकट पैदा करने की साजिश के ऐलान को लेकर अपनी कड़ी चिंता जताई।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में यह भी कहा कि बांग्लादेश में हाल की कुछ घटनाओं को लेकर चरमपंथी तत्वों द्वारा गढ़ी जा रही झूठी कहानी को भारत पूरी तरह खारिज करता है। हमीदुल्लाह को तलब किए जाने के तुरंत बाद विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अंतरिम सरकार ने न तो इन घटनाओं की गहन जांच की है और न ही इनके संबंध में भारत के साथ कोई ठोस सबूत साझा किए हैं। हालांकि, मंत्रालय ने इन घटनाओं का विस्तृत उल्लेख नहीं किया। उसने कहा कि हम अंतरिम सरकार से अपेक्षा करते हैं कि वह अपने कूटनीतिक दायित्वों के अनुरूप बांग्लादेश में स्थित मिशनों और कार्यालयों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। बयान में कहा गया कि उच्चायुक्त को बांग्लादेश में बिगड़ते सुरक्षा माहौल को लेकर भारत की गंभीर चिंताओं से अवगत कराया गया। मंत्रालय ने कहा कि खासतौर पर उनका ध्यान कुछ चरमपंथी तत्वों की गतिविधियों की ओर दिलाया गया, जिन्होंने ढाका स्थित भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा संकट पैदा करने की साजिश का ऐलान किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नयी दिल्ली बांग्लादेश में शांति और स्थिरता के पक्ष में है।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भारतीय उच्चायोग के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 18 दिसंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी 19 दिसंबर 04 .59 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

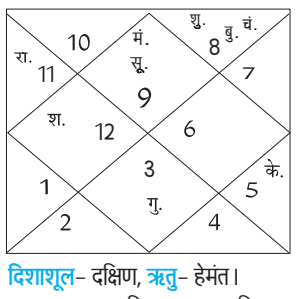

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अनुराधा 20 .07 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज का दिन आपके लिए शुभ नहीं रहेगा। एंटीक वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। विरोधियों के बीच आपका वर्चस्व बढ़ेगा। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों को अधिकारियों से परेशानी हो सकती है।

वृष — आज इंटरव्यू में आपको उत्तम सफलता मिलेगी। रुका हुआ सरकारी काम शुरू होने के योग बन रहे हैं। व्यावसायिक निवेश से आर्थिक लाभ में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिल सकता है।

मिथुन — आज अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। अपने अहंकारी स्वभाव पर नियंत्रण करें। अपनी रुचि के अनुसार कार्य करने का प्रयास करेंगे। नई स्किल सीखने के अवसर मिल सकते हैं। प्रभावशाली लोगों के बीच आपका प्रभाव बढ़ेगा।

कर्क — आज यदि यात्रा के लिए जा रहे हैं, तो सावधानी रखें। जल्दबाजी में कोई कार्य न करें। मन में विचारों की भरमार रहेगी। वरिष्ठजनों के साथ आपके संबंध अत्यंत मधुर रहेंगे। बुरी संगत से आपको दूर रहना चाहिए।

सिंह — आज सहकर्मियों के साथ मनमुटाव हो सकता है। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं। समय पर नया कार्य आरंभ करने के योग बन रहे हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी। म्यूचुअल फंड से आपको धन लाभ मिलेगा।

कन्या — आज अपनी रचनात्मक क्षमता का अच्छा प्रयोग कर पाएंगे। कीमती वस्तुओं को संभालकर रखें। अपनी गलतियों का ठीकरा किसी पर न फोड़ें। व्यवसाय में किसी बड़ी कंपनी से डील हो सकती है। विरोधियों से सीधे भिड़ने से बचें।

तुला — आज कोई बहुप्रतीक्षित कार्य आरंभ हो सकता है। आपके मृदु व्यवहार की प्रशंसा होगी। नई संपत्ति खरीदने के लिए समय उत्तम है। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। संतान की उन्नति से आपको प्रसन्नता होगी।

वृश्चिक — आज कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी विचारधारा से सहकर्मी असहमत हो सकते हैं। सुख के साधनों पर धन खर्च करेंगे। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लोग आपसे प्रेरणा लेंगे। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा।

धनु — आज जॉब में आपके अधिकार कम हो सकते हैं। अपरिचित लोगों पर अधिक विश्वास न करें। दोपहर के बाद नया काम शुरू न करें। आपको व्यवहारिक निर्णय लेने चाहिए। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम होगा। अपनी उपलब्धियों पर गर्व करेंगे।

मकर — आज अपनी योजनाओं को लेकर थोड़ा कन्फ्यूज हो सकते हैं। आपको संभलकर हास्य-विनोद करना चाहिए। परिवार की सुख-सुविधाओं पर आप ध्यान देंगे। विवाह योग्य लोगों को विवाह के रिश्ते मिल सकते हैं।

कुंभ — आज कारोबार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ प्राप्त होगा। विधिक मामलों में आपको सफलता मिलेगी। एआई के क्षेत्र से जुड़े लोगों की आय बढ़ सकती है। संपत्ति को लेकर विवादों का निपटारा होगा। अविवाहित लोगों को विवाह के रिश्ते मिल सकते हैं।

मीन — आज चिकित्सकों के लिए दिन बहुत ही शानदार रहने वाला है। फाइनेंस को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाले हैं। मीडिया से जुड़े लोगों को सम्मान मिल सकता है। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। पित्त की वजह से एलर्जी की समस्या हो सकती है।

सुडोकू-5

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				3	9		1	
		9		7	1		8	4
		7			5	6		
1		3		9		2		
	5						7	
		4		8		1		6
		2	9			3		
8	3		7	6		9		
	9		1	2				

सुडोकू - 4 का हल

6	1	9	3	5	4	2	7	8
4	8	5	2	1	7	6	9	3
2	7	3	8	9	6	1	4	5
8	6	1	9	7	3	5	2	4
3	5	7	4	2	8	9	6	1
9	2	4	5	6	1	8	3	7
1	3	2	6	4	5	7	8	9
7	4	6	1	8	9	3	5	2
5	9	8	7	3	2	4	1	6

हमारी स्क्वाश टीम का अपनी धरती पर विश्व कप जीतना गर्व का बहुत बड़ा क्षण है। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारा। मुझे खुशी है कि खेल क्षेत्र का यह विकास देश के लिए और भी गौरव लाएगा।
–डॉ. मनसुख मांडविया, खेल मंत्री

स्टेडियम

कानपुर, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अनंतजीत-दर्शना की जोड़ी को मिश्रित स्कीट में स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। एशियाई चैंपियन निशानेबाज अनंतजीत सिंह नरूका और दर्शना राठौड़ ने 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप (शॉटगन) में सीनियर स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। राजस्थान की इस जोड़ी ने उत्तर प्रदेश के मैराज अहमद खान और अरीबा खान को करीबी मुकाबले में 45-43 से हराया। फाइनल में अनंतजीत ने 21 निशाने लगाए जबकि दर्शना ने 24 का योगदान दिया। उत्तर प्रदेश ने क्वालीफिकेशन में शूटआउट में हरियाणा को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। हरियाणा की रेजा ढिल्लों और ईशान सिंह लिबरा की टीम ने कांस्य पदक के मुकाबले में मध्यप्रदेश के रितुराज बुंदेला और मानसी रघुवंशी को हराया।

जूनियर खिलाड़ियों की निगाह सीनियर टीम पर

नई दिल्ली। विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ियों की निगाह अब आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में अच्छा प्रदर्शन करके सीनियर टीम में जगह बनाने पर टिकी है। भारत ने हाल ही में समाप्त हुए जूनियर विश्व कप में तीसरे स्थान के मैच में अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर कांस्य पदक जीता था। पुरुषों की एचआईएल लीग तीन जनवरी को चेन्नई में जबकि महिलाओं की लीग 28 दिसंबर को रांची में शुरू होगी। जूनियर खिलाड़ी इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि सीनियर टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन एचआईएल के दौरान उनके खेल पर कड़ी नजर रखेंगे। टूर्नामेंट में पांच गोल करने वाले स्ट्राइकर दिलराज सिंह ने कहा जूनियर विश्व कप अभियान का समापन पदक के साथ करना निश्चित रूप से शानदार है, लेकिन हॉकी इंडिया लीग में अच्छा प्रदर्शन करना सीनियर टीम में जगह बनाने की दिशा में अगला बड़ा कदम होगा।

गिल को पैर के अंगूठे में लगी चोट सीरीज से बाहर होने की आशंका

अभ्यास सत्र के दौरान हुए चोटिल, दर्द के कारण चलने में हो रही परेशानी

लखनऊ, एजेंसी

खराब फॉर्म से जूझ रहे भारत के उप कप्तान शुभमन गिल पैर के अंगूठे में चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दो टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों से बाहर हो गए हैं।

टीम के करीबी सूत्रों ने पीटीआई को यह जानकारी दी। पता चला है कि गिल को ट्रेनिंग सत्र के दौरान चोट लगी और उनके जल्दी ठीक होने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया शुभमन ने चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले से एक दिन पहले नेट में लंबे बल्लेबाजी सत्र में हिस्सा लिया था। सत्र के आखिर में उनके पैर के अंगूठे पर चोट लग गई। उन्हें दर्द हो रहा था और वह लंगड़ा रहे थे।

बुधवार को उनके लिए खेलना मुश्किल होता इसलिए वह टीम के साथ नहीं आए क्योंकि उनके इस मैच में खेलने की बहुत कम संभावना थी। उन्होंने कहा, ''इस समय यह कहना मुश्किल है कि वह अहमदाबाद में खेलेंगे या नहीं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज टी20 विश्व कप से पहले भारत की आखिरी श्रृंखला है और उस द्विपक्षीय सीरीज और विश्व कप के लिए टीम समान रहने वाली है इसलिए राष्ट्रीय चयन समिति और टीम प्रबंधन अपने शीर्ष क्रम के एक विशेषज्ञ बल्लेबाज को लेकर सभी जरूरी सावधानियां बरतना चाहेंगे। गिल कोलकाता में पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन लगी गर्दन की चोट के कारण दक्षिण के खिलाफ टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर हो गए थे जिसके लिए उन्हें दो दिन अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा था। वह गुवाहाटी टेस्ट और उसके बाद की एकदिवसीय श्रृंखाल से भी बाहर रहे। टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से पहले सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने उन्हें फिट घोषित कर दिया था जबकि आलोचक संजू सैमसन से पहले टीम में उनकी जगह पर सवाल उठा रहे थे जिन्होंने पिछले सत्र में तीन शतक लगाए थे। सीरीज में गिल का प्रदर्शन खराब रहा है।

उन्होंने शुरुआती दो मैच में चार और शून्य रन बनाए। इसके बाद धर्मशाला में तीसरे मैच में 28 रन की पारी खेली लेकिन वहां भी वह अपने रंग में नहीं दिखे। हालांकि गौतम गंभीर की अगुवाई वाले पूरे कोचिंग स्टाफ ने अपने स्टार बल्लेबाज का मजबूती से समर्थन किया है कि वह अगले साल फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान शुभमन गिल (दाएं) और अभिषेक शर्मा। एजेंसी

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चौथा टी-20 रद्द

लखनऊ : भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चौथा टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच बुधवार को यहां घने कोहरे के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। भारत पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 से आगे है। अब आख़िरी मुकाबले में साउथ अफ़्रीका को जीत हासिल करनी ही होगी। अन्यथा सीरीज़ भारत के पक्ष में चला जाएगा। इकाना स्टेडियम में मैच रद्द करने का फैसला इसलिए किया गया क्योंकि अगर गेंद हवा में मारी जाती है तो धुंध की मोटी परत से क्षेत्ररक्षकों को दिक्कत होती। निर्धारित समय के अनुसार टॉस शाम छह बजकर 30 मिनट पर होना था लेकिन पहले इसे 20 मिनट के लिए टाला गया और फिर छह बजकर 50 मिनट पर हुए निरीक्षण के दौरान अगला निरीक्षण सात बजकर 30 मिनट पर करने का फैसला किया गया। सर्दियों में देश के पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों में मैच कराने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड की दौरा और कार्यक्रम समिति के फैसले पर निश्चित रूप से सवाल उठ रहे हैं।

मिली एसयूवी, खिले चेहरे

टाटा मोटर्स ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को उनकी ऐतिहासिक विश्व कप जीत के लिए मुंबई में सम्मानित किया और हर खिलाड़ी को नई लॉन्च हुई टाटा सिएरा एसयूवी की पहली यूनिट गिफ्ट की। एजेंसी

सात्विक और चिराग ने बीडब्ल्यूएफ फाइनल्स में जीत के साथ की शुरुआत

हांगझोऊ, एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने बुधवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप बी के अपने पहले मैच में लियांग वेइ केंग और वैंग चैंग की चीन की ओलंपिक रजत पदक विजेता जोड़ी को तीन गेम चले कड़े मुकाबले में हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की।

सात्विक और चिराग की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने पहला गेम गंवाने और मैच प्वाइंट बचाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए दुनिया की पांचवें नंबर की चीन की जोड़ी को 12-21, 22-20, 21-14 से हराया। मैच के बाद चिराग ने कहा पहले गेम में हमारी शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। सच कहूं तो इसका श्रेय उन्हें जाता है। उन्होंने हम पर बहुत दबाव बनाया और हमें गेम में मौका ही नहीं दिया। लेकिन मुझे लगता है कि दूसरे गेम से हम जानते थे कि हम अच्छी शुरुआत करना चाहते हैं। जितना हो सके उतना आक्रामक खेलना चाहते हैं और हमने वही किया। एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी अगले मुकाबले में बृहस्पतिवार को फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहीबुल फिकरी की इंडोनेशिया की जोड़ी से भिड़ेगी और इस मुकाबले के भी काफी कड़ा होने की उम्मीद है। सात्विक और चिराग की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी ने इससे पहले लियांग और वैंग के खिलाफ तीन मैच जीते थे जबकि सात गंवाए थे लेकिन बुधवार को भारतीय जोड़ी ने महत्वपूर्ण लम्हों में धैर्य बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। दोनों जोड़ियों के बीच शुरुआत में कड़ी टक्कर देखने को मिली। दोनों जोड़ियां 7-7 से बराबर थी। चीन की जोड़ी ने लगातार चार अंक के साथ ब्रेक तक मजबूत बढ़त बना ली। वैंग ने नेट पर शानदार खेल दिखाया जिससे चीन की जोड़ी 14-9 से आगे हो गई और फिर उसे पहला गेम 13 मिनट में जीतने में अधिक परेशानी नहीं हुई।

दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी की शुरुआत खराब रही जिससे लियांग और वैंग ने पहले 2-4 और फिर 3-6 की बढ़त बना ली। इस बीच 31 शॉट की रैली भी हुई। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद बराबरी हासिल की और फिर सात्विक के दमदार शॉट से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ब्रेक तक 11-7 से आगे थी जिसे उन्होंने 14-10 तक पहुंचाया और फिर धैर्य दिखाते हुए 45 शॉट की रैली जीती।

कैरी और ख्वाजा के नाम रहा तीसरे टेस्ट मैच का पहला दिन

एडिलेड टेस्ट

एडिलेड, एजेंसी

विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी के करियर के तीसरे शतक और स्टीव स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण अंतिम समय में टीम में जगह बनाने वाले उस्मान ख्वाजा की 82 रन की लाजवाब पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शुरुआती झटकों से उबरकर आठ विकेट पर 326 रन बनाए। कैरी ने अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए ऐसे समय में क्रीज पर कदम रखा जब टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 94 रन था। उन्होंने 143 गेंद का सामना करके 106 रन बनाए जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल है।

इससे पहले ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती झटकों से उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अनुभवी बल्लेबाज को उनके 39वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण बाहर हो जाने से जल्दबाजी में टीम में शामिल किया गया। ख्वाजा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे। जब वह पांच रन पर खेल रहे थे तब उन्हें जीवनदान मिला। उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाकर मार्नस लाबुशेन (19) के साथ 61 रन की और कैरी के साथ 91 रन की दो महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाई। कैरी ने जोश इंग्लिश (32) के साथ 59 रन और इस मैच में वापसी करने वाले कप्तान पैट कमिंस (13) के साथ 50 रन की साझेदारी की। दिन का खेल समाप्त होने के समय मिशेल स्टार्क 33 रन पर खेल रहे थे जबकि नाथन लियोन ने अभी अपना खाता नहीं खोला है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर इंग्लैंड के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 29 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। उनके अलावा ब्रायडन कार्स और विल जैक्स ने दो-दो विकेट हासिल किए।

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते एलेक्स कैरी। एजेंसी

श्रीलंका की महिला टीम टी-20 श्रृंखला के लिए भारत पहुंची

कोलंबो : श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम वनडे विश्व चैंपियन भारत के खिलाफ 21 दिसंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला में भाग लेने के लिए बुधवार को भारत पहुंच गई।

इस श्रृंखला के पहले दो मैच 21 और 23 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेले जाएंगे, जबकि बाकी तीन मैच 26, 28 और 30 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम में होंगे। चमारी अटापट्टू के नेतृत्व वाली टीम सीनियर और युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है। श्रीलंका ने पिछले लंबे समय से टीम के नियमित सदस्य रहे कुछ खिलाड़ियों को लगातार खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर कर दिया है। इन खिलाड़ियों में अनुष्का संजीवनी, उदेशिका प्रबोधनी, सुगंधिका दासनायके और अचिनी कुलसुरिया शामिल हैं। संजीवनी की अनुपस्थिति में कौशिनी नुथ्यांगना विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल सकती है। 1स्पिनर शशिनि गिम्हानी व मध्यम गति की गेंदबाज रश्मिका सेवंदी की टीम में वापसी हुई है।

मैं आंसू नहीं रोक पा रहा था : कार्तिक

मुंबई, एजेंसी

पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मिनी नीलामी में 14.20 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद 19 वर्षीय कार्तिक शर्मा भावुक होकर रो पड़े। कार्तिक आईपीएल के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे अधिक कीमत पाने वाले अनकैप्ड (जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी बन गए हैं।

अबूधाबी में मंगलवार को हुई नीलामी में कार्तिक और उत्तर प्रदेश के प्रशांत वीर 30 लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ नीलामी में उतरे थे, लेकिन चेन्नई ने इन दोनों पर 14.20 करोड़ रुपये खरीद कर नया रिकॉर्ड बनाया। राजस्थान के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक ने जियोहॉटस्टार की एक विज्ञप्ति में कहा जब बोली शुरू हुई तो मुझे डर था कि कहीं मैं चूक न जाऊं। लेकिन जैसे-जैसे बोली बढ़ती गई, मैं रोने लगा। बोली समाप्त होने के बाद मैं आंसू नहीं रोक पाया। मैं भावनाओं और खुशी से अभिभूत था। सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि इसे शब्दों में कैसे व्यक्त करूं। कार्तिक के लिए बोली लगाने की शुरुआत मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स ने की, जिसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स भी इसमें शामिल हो गया। मुंबई जल्द ही बोली से बाहर हो गया जिसके बाद कोलकाता और लखनऊ ने कार्तिक की कीमत को 2.80 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया।

इसके बाद ही चेन्नई ने बोली में प्रवेश किया। बाद में सनराइजर्स हैदराबाद भी इसमें शामिल हो गया था लेकिन आखिर में चेन्नई ने 14.20 करोड़ रुपये में सौदा पक्का कर लिया। कार्तिक ने कहा कि वह महेंद्र सिंह धोनी के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन उन्होंने इसके साथ ही अपने परिवार और दोस्तों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उन्हें यहां तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, ''मेरे परिवार के सभी सदस्यों और दोस्तों को विशेष आभार। उनके समर्थन के बिना मुझे नहीं लगता कि मैं इस मुकाम तक पहुंच पाता। मेरा पूरा परिवार बहुत खुश है। सब लोग जश्न मना रहे हैं और नाच रहे हैं। महेंद्र सिंह धोनी के साथ खेलने और उनसे सीखने को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं।

● आईपीएल की मिनी नीलामी में 14.20 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद हुए भावुक

सरफराज ने सीएसके को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली : भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज सरफराज खान ने कहा है कि पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की वजह से उन्हें 'नई जिंदगी' मिली है क्योंकि टीम ने उन्हें अबुधाबी में हुई खिलाड़ियों की नीलामी में 75 लाख रुपये के आधार मूल्य पर खरीदा है। मंगलवार को नीलामी से कुछ घंटे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच में 22 गेंद में 73 रन बनाने वाले 28 साल के सरफराज के लिए पहले दौर में किसी ने बोली नहीं लगाई लेकिन बाद में सुपरकिंग्स ने उन्हें खरीद लिया। मुंबई के बल्लेबाज सरफराज ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा मुझे नई जिंदगी देने के लिए सीएसके का बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि सीएसके 2026 का खिताब जीते।

डोपिंग की समस्या | वाडा ने 2024 परीक्षण रिपोर्ट जारी की, जांचे थे पांच हजार से अधिक नमूने

भारत में सबसे अधिक पॉजिटिव दर मिली

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की डोपिंग की समस्याओं का कोई अंत नहीं दिख रहा है क्योंकि विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की 2024 के परीक्षण आंकड़ों की रिपोर्ट के अनुसार जिन देशों ने पांच हजार या उससे अधिक परीक्षण किए हैं उनमें भारत में सबसे अधिक उल्लंघन के मामले पाए गए हैं। वाडा की रिपोर्ट के अनुसार भारत ने पिछले साल 7,113 परीक्षण (6,576 मूत्र के नमूने और 537 रक्त के नमूने) किए जिसमें 260 प्रतिकूल नतीजे आए जो 3.6 प्रतिशत की पॉजिटिव दर है जो सभी प्रमुख देशों में सबसे अधिक है।

जब अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) भविष्य में 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की बोली का मूल्यांकन करेगी तो देश का खराब डोपिंग रिकॉर्ड प्रमुख चिंताओं में से एक होगा। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने एक नोट में कहा, ''यह स्थिति राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर चिंताजनक लग सकती है लेकिन यह बताना जरूरी है कि ये आंकड़े डोपिंग के मामलों में बढ़ोतरी के बजाय भारत के कड़े डोपिंग रोधी प्रयासों का सीधा नतीजा है जिसमें अधिक परीक्षण और प्रतिबंधित पदार्थों का पता लगाने की मजबूत प्रणाली शामिल है। वर्ष 2023 के परीक्षण आंकड़ों में 5,606 परीक्षण में 213 प्रतिकूल नतीजों के बाद भारत की पॉजिटिव परीक्षण की दर 3.8 प्रतिशत थी। चीन ने 2024 में 24,214 परीक्षण किए और उसकी पॉजिटिव परीक्षण की दर सिर्फ 0.2 प्रतिशत थी। अमेरिका की डोपिंग रोधी एजेंसी ने भारत से कम 6,592 परीक्षण किए और उसकी पॉजिटिव दर 1.1 प्रतिशत रही। डोपिंग से निपटने में नाकाम रहने के कारण दुनिया भर में अलग-थलग कर दिए गए रूस ने 10,514 परीक्षण किए और सिर्फ 76 प्रतिकूल नतीजों के साथ उसकी पॉजिटिव परीक्षण की दर 0.7 प्रतिशत रही। पाकिस्तान और मंगोलिया जैसे कुछ देशों में भारत की तुलना में पॉजिटिव परीक्षण की दर अधिक है लेकिन उन्होंने बहुत कम परीक्षण किए हैं। नाडा ने कहा कि उसने 2025 में अब तक 7,068 परीक्षण किए हैं जिसमें 110 प्रतिकूल नतीजों के साथ पॉजिटिव परीक्षण की दर 1.5 प्रतिशत रही है।

खेल मंत्री ने बुराई से निबटने के लिए जताई प्रतिबद्धता

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी बार-बार एथलेटिक्स और भारोत्तोलन जैसे पावर खेलों को पारंपरिक रूप से परेशान करने वाली इस बुराई से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। नाडा ने कहा कि वह डोपिंग उपायों के बारे में 'खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच अधिक जागरूकता और बेहतर अनुपालन' देख रहा है। मिलावट वाले सप्लीमेंट की समस्या से निपटने के लिए नाडा ने कहा कि वह 'न्यूट्रिशन सप्लीमेंट परीक्षण' को मजबूत करने के लिए भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर काम कर रहा है।

सिडनी ओलंपिक में पदक चूकना सबसे बड़ा मलाल : रियाज

चेन्नई : सिडनी ओलंपिक में पदक के करीब पहुंचकर चूकने का मलाल मोहम्मद रियाज को दो दशक बाद भी है लेकिन पिछले दो ओलंपिक में भारतीय टीम के कांस्य पदक जीतने से उनका दुख जरूर कम हुआ है। तमिलनाडु के 53 वर्ष के पूर्व मिडफील्डर रियाज 1998 एशियाई खेलों में 32 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे लेकिन सिडनी ओलंपिक 2000 में उस कामयाबी को नहीं दोहरा सके और क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए। रियाज ने कहा ओलंपिक खेलना सबसे बड़ी बात है और पदक के इतने करीब पहुंचकर चूक जाना सबसे बड़ा मलाल है । मुझे पूरी जिंदगी यह मलाल रहेगा लेकिन मुझे खुशी है कि भारत ने लगातार दो कांस्य (तोक्यो ओलंपिक 2021 और पेरिस 2024) जीतकर लंबा इंतजार खत्म किया।

6 वर्षों बाद आनंद की वापसी

टाटा स्टील शतरंज

कोलकाता, एजेंसी

यह एक गुरु और उनके शिष्य के बीच एक जबरदस्त मुकाबला होगा जब पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद छह साल बाद प्रतिस्पर्धी मुकाबले में वापसी करेंगे और सात से 11 जनवरी तक यहां सातवें टाटा स्टील शतरंज में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश और अपने दूसरे पूर्व शिष्यों का सामना करेंगे। पिछली बार 2019 में टूर्नामेंट खेलने वाले आनंद भारतीय सितारों की नई पीढ़ी के खिलाफ वापसी करेंगे जिसमें गुकेश सबसे आगे हैं। आनंद ने गुकेश का हाल के वर्षों में अपनी वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी में करीब से मार्गदर्शन (मेंटर) किया है।

यह पहली बार होगा जब ये दोनों विश्व चैंपियन भारतीय धरती पर किसी व्यक्तिगत टूर्नामेंट में आपस में भिड़ेंगे। टाटा स्टील शतरंज इंडिया 'धोनो धन्यो ऑडिटोरियम' में आयोजित किया जाएगा जिसमें रैपिड और ब्लिट्ज दोनों प्रारूप में ओपन और महिला दोनों वर्ग होंगे और दोनों वर्ग के लिए समान पुरस्कार राशि होगी। ओपन वर्ग में फिडे विश्व कप उप विजेता वेई यी, पूर्व अमेरिकी चैंपियन वेस्ली सो, हेन्स नीमेन, वोलोडार मुर्जिन और आर प्रज्ञानानंदा तथा अर्जुन एरिगेसी सहित एक मजबूत भारतीय दल भी शामिल होगा। अन्य भारतीयों में विदित गुजराती, अरविंद चिदंबरम, दिव्या देशमुख, वैशाली आर, वंतिका अग्रवाल और रक्षिता रवि शामिल हैं। महिलाओं के वर्ग में विश्व कप विजेता दिव्या के साथ पूर्व विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर एलेक्जेंड्रा गोरियाचकिना, कैटरीना लेग्नो, नेना डजाग्निदजे, डी हरिका और कैरिसा यिप मुख्य आकर्षण होंगी। खिलाड़ी के तौर पर वापसी को लेकर उत्साहित आनंद ने कहा भारत सहित पूरी दुनिया में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के उभरने से शतरंज की दुनिया में बहुत बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''मैं भारत के इस बड़े टूर्नामेंट में युवा दिग्गज शतरंज खिलाड़ियों की चुनौती स्वीकार करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। टाटा स्टील के उपाध्यक्ष (कॉर्पोरेट सर्विसेज) डी बी सुंदर रामम ने कहा कि आनंद की वापसी ने इस प्रतियोगिता में एक खास आयाम जोड़ा है।

● मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश से भी होगी भिड़ंत